आज का मौसम
20.0° अधिकतम तापमान
7.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.03
सूर्यास्त 05.46

अमृत विचार
लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष सप्तमी 11:10 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 25 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 356, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ आंकड़ों में विसंगतियों वाले मतदाताओं की सूची जारी करने पर अनिश्चितता
- 12

■ एयरलाइन इंडिगो ने हवाई अड्डों पर 717 स्लॉट किए खाली
- 12

■ ईरान ने कहा किसी भी हमले को पूरी तरह से युद्ध मानेंगे सख्ती से देंगे जवाब
- 13

■ ऑस्ट्रेलियाई ओपनः जोकोविच ने गैंडस्लैम में दर्ज की रिकॉर्ड 400वीं जीत
- 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, गणतंत्र भारत में स्त्री अधिकार से नेतृत्व तक व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली में 1,000 पार्किंग स्थल संभावित जोखिम के रूप में चिह्नित

नई दिल्ली। दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह से पहले पुलिस ने पूरे शहर में बिना निगरानी वाले लगभग 1,000 पार्किंग स्थलों को संभावित सुरक्षा जोखिम के रूप में चिह्नित किया है। अधिकारियों ने बताया कि लावारिस या छोड़े गए वाहनों के साथ-साथ सुरक्षा की कमी के कारण ये स्थल संभावित सुरक्षा जोखिम के रूप में पहचाने गए हैं, जिसमें सीसीटीवी कैमरों का काम न करना भी शामिल है। इनमें से कई पार्किंग स्थल अनधिकृत हैं और मेट्रो स्टेशन, रेलवे स्टेशन, बाजारों, मॉल, कार्यालय परिसरों व आवासीय क्षेत्रों के पास स्थित हैं।

अमेरिका में तूफान की वजह से उड़ानें रद्द

डलास। अमेरिका में बर्फीले तूफान की वजह से सप्ताहांत करीब 10,000 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। तूफान की वजह से देश के अधिकांश हिस्सों में भारी तबाही होने की आशंका है और कई दिनों तक बिजली गुल रहने और प्रमुख सड़कों पर यातायात बाधित होने का खतरा पैदा हो गया है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के पूर्वानुमान के मुताबिक, न्यू मैक्सिको से लेकर न्यू इंग्लैंड तक लगभग 14 करोड़ लोगों के तूफान से प्रभावित होने की आशंका है।

वर्दी घोटाले में निदेशक होमगार्ड सस्पेंड

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री खरीद से जुड़े घोटाले में संलिप्त पाए जाने पर निदेशक होमगार्ड (डिप्टी कमांडेंट) अमिताभ श्रीवास्तव को शनिवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मामले की जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं।

सपा-बसपा और कांग्रेस परिवारवादी यह कल्याण नहीं कर सकतीं : शाह

उत्तर प्रदेश दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्री ने विधानसभा चुनाव का किया शंखनाद

● कहा- जात-पात से ऊपर उठकर वंशवादी पार्टियों को नकारें, फिर से यूपी में कमल खिलाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को लखनऊ से विधानसभा चुनाव-2027 का औपचारिक शंखनाद कर दिया। उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा, बसपा व कांग्रेस जातिवादी-परिवारवादी दल हैं, जो प्रदेश का कल्याण नहीं कर सकते। उन्होंने जनता से अपील की कि जात-पात से ऊपर उठ वंशवादी पार्टियों को नकार दें, यूपी में कमल फिर खिलाएं।

शाह ने तीन दिवसीय उप्र दिवस की शुरुआत करते हुए राष्ट्र प्रेरणा स्थल से विकास, राष्ट्रवाद और सुशासन के साथ-साथ चुनावी संदेश दिए। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर आज भव्य प्रेरणा स्थल खड़ा है, वहां कभी 65 एकड़ में कूड़े का पहाड़ था। मुख्यमंत्री योगी ने उसे संकल्प और कर्तव्य के भाव से विकसित कर प्रेरणा स्थल में बदल दिया। कभी उत्तर प्रदेश को लेबर सोर्स स्टेट कहा जाता था, लेकिन आज यह भारत की इकोनॉमी का फोर्स स्टेट बन चुका है। आज देश का फूड बास्केट है। खाद्यान्न उत्पादन में 20 प्रतिशत योगदान, गन्ना और एथेनॉल उत्पादन में नंबर वन और कृषि विकास दर 17 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2014, 2017, 2019 और 2022 में प्रदेश की जनता ने भाजपा को जनादेश दिया और अब आने वाला चुनाव यूपी को फिर सही दिशा में आगे बढ़ाने का अवसर है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी ने प्रदेश की विकास संभावनाओं को तराशा है। नेशनल हाईवे नेटवर्क, सर्वाधिक एयरपोर्ट, डिफेंस कॉरिडोर और ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इसका प्रमाण हैं। योगी सरकार के कार्यकाल में हर गांव तक 24 घंटे में 20 घंटे बिजली पहुंच रही है। डकैती में 94 प्रतिशत और लूट में 82 प्रतिशत तक कमी आई है। युवाओं के लिए ब्याज-मुक्त, गारंटी-मुक्त ऋण योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब तक 1.30 लाख युवाओं को 5,322 करोड़ का लाभ दिया जा चुका है। 15 अगस्त 2047 तक प्रदेश पूर्ण विकसित होकर भारत का अहम स्तंभ होगा।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल, लखनऊ में आयोजित समारोह में अमित शाह को स्मृति चिह्न देते योगी।

यूपी की ताकत बनेगा ओडीओसी : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 'एक जनपद-एक व्यंजन (ओडीओसी)' योजना प्रदेश की नई पहचान और आर्थिक ताकत बनेगी। इस योजना के तहत 75 जिलों के पारंपरिक व्यंजनों को हाईजीन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, जियो-टैगिंग और एक्सपोर्ट के जरिए वैश्विक बाजार तक पहुंचाया जाएगा। इससे स्थानीय उत्पादकों, कारीगरों और युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओसी, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश को मजबूती देने के साथ आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी गति देगा।

'यूपी के गौरव' से पांच विभूतियों का सम्मान

शाह ने प्रदेश की पांच विशिष्ट विभूतियों को 'उप्र गौरव सम्मान' प्रदान किया। सम्मान स्वरूप 11 लाख रुपये, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। सम्मानित होने वालों में अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर शुभांशु शुक्ल, शिक्षा क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे अलख पांडेय, शिक्षा एवं नवाचार में अहम भूमिका निभा रहीं रश्मि आर्य, कविता व साहित्य में डॉ. हरिओम पंवार और कृषि क्षेत्र में उत्तम योगदान दे रहे डा. सुधांशु सिंह शामिल रहे।

ओडीओसी व एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना की शुरुआत : यूपी दिवस के मंच से 'एक जनपद-एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना और सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना का शुभारंभ करते हुए शाह ने कहा कि इससे स्थानीय उत्पादों, युवाओं और उद्यमिता को वैश्विक पहचान मिलेगी।

खालिस्तानी संगठन ने पंजाब में रेलवे ट्रैक पर किया भीषण धमाका, लोको पायलट घायल

● गणतंत्र दिवस से पहले हुए विस्फोट की जांच में जुटी पुलिस

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब के फतेहगढ़ साहिब जिले में सरहिंद स्टेशन के पास रेलवे की पटरी के एक हिस्से पर हुए भीषण विस्फोट में मालगाड़ी का लोको पायलट घायल हो गया, जबकि ट्रेन के इंजन को भी क्षति पहुंची है। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन 'खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स' ने इस धमाके की जिम्मेदारी ली है।

जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात को उस समय हुई जब मालगाड़ी सरहिंद स्टेशन से चार-पांच किलोमीटर दूर स्थित खानपुर गांव के पास से गुजर रही थी। यह रेलवे की पटरी विशेष रूप से मालगाड़ियों के लिए है। पुलिस के अनुसार, घायल लोको पायलट की पहचान अनिल शर्मा के रूप में हुई है। फतेहगढ़ साहिब के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल ने बताया कि प्रभावित ट्रेन 'फुटप्लेट निरीक्षण' पर थी और गोविंदगढ़ से सरहिंद की ओर आ रही थी। विस्फोट के बाद रेल पटरी में दरार आ गई थी। उन्होंने कहा कि इंजन का शीशा विस्फोट में क्षतिग्रस्त हो गया। पटरी की मरम्मत कर दी गई है और संचालन बहाल कर दिया गया है। रेलवे अधिनियम की धारा 150 के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीआईजी सिंह ने कहा, कई जांच दल यहां पहुंच चुके हैं और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय किया जा रहा है।

आतंकी संगठन ने कहा- यह तो ट्रेलर है

वहीं, खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने एक बयान में कहा कि विस्फोट उसी ने किया था और यह सिर्फ एक ट्रेलर था। बयान में कहा गया, हम आपको बताना चाहते हैं कि यह विस्फोट किसी यात्री ट्रेन में भी किया जा सकता था, लेकिन हमारा इरादा किसी को भी अनावश्यक नुकसान पहुंचाने का नहीं था। यह सिर्फ एक झलक थी। खालिस्तान की लड़ाई अभी भी जारी है और जारी रहेगी।

भारत पहुंचीं ईयू प्रमुख फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर लगेगी मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ईयू की अध्यक्ष उर्सुला वॉन का स्वागत करते हुए।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के रिश्तों में एक नया और बड़ा अध्याय जुड़ने जा रहा है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार और कई महत्वपूर्ण पहलों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से शनिवार को भारत की चार दिवसीय यात्रा पर दिल्ली पहुंचीं। प्रधानमंत्री मोदी 27 जनवरी को कोस्टा और वॉन डेर लेयेन के साथ शिखर वार्ता करेंगे। इस दौरान फ्री ट्रेड और डिफेंस डील पर मुहर लग सकती है।

यह बैठक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की आर्थिक और सुरक्षा नीतियों के कारण उत्पन्न वैश्विक चिंताओं के बीच आयोजित हो रही है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा रविवार को दिल्ली पहुंचेंगे। ये दोनों शीर्ष यूरोपीय नेता 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत और यूरोपीय संघ द्वारा बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते के निष्कर्ष की घोषणा की संभावना है।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की राह पर यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि इस राज्य की मिट्टी में कुछ खास है। उत्तर प्रदेश को मजबूत कानून व्यवस्था का उदाहरण बताते हुए कहा है कि राज्य आज आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में तेजी से प्रगति करते हुए एक ट्रिलियन डॉलर (एक लाख करोड़ डॉलर) की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है। यहां की भूमि ने अपने सामर्थ्य और प्रतिभा के बल पर हमेशा देश के विकास को गति दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश दिवस पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखे एक पत्र में अवसंरचना विकास, विनिर्माण उद्योग, सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के क्षेत्र में तीव्र प्रगति, कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार और सांस्कृतिक विरासतों को नया वैभव एवं गरिमा देने के विभिन्न कार्यों का विशेष रूप से उल्लेख किया है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि यूपी 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र का श्रेष्ठ उदाहरण बनकर उभर रहा है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि, मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण की लीला भूमि और सारनाथ से भगवान बुद्ध के ज्ञान का विश्व में प्रसार, ये सभी यहां की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं। यूपी दिवस के उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी का यह संदेश शनिवार को मुख्यमंत्री योगी ने मंच से स्वयं पढ़कर सुनाया। मोदी ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे काशी के सांसद हैं और यूपी की जनता ने उन्हें चुनकर लोकसभा में भेजा है। इसलिए यूपी दिवस उनके लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों से मिला प्रेम और आत्मीयता उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है। पत्र में उन्होंने यह भी लिखा कि महाकुंभ और वर्तमान में चल रहा माघ मेला प्रदेश के सांस्कृतिक सामर्थ्य को दर्शाते हैं। यही शक्ति राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार कर रही है।

विश्वास है उप्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के लोगों को शनिवार को उनके राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि यह राज्य प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहेगा। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति की यह धरती भारत की विकास यात्रा में एक मजबूत आधार स्तंभ रही है। मैं इस राज्य के मेहनती और प्रतिभाशाली लोगों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूं।

भारत से 25% टैरिफ हटा सकता अमेरिका

न्यूयॉर्क। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर लगाए गए 25% शुल्क को हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली द्वारा मॉस्को से की जाने वाली खरीदारी बहुत अधिक घट गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जिसमें रूसी तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत शुल्क शामिल है। इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। बेसेंट ने शुक्रवार को भारत पर लगाए गए प्रतिबंधों को एक सफलता बताया। उन्होंने कहा, हमने रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया था।

बांग्लादेश टी20 विश्व कप से हुआ बाहर, स्कॉटलैंड को मौका

नई दिल्ली। आईसीसी ने बांग्लादेश को आगामी टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया है। उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया गया। क्योंकि बीसीबी लगातार जोर दे रहा था कि उनके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित किए जाएं। आईसीसी की बैठक में बांग्लादेश के खिलाफ 14-2 के भारी बहुमत से फैसला हुआ कि उसे अपने मुकाबले खेलने के लिए भारत जाना चाहिए।

जीमेल, फेसबुक समेत कई फर्म के 14.9 करोड़ खातों की लॉगिन जानकारी लीक

नई दिल्ली, एजेंसी

● साइबर सुरक्षा शोधकर्ता जेरेमिया फाउलर की रिपोर्ट में किया गया दावा

जीमेल, इंस्टाग्राम, फेसबुक और नेटफ्लिक्स जैसी दिग्गज इंटरनेट कंपनियों के 14.9 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के लॉगिन क्रेडेंशियल (यूजरनेम और पासवर्ड) लीक हो गए हैं। 'एक्सप्रेसवीपीएन' द्वारा प्रकाशित और साइबर सुरक्षा शोधकर्ता जेरेमिया फाउलर की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक रूप से उजागर हुए इस डेटा में जीमेल के 4.8 करोड़, याहू के 40 लाख, फेसबुक के 1.7 करोड़, इंस्टाग्राम के 65 लाख और नेटफ्लिक्स के 34 लाख खाते शामिल हैं। इसके अलावा आउटलुक के भी 15 लाख खातों की जानकारी लीक होने की बात कही गई है।

फाउलर ने रिपोर्ट में कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध यह डेटाबेस पासवर्ड से सुरक्षित या एन्क्रिप्टेड नहीं था। इसमें कुल 14.94 करोड़ विशिष्ट लॉगिन और पासवर्ड मौजूद थे, जिनका कुल आकार 96 जीबी है। नमूनों की जांच में हजारों ऐसी फाइलें मिलीं जिनमें ईमेल, यूजरनेम, पासवर्ड और संबंधित अकाउंट्स के लॉगिन यूआरएल लिंक शामिल थे।

इस रिपोर्ट में नामित प्रमुख कंपनियों को भेजे गए ईमेल का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है। फाउलर ने कहा कि यह डेटाबेस सार्वजनिक रूप से उपलब्ध था, जिससे इसे खोजने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए लाखों लोगों के क्रेडेंशियल तक पहुंचना संभव हो गया।

बढ़ते कदम | 18वें रोजगार मेले में प्रधानमंत्री ने 61 हजार जॉब लेटर बांटे, वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया संबोधित

व्यापार समझौते युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहे : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के वास्ते विभिन्न देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। मोदी ने यह बात 18वें रोजगार मेले में कही, जहां उन्होंने विभिन्न सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सौंपे।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देशभर में 45 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेलों को संबोधित करते हुए कहा, भारत कई देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। ये व्यापार समझौते देश के युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आ रहे हैं। मोदी ने कहा कि दुनिया में युवाओं की सबसे अधिक संख्या भारत में है और उनकी सरकार देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने नियुक्ति पत्र हासिल करने वाले अभ्यार्थियों से अपील की कि वे इन्हें (नियुक्ति पत्रों को) राष्ट्र निर्माण में शामिल होने के निमंत्रण और एक विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करने की प्रतिज्ञा के रूप में लें। मोदी ने युवाओं से पिछले वर्षों में सरकारी कार्यालयों में अपने अनुभवों को याद करने को कहा और उनसे आग्रह किया कि वे अपने कार्यकाल के दौरान नागरिकों को ऐसी कठिनाइयों का सामना न करने देने का संकल्प लें। मोदी ने युवाओं से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय 'नागरिक देवो भव' (नागरिक भगवान के समान है) के आदर्श वाक्य के साथ काम करने का भी आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में सरकार ने आधुनिक बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व निवेश किया है, जिससे निर्माण से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भारत की स्टार्टअप पारिस्थितिकी का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिसमें लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप 21 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दे रहे हैं।

डिजिटल इंडिया ने नई अर्थव्यवस्था का किया विस्तार

मोदी ने कहा कि डिजिटल इंडिया ने एक नई अर्थव्यवस्था का विस्तार किया है, जिसमें भारत एनिमेशन, डिजिटल मीडिया और कई अन्य क्षेत्रों में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, आज देश ने जीवन और व्यापार, दोनों को आसान बनाने के उद्देश्य से सुधार की रफ्तार पकड़ ली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में अगली पीढ़ी के सुधारों से युवा उद्यमियों और लघु एवं मध्यम उद्यमों को लाभ हुआ है, जबकि ऐतिहासिक श्रम सुधारों ने श्रमिकों और कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत किया है, जिससे व्यवसायों को भी फायदा हुआ है। मोदी ने रेखांकित किया कि नए श्रम कानूनों ने सामाजिक सुरक्षा के दायरे को विस्तृत और सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता को साकार करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 25 जनवरी 2026

26 जनवरी पर निकलने वाली गणतंत्र दिवस परेड को लेकर फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान विधानभवन के सामने अपने साहस व शौर्य का प्रदर्शन करते सेना के जवान व परेड के दौरान पथ पर अपनी ताकत का अहसास कराता सेना का टैंक। अमृत विचार

परेड में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

नसीमुद्दीन सिद्दीकी का कांग्रेस से इस्तीफा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की राजनीति में फिर से पांव जमाने में जुटी कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है।

यह झटका पार्टी के मुस्लिम नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने शनिवार को दिया है। उन्होंने बिना कारण बताए करीब 9 साल तक पार्टी में रहने के बाद कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वह वर्तमान में कांग्रेस में पश्चिमी क्षेत्र के प्रांतीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने इस्तीफा देने के बाद कहा कि वह 2017 में अपने सभी साथियों के साथ कांग्रेस में इसलिए शामिल हुए थे कि जातिवाद और संप्रदायवाद के साथ हो रहे अन्याय की लड़ाई लड़ी जा सके। लेकिन कांग्रेस में यह लड़ाई नहीं लड़ पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि जल्द ही नई शुरुआत की जाएगी। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस के किसी भी पदाधिकारी से कोई शिकायत नहीं है। मगर, किस पार्टी में शामिल होंगे, अभी पते नहीं खोले हैं। नसीमुद्दीन का कहना है कि इस्तीफा देने वालों के साथ बातचीत कर निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस छोड़ने वालों में करीब दो दर्जन पूर्व विधायक भी शामिल हैं।

प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय, बढ़ेगी ठंड

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मौसम का उतार-चढ़ाव जारी है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार देर रात से शनिवार भोर तक कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा संभल में 95 मिमी. रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के मुताबिक तराई के ऊपरी इलाकों, विशेषकर उत्तराखंड सीमा से सटे जिलों में व्यापक बारिश हुई, जबकि कुछ क्षेत्रों में तेज हवाएं भी चलीं। उत्तराखंड बॉर्डर से लगे जिलों में 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। इसके चलते कई स्थानों पर ठंड के साथ नमी बढ़ी, जबकि लखनऊ में बादलों की मौजूदगी से न्यूनतम तापमान में असामान्य बढ़ोतरी देखी गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले दो दिन रविवार और सोमवार को तापमान में 5 से 6 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है। हालांकि फिलहाल अगले तीन दिन मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रहेगा, लेकिन 27 जनवरी से दोबारा बारिश का दौर लौटने के संकेत हैं। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान 15.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम का अब तक का सबसे अधिक न्यूनतम तापमान रहा।

धार्मिक आयोजनों में राजनीतिक हस्तक्षेप पर जताई चिंता

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने धार्मिक आयोजनों में बढ़ते राजनीतिक हस्तक्षेप पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि उप्र. ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी किसी भी धर्म के पर्व, त्योहार,

पूजा-पाठ और स्नान जैसे आयोजनों में राजनीतिक लोगों का प्रभाव पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़ा है, जो नए-नए विवाद, तनाव और संघर्ष का कारण बन रहा है। साथ ही उम्मीद जताई कि प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहा विवाद आपसी सहमति से जल्द सुलझेगा, जो सभी के हित में होगा। सोशल मीडिया एक्स पर बसपा प्रमुख ने शनिवार को कहा कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए धर्म को राजनीति से और राजनीति को धर्म से जोड़ने के कई खतरे हमेशा बने रहते हैं। प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहा विवाद, आपसी अनादर और आरोप-प्रत्यारोप इसका ताजा उदाहरण है।

लोककल्याण केंद्रित बजट की करें तैयारी : मुख्यमंत्री

2026-27 के बजट प्रस्तावों पर किया व्यापक विचार-विमर्श

बजट प्रस्तावों की समीक्षा करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने कहा- बजट का हर प्रावधान आम नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला हो

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगामी बजट प्रस्तावों को लोककल्याण केंद्रित बनाने की तैयारी करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन-आकांक्षाओं, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और दीर्घकालिक विकास को संतुलित रखते हुए प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया जाए।

वे अपने आवास पर शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष का बजट लोककल्याण, सुशासन और वित्तीय समृद्धि के माध्यम से प्रदेश की जनता के सपनों और अपेक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले लगभग नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुरक्षा और समृद्धि की जिस दिशा में ठोस प्रगति की है, उससे प्रदेश की जनता को सरकार से बड़ी आशा है और जन-अपेक्षाओं पर खरा उतरना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी बजट का केंद्र लोककल्याण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, श्रमिक, महिला, युवा और समाज के वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही बजट की आत्मा होनी चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री के अधीन विभागों तथा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के विभागों के बजट प्रस्तावों, नई मांगों और केंद्रीय बजट 2026-27 के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा रखे गए प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा भी हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने बारी-बारी से विभागीय प्रमुख सचिव गणों से चालू वित्तीय वर्ष में बजट के सापेक्ष वित्तीय स्वीकृति और खर्च के संबंध में अद्यतन जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 1 फरवरी को केंद्र सरकार का आम बजट आने वाला है। उसमें उत्तर प्रदेश से जुड़े प्रावधानों को देखें और तदनुसार अपने विभागीय बजट प्रस्ताव में आवश्यक सुधार करें।

आज छात्रवृत्ति देंगे मुख्यमंत्री योगी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रविवार 25 जनवरी को राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होंगे, जो विभिन्न वर्गों के पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे।

फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखा देशभक्ति का जज्बा

गणतंत्र दिवस परेड : टैंक और तोपों के साथ जवानों ने किया सैन्य शक्ति का प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल में शनिवार को विधान भवन के सामने देशभक्ति का जज्बा दिखा। टैंक और तोपों के साथ जवानों ने देश की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया।

रिहर्सल परेड जैसे ही चारबाग से बर्लिंग्टन होते हुए विधानभवन के सामने से गुजरी दर्शकों ने जोश दिखाते हुए तालियां बजाकर परेड में शामिल जवानों का उत्साह बढ़ाया। इसके साथ ही वंदेमातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए। अत्याधुनिक हथियारों और तोप, टैंक व बख्तरबंद गाड़ियों के साथ देशभक्ति के गीतों पर कदमताल मिलाते हुए सेना, आईटीबीपी, पीएसी, एनसीसी आदि के जवानों ने तिरंगे को सलामी दी। स्कूल के दलों ने रंगबिरंगी पोशाकों में बैंड की धुनों पर शानदार प्रस्तुति दी। रिहर्सल परेड का केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर समापन हुआ।

परेड के फुल ड्रेस रिहर्सल में सेना के अत्याधुनिक वाहन का प्रदर्शन करते जवान।

कल 23 विभागों की निकलेंगी झांकियां

अमृत विचार : 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर सुबह 10 बजे से चारबाग से विधान भवन होते हुए परेड के साथ विभागों, संस्थाओं और स्कूलों की 23 झांकियां निकाली जाएंगी। इस बार गणतंत्र दिवस समारोह की थीम विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश, वंदेमातरम और ऑपरेशन सिंदूर रखी गई है। इसके अलावा विभिन्न राज्यों के दल सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे।

पुलिसिंग को हाईक्वालिटी बनाएगा 'यक्ष एप'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश की पुलिसिंग को एआई आधारित "यक्ष एप" हाईक्वालिटी का बनाएगा। इसे 'त्रिनेत्र', 'बीट प्रहरी'', 'ऑपरेशन पहचान' जैसे एप को एकीकृत कर बनाया गया है। इससे कई सूचनाओं को एक स्थान पर रखने में आसानी होगी। पहले इसके लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इस परेशानी को यक्ष एप दूर करेगा। यह बात डीजीपी राजीव कृष्ण ने शनिवार पुलिस मुख्यालय में कही।

वह "यक्ष एप" के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। डीजीपी ने कहा कि सिपाही ही पुलिसिंग का मुख्य आधार होते हैं। अब इनके द्वारा मिलने वाली सूचनाओं को एक स्थान पर संग्रहित किया जा सकता है। एप से अपराधी से जुड़ी कई सूचनाएं सभी संबंधित बीट तक तुरंत पहुंच जाएगी। इससे कम समय में ही सत्यापन व अन्य अभियान चलाए जा सकेंगे। कहा कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति में यह एप अधिक प्रभावी होगा। यह कार्यशाला 27 जनवरी तक चलेगी। इस मौके पर कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

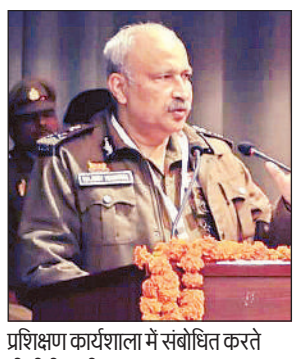

प्रशिक्षण कार्यशाला में संबोधित करते डीजीपी राजीव कृष्ण।

एप की विशेषताएं

- प्रदेश की हर बीट की स्पष्ट जिम्मेदारी तय की गई है।
- बीट बुक को डिजिटल बीट बुक में बदल कर सारे डाटा सुरक्षित किए जा सकेंगे।
- एआई से अपराधियों की गतिविधियों पर पहले से ज्यादा सटीक निगरानी संभव होगी।
- अपराध की संवेदनशीलता, समय, अपराध के तरीके और इस्तेमाल होने वाले असलहे के आधार पर क्रिमिनल स्कोरिंग सिस्टम बनाया गया है।
- फेस वॉइस टेक्स्ट, वेहिकल सर्च जैसी सुविधा से अपराध का पर्दाफाश करना आसान होगा।
- बीट स्तर पर स्थानीय सूचना और बीट सूचना के जरिए अपराध से पहले भी सूचनाएं मिल सकेंगी। उस पर पहले से ही नियंत्रण किया जा सकेगा।

16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 25 जनवरी को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया जाएगा। यह जानकारी राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी कर दी गई है। राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वर्ष 2011 से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना और मतदाता जागरूकता को सशक्त बनाना है। इस अवसर पर महिला एवं युवा मतदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों, बीएलओ सुपरवाइजर, तथा जिला निर्वाचन अधिकारियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

159 मिनरल वॉटर और पैकेज्ड ड्रिंक ब्रांड्स पर रोक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र. की बड़ी कार्रवाई

अमृत विचार : प्रदेश में चलाए गए विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान मिनरल वॉटर और पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर की राजधानी की 9 कंपनियों समेत कुल 159 कंपनियों के उत्पाद असुरक्षित पाए गए हैं, जिन्हें तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त डॉ. रोशन जैकब ने राज्य के सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों, निर्माता, वितरक, थोक विक्रेता और खुदरा विक्रेता को संबंधित ब्रांड्स का निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री तुरंत बंद करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी 48 घंटे के भीतर अपने मौजूदा स्टॉक की जानकारी संबंधित नामित अधिकारी को देना अनिवार्य किया है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की आयुक्त ने शनिवार को निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया कि यह प्रतिबंध तब तक लागू रहेगा, जब तक संबंधित निर्माता द्वारा गुणवत्ता मानकों के अनुरूप आवश्यक सुधारात्मक कदम नहीं उठा लिए जाते। साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारियों और नामित अधिकारियों को आदेश के सख्त अनुपालन और प्रतिबंधित उत्पादों की आगे किसी भी प्रकार की बिक्री या आपूर्ति रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बदल जाएगा अकबरपुर नगर और रेलवे स्टेशन का नाम, प्रक्रिया तेज

अमृत विचार, लखनऊ : अकबरपुर नगर और रेलवे स्टेशन का नाम बदलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। नगर पालिका परिषद अकबरपुर की बोर्ड बैठक में अकबरपुर का नाम लोहिया नगर और रेलवे स्टेशन का नाम डॉ. राम मनोहर लोहिया नगर करने का प्रस्ताव पारित किया गया है। प्रदेश शासन ने संबन्धित जिलाधिकारी से स्पष्ट संस्तुति भी मांगी है। यह जानकारी जनता दल यूनाइटेड, उप्र. के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. केके त्रिपाठी ने दी। उन्होंने शनिवार को बताया कि वह दशकों से अकबरपुर रेलवे स्टेशन का नाम समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया के नाम पर किए जाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनके प्रयासों और पूर्व केंद्रीय मंत्री जार्ज फर्नांडिस के अनुरोध पर वर्ष 2000 में उप्र. सरकार ने अकबरपुर रेलवे स्टेशन का नाम डॉ. राम मनोहर लोहिया करने का प्रस्ताव रेल मंत्रालय को भेजा था। हालांकि कुछ औपचारिकताएं लंबित थीं। इसके बाद वह, मुख्यमंत्री उप्र. और रक्षा मंत्री भारत सरकार से निरंतर पत्राचार व व्यक्तिगत संपर्क बनाए रखा, अंततः अब प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है।

घोटाले का आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

सहायक प्रबंधक पर निवेशकों के 14.36 करोड़ हड़पने का आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सहारा क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड में घोटाले का मामला

अमृत विचार: आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू), उप्र. की टीम ने सहारा क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के सहायक प्रबंधक विकास भटनागर को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू की टीम ने आरोपी को शुक्रवार की देर शाम पंजाब के फतेहगढ़ साहिब से गिरफ्तार किया है। सोसइटी पर निवेशकों के 14.36 करोड़ रुपये हड़पने का मामला दर्ज है।

ईओडब्ल्यू के अनुसार, विकास भटनागर पर निवेशकों की जमा पूंजी को कपटपूर्ण तरीके से गबन करने का आरोप है। वह सहारा क्रेडिट की आगरा शाखा में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर

आरोपी विकास

तैनात था। जांच में सामने आया कि कंपनी के निदेशकों और अन्य पदाधिकारियों ने प्रदेश के कानपुर, आगरा, अलीगढ़, इटावा और शाहजहांपुर सहित कई जिलों में शाखाएं खोलकर एजेंटों के माध्यम से आकर्षक योजनाओं का लालच दिया। निवेशकों से करीब 14 करोड़ 36 लाख 81 हजार 345 रुपये जमा कराए। निवेश की अवधि पूरी होने के बावजूद निवेशकों को उनकी राशि वापस नहीं की गई। आरोप है कि कंपनी प्रबंधन और संबंधित कर्मचारियों ने मिलकर धन की हेराफेरी कर ली। इस मामले में थाना काकादेव, कानपुर नगर में वर्ष 2021 में धोखाधड़ी और अमानत में खयानत की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज किया गया था। बाद में शासन के निर्देश पर विवेचना ईओडब्ल्यू को सौंपी गई। जांच के दौरान कुल 15 आरोपी दोषी पाए गए। इनमें से 14 के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया जा चुका है। ईओडब्ल्यू अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विकास भटनागर मूल रूप से कानपुर नगर का निवासी है।

बिजली दरें बढ़ाने के प्रावधान पर दर्ज कराई वैधानिक आपत्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रस्तावित राष्ट्रीय विद्युत नीति-2026 में तय समय-सीमा के भीतर बिजली दरें लागू करने के प्रावधान को लेकर केंद्र सरकार के समक्ष वैधानिक आपत्ति दर्ज कराई गई है। केंद्रीय सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को भेजे विधिक पत्र में इस व्यवस्था को विद्युत अधिनियम-2003 के प्रावधानों के विरुद्ध बताया है।

समिति के सदस्य ने शनिवार को कहा कि प्रस्तावित नीति में यह व्यवस्था की गई है कि यदि राज्य विद्युत नियामक आयोग निर्धारित समय-सीमा में बिजली दरें तय नहीं कर पाते हैं, तो एक अप्रैल से नई दरें स्वतः लागू हो जाएंगी। यह प्रावधान उपभोक्ता हितों के खिलाफ है और इससे आम जनता पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ेगा। अवधेश कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए कहा कि पिछले वर्षों के अनुभव से स्पष्ट है कि बिजली कंपनियां अक्सर गलत और बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के आधार पर दरों में वृद्धि की मांग करती हैं। हालांकि खुली जनसुनवाई में ऐसे कई दावे खारिज कर दिए जाते हैं। इसके बावजूद यदि तय समय के नाम पर दरें स्वतः लागू हो जाती हैं, तो उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ेगा।

राजनीति | यूपी दिवस से प्रदेश मुख्यालय तक गृह मंत्री अमित शाह ने दिए सियासी संदेश

मंत्रिमंडल का विस्तार और चौधरी की नई टीम जल्द

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 'नाराजगी की हवा' के बीच मंत्रिमंडल विस्तार से पहले अमित शाह की मुहर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश दिवस के मंच से विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश का संदेश देने के बाद केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पहुंचना महज औपचारिक दौरा नहीं है। लंबे समय बाद पार्टी कार्यालय पहुंचे शाह का यह दौरा योगी मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में नए चेहरों को लेकर निर्णायक संकेत देने वाला माना जा रहा है।

नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ताजपोशी के बाद यह पहला मौका था, जब अमित शाह प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। इससे पहले वे यहां 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान आए थे, लेकिन चुनावी जीत के बाद और निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के पूरे कार्यकाल में वे एक बार भी प्रदेश मुख्यालय नहीं पहुंचे थे। अमित शाह 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के प्रभारी थे। उस समय उनका प्रदेश मुख्यालय आना-जाना लगातार बना रहता था। 2014 की ऐतिहासिक जीत और फिर 2017 व 2022 की विधानसभा जीत के बाद अब उनका यह दौरा 2027 की तैयारी का शुरुआती अध्याय माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, संगठन में नए चेहरों के साथ सरकार में भी क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन साधने की कवायद जल्द दिखाई दे सकती है। भाजपा के अंदरखाने में इसे यह संदेश माना जा रहा है कि नए प्रदेश अध्यक्ष को काम करने की पूरी छूट मिलेगी और संगठन में संतुलन साधने की प्रक्रिया केंद्र और मुख्यमंत्री के समन्वय से आगे बढ़ेगी।

40 मिनट की मुलाकात से कई संदेश

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता के अनुसार, अमित शाह करीब 40 मिनट तक प्रदेश मुख्यालय में रुके। यह भले ही अनौपचारिक चर्चा बताई गई हो, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे संगठन और सरकार दोनों में बदलाव की पटकथा से जोड़कर देखा जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह, महामंत्री संजय राय और गोविंद नारायण शुक्ल मौजूद रहे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का पहले से दिल्ली कार्यक्रम तय था, इसलिए वे कार्यक्रम स्थल से ही एयरपोर्ट निकल गए।

पंकज को मजबूत कर गए शाह

ब्राह्मण विधायकों के एक कार्यक्रम में एकजुटता की खबरों पर नए प्रदेश अध्यक्ष के तीखे तेवर से उठी असहजता और नाराजगी की चर्चाओं के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का प्रदेश मुख्यालय पहुंचना स्पष्ट राजनीतिक संदेश माना जा रहा है। शाह का नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के कार्यभार संभालने के बाद पहली बार कार्यालय आना और उनके साथ संगठन व सरकार के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी ने यह संकेत दे दिया कि केंद्रीय नेतृत्व पूरी तरह प्रदेश अध्यक्ष के साथ खड़ा है।

न्यूज ब्रीफ

डॉ. रोशनी रावत।

डॉ. रोशनी रावत को फर्स्ट रनर-अप खिताब

अमृत विचार, लखनऊ : देश की प्रतिष्ठित पैजेंट्री संस्था वॉगस्टार इंडिया- सीजन 4 में सीतापुर रोड मड़ियांव की रहने वाली डॉ. रोशनी रावत ने फर्स्ट रनर-अप खिताब हासिल किया है। जयपुर में आयोजित इस प्रतियोगिता में किसी भी आयु की महिला भाग ले सकती थी, लंबाई का कोई प्रतिबंध नहीं था। हजारों प्रतिभागियों में 80 प्रतियोगी अंतिम चरण में पहुंची। पांच चरणों में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और प्रस्तुति का गहन मूल्यांकन किया गया। फर्स्ट रनर-अप बनीं . रोशनी रावत शशि वर्मा व शिशु रोग विशेषज्ञ एवं जनरल फिजिशियन डॉ. एसके रावत की पुत्री हैं।

बालिकाओं को किया जागरूक

अमृत विचार, काकोरी : राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को इनिशिएटिव फाउंडेशन इंडिया ने करीमाबाद में बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए रैली निकाली और आर्ट प्रतियोगिता कराई। प्रतियोगिता में 13–18 वर्ष की किशोरियों शामिल हुईं। प्रतिभागियों को पुरस्कार भी दिए गए। फाउंडेशन के निदेशक अमित मिश्रा, साधना मिश्रा, वैभवी शर्मा, हेमा यादव, राबिया खान, वालेंटियर वर्तिका, पुष्पा, सृष्टि, आँचल, संध्या, कंचन, सोनी, सुशीला शामिल रहीं।

बलरामपुर अस्पताल में हुआ तहरी भोज

अमृत विचार, लखनऊ : बलरामपुर अस्पताल में विज्ञान भवन के पास चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ की लखनऊ शाखा की ओर से सह तहरी भोज का आयोजन किया गया। सीएमएस डॉ. हिमांशु चतुर्वेदी, एमएस डॉ. देवाशीष शुक्ला, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव गुप्ता, एलटी एसो. के प्रवक्ता सुनील कुमार, फिजियोथेरेपिस्ट एचजी शर्मा गोल्डी, महासंघ शाखा जिलाध्यक्ष कपिल वर्मा, सर्वेश पाटिल, रजत यादव, सुभाष श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश, शिव शरन, शंभू, आमिर, अश्वनी सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।

पथराव मामले में दो रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, गोसाईगंज : थाना क्षेत्र के गंगागंज के सलेमपुर गांव स्थित नारेपार में शुक्रवार रात कोल्ड्रिंक गोदाम संचालकों और ग्रामीणों के बीच हुए बवाल व पथराव के मामले में गोसाईगंज पुलिस ने दो रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पनिरीक्षक सौरभ पांडेय की तहरीर पर आशीष, सनी, सूरज, मिंटू, धर्मराज, नरेंद्र, सुखमीलाल, चंद्रपाल, गुरुप्रसाद, राजकुमार, मिंटू की पत्नी समेत 40–50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट, पथराव, सरकारी कार्य में बाधा समेत अन्य गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दूसरे पक्ष से आशीष की मां पूनम का आरोप है कि पुलिस ने तहरीर देने से इंकार कर दिया। पीड़िता ने सीएम पोर्टल पर शिकायत की है।

गर्भवती विवाहिता का शव लटका मिला

मायकेवालों ने हत्या का आरोप लगाकर किया हंगामा, पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर कराया शांत

संवाददाता, मलिहाबाद

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के तिलसुवा गांव में शनिवार शाम को आठ माह की गर्भवती विवाहिता का शव संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला। मायकेवालों ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर एसीपी मलिहाबाद सुजीत दुबे और इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह मौके पर पहुंची।

पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर मायकेवालों को शांत कराया। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर पर पति समेत चार

विवाहिता निधि।

- पति समेत चार नामजद व अज्ञात के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट

नामजद और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

ग्राम बहेलिया निवासी सुरेश शर्मा ने बताया कि बेटी निधि (23) की शादी 19 जनवरी 2025 को थाना क्षेत्र के तिलसुवा गांव निवासी निर्देश शर्मा से की थी। शादी में हैसियत के हिसाब से दानदहेज दिया था। इसके बाद भी पति निर्देश और उसके घरवाले निधि को प्रताड़ित करते थे। वह आठ माह की गर्भवती थी।

शुक्रवार को ही विदा कराकर लाया था पति

- मायकेवालों ने बताया कि निधि आठ माह की गर्भवती थी। वह मायके में थी। शुक्रवार को दामाद निर्देश पत्नी के मायके आया था। दोपहर करीब 12 बजे उसे विदा कराकर ससुराल ले गया था। आरोप है साजिश के तहत निधि को ससुराल बुलाकर उसकी हत्या की गयी।

पिता ने बताया कि शनिवार शाम बेटे के मोबाइल पर निर्देश की वीडियो कॉल आयी। कहा कि देखो निधि क्या कर रही है। जब तक वे कुछ समझ पाते कॉल कट गयी।

कुछ देर बाद दोबारा कॉल आयी कि निधि ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली है। परेशान पिता व अन्य मायकेवाले ससुराल पहुंचे तो निधि का शव कमरे के बाहर मिला। मलिहाबाद पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायकेवालों ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने समझा-बुझाकर कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया। पिता ने बताया कि दामाद और उसके घरवाले बेटी को दहेज के लिए काफी समय से प्रताड़ित कर रहे थे।

पिता ने दामाद निदेश, जेठ संजय, उसकी पत्नी मोनी, दूसरी जेठानी अंजली व देवर संजय समेत अन्य ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। एसीपी मलिहाबाद सुजीत दुबे ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मरीज की मौत के मामले में पुलिस ने दोबारा मांगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार, लखनऊ : खदरा स्थित एमजे हॉस्पिटल में मरीज की मौत के मामले में पुलिस ने सीएमओ से दोबारा तीन बिंदुओं पर जांच रिपोर्ट मांगी है। गोलागंज निवासी मुस्कान ने नवंबर 2024 को पति आलम को केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था। यहां से एक दलाल झांसा देकर खदरा स्थित एमजे हॉस्पिटल ले गया। मरीज को गैस्ट्रो की समस्या थी।

आरोप है कि अस्पताल में कुशल गैस्ट्रो विशेषज्ञ न होने से अन्य विधा के डॉक्टरों से इलाज कराया गया। लापरवाही के चलते 15 नवंबर को मरीज की मौत हो गई। मुस्कान ने कोर्ट में गुहार लगाई थी, उसके बाद मदेयगंज थाने में अस्पताल संचालक समेत अन्य पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने सीएमओ से रिपोर्ट मांगी थी। सीएमओ की जांच में किसी को दोषी नहीं ठहराया गया। पुलिस ने अब मरीज की मौत अस्पताल के चिकित्सकों की लापरवाही से हुई है या नहीं, मामले में अस्पताल संचालक दोषी है या नहीं, अस्पताल स्टाफ की लापरवाहीमें संलिप्तता है या नहीं, इन तीन बिंदुओं पर पूरी रिपोर्ट मांगी है। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि रिपोर्ट जल्द पुलिस को भेजी जाएगी।

दरगाह में हजरत अब्बास के जन्मदिन पर मनाया गया जश्न

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हजरत इमाम हुसैन के भाई हजरत अब्बास के जन्मदिन पर शनिवार को दरगाह हजरत अब्बास में जश्न-ए-हजरत अबुल फजलिल अब्बास मनाया गया। इस मौके पर विशाल अलम-ए-मुबारक की जियारत कराई गई।

उलमा ने जब जियारत के लिए अलम के फरेरे को खोला तो वहां मौजूद हजारों लोगों ने हाथों को बुलन्द करके अपने देश के लिए दुआएं मांगी। मौलाना कल्बे जवाद ने हजरत अब्बास की फजीलत बयान करते हुए कहा कि हजरत अब्बास वफाओं का समंदर थे। मौलाना हबीब हैदर सहित अन्य उलमा ने हजरत अब्बास की फजीलत को बयान की। इस मौके पर 110 बच्चों ने हजरत अब्बास की शान में लिखी मनकबत पेश की। जश्न में शायर नायाब बलयावी, देबल अलीपुरी, फय्याज रायबरेलवी, मेराज मंगलौरी, कामरान आबिस, अली शब्बर नौगावीं, काज़िम जारचवी, जुलकरनैन अजमेरी, वकार सुल्तानपुरी, शबाब जलालपुरी, मुजीब सिद्दीकी, अदनान नौगावी, जिनान जफराबादी, मेहदी महमूदाबादी, मिर्जा लखनवी, वसी अब्बास, हैदर रिजवी, जफर नजफी और वली ने अपने कलाम पेश किए।

सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र में युवाओं को दिए नियुक्ति पत्र

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: बिजनौर स्थित केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ग्रुप केंद्र में शनिवार को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन व विदेश मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तवर्धन सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। इस दौरान कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक, मध्य क्षेत्र सीआरपीएफ अनिल कुमार, उप महानिरीक्षक रेंज लखनऊ एसएन मिश्रा और उप महानिरीक्षक ग्रुप केंद्र बिजनौर चित्त रंजन महापात्रा के अलावा कई अन्य विभागों के

बिजनौर स्थित केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल ग्रुप केंद्र में नियुक्त पत्र के साथ युवा, साथ में अधिकारी।

विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे। यह समारोह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नई दिल्ली से बटन दबाकर देश के 45 केंद्रों पर कुल 61 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने की कड़ी में आयोजित किया गया। जिसके तहत बिजनौर सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र में दीप प्रज्वलन के बाद मुख्य अतिथि द्वारा 573 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गये। इस अवसर पर उप महानिरीक्षक चित्त रंजन महापात्रा ने मुख्य अतिथि और गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने मौजूद युवाओं को संबोधित कर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए केंद्र सरकार की विकासशील कार्य योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से देश की विकास धारा से जुड़कर लगन, मेहनत और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप केंद्र सीआरपीएफ लखनऊ के कमांडेंट सुदेश कुमार ने आभार व्यक्त किया।

बिना सीढ़ी खंभे पर काम कर रहा संविदाकर्मी गिरा

अमृत विचार, लखनऊ: बुद्धेश्वर चौराहे के पास शनिवार दोपहर बिना सीढ़ी लगाए खंभे पर कार्य कर रहा एफसीआई उपकेंद्र का संविदा कर्मी रवि नीचे गिर पड़ा। आसपास मौजूद व्यापारियों ने उसे निकट के अस्पताल पहुंचाया। कर्मी को ज्यादा चोटें नहीं आई हैं। कर्मियों का आरोप है कि बिना हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट, जूते और सीढ़ी के 11 हजार और 440 वोल्ट की लाइन पर काम कराया जा रहा है। मना करने पर हटाने की धमकी दी जाती है।

जांच के लिए भेजे भोजन-पानी के नमूने

- हालत में सुधार होने पर सभी प्रशिक्षुओं की अस्पताल से छुट्टी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : जेहटा स्थित एमसी सक्सेना कॉलेज में बने 108 एंबुलेंस सेवा के प्रशिक्षण केंद्र में भोजन और पानी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। सेंटर में साफ सफाई भी कराई गई है। उधर,हालत में सुधार होने पर अस्पताल में भर्ती सभी ईएमटी प्रशिक्षुओं को छुट्टी दे दी गई है।

प्रशिक्षण केंद्र की मेस का भोजन करने के बाद बुधवार रात करीब 25 प्रशिक्षु बीमार हो गए थे। उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत पर उन्हें बलरामपुर अस्पताल और ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। बलरामपुर अस्पताल में एमएस डॉ. देवाशीष शुक्ला ने बताया कि सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक की इमरजेंसी में गुरुवार सुबह तक 20 ईएमटी प्रशिक्षु भर्ती कराए गए थे। इसमें दो की हालत में सुधार होने पर शुक्रवार को छुट्टी कर दी गई थी। 18 अन्य को हालत में सुधार होने पर शनिवार को डिस्चार्ज कर दिया गया। ठाकुरगंज टीबी संयुक्त अस्पताल के सीएमएस डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि उनके यहां भर्ती कराए गए तीन प्रशिक्षुओं को शुक्रवार को ही डिस्चार्ज कर दिया गया था।

नौकरी का झांसा देकर महिला से ठगी

अमृत विचार, लखनऊ: नवभारत हिंदू सेना का प्रदेश अध्यक्ष बनकर जालसाज ने महिला को नौकरी का झांसा दिया। जल शक्ति विभाग में पंप ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति दिलाने के नाम पर महिला से पचास हजार ऐंठकर जाली नियुक्ति पत्र थमा दिया। पीड़िता सचिवालय पहुंची तो फर्जीवाड़े की जानकारी हुई। विरोध करने पर आरोपी ने धमकाते हुए मारपीट की। मलिहाबाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह ने कहा जांच की जा रही है।

आठ वर्ष बाद बताया रद्द कर दिया आवास का आवंटन

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- आवास विकास की गलती का खामियाजा भुगत रहा दम्पति
- किसी तरह जमा किए थे 25,000 रुपये, बता रहे अब आधे ही मिलेंगे

अमृत विचार : प्रधानमंत्री आवास के लिए 25000 रुपये जमा कर आठ वर्ष पहले पंजीकरण कराने वाला दंपति शुक्रवार को आवास विकास कार्यालय पहुंचा तब उसे बताया गया कि आवेदन निरस्त कर दिया गया है। इसका पत्र संबंधित पत्र रजिस्टर्ड डाक से भेजा जा चुका है। संपत्ति विभाग के बाबू और संपत्ति प्रबंधक पंजीकरण धनराशि ने आधी राशि वापस करने का बात भी दंपति से कही।

मल्लापुर हाता, 10 राणा प्रताप मार्ग निवासी रंजना देवी पति नीरज कुमार के साथ आवास विकास के अवध विहार योजना संपत्ति कार्यालय आवास की जानकारी करने पहुंचीं थी। उन्होंने बताया कि अवध विहार योजना में प्रधानमंत्री आवास (शहरी) के लिए वर्ष 2018 में पंजीकरण कराया था।

इसके लिए 25,000 रुपये शुल्क भी जमा किया था। कई बार चक्कर लगाए, लेकिन आवंटन की जानकारी नहीं मिली। शुक्रवार कार्यालय पहुंचने पर बाबू और सम्पत्ति प्रबंधक ने बताया कि 28 जनवरी से 2 फरवरी 2019 के बीच पात्रता चयन में चयनित होने के बाद 1 से 5 नवंबर 2020 को नम्बरिंग ड्रा में फ्लैट संख्या 7 ए/बी 13/एफ 21 आवंटित हुआ था। 25 मई 2023 को फ्लैट का आवंटन पत्र भेजा गया था। इसके बाद कोई भी धनराशि जमा न किये जाने पर 1 जुलाई 2024 को आवंटन निरस्त करने का पत्र पुरवा, उन्नाव के पते पर भेज दिया गया है। रंजना ने कहा कि उन्हें कोई पत्र नहीं मिला। सम्पत्ति कार्यालय में डाक प्राप्ति की रिसीविंग भी नहीं दिखाई जा रही है। नीरज ने बताया कि आवेदन में लखनऊ का पता दर्ज है, फिर वहां पत्र कैसे भेज दिया गया।

नई व्यवस्था

स्वास्थ्य विभाग ने जिले के 49 अस्पताल को किया सूचीबद्ध

निजी अस्पतालों में भी मिलेगा घायलों को तत्काल इलाज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सड़क हादसे में घायल लोगों को अब सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी तत्काल इलाज उपलब्ध हो सकेगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में करीब 49 अस्पतालों को सूचीबद्ध किया है। घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति से किसी प्रकार की पूछताछ या कानूनी औपचारिकता नहीं की जाएगी, बल्कि घायल का इलाज तत्काल शुरू किया जाएगा।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एनबी सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों के त्वरित एवं निःशुल्क उपचार के केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना कैशलैस ट्रीटमेंट ऑफ रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स स्कीम-2025 लागू की गई है। इसके तहत सरकारी के साथ निजी अस्पताल भी घायलों को तत्काल इलाज मुहैया कराया जाएगा। विभाग से सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में इलाज निःशुल्क किया जाएगा। घायल के उपचार पर आने वाला अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक का खर्च जिला सड़क सुरक्षा समिति वहन करेगी। ये सुविधा दुर्घटना के बाद एक सप्ताह तक किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में उपलब्ध रहेगी। सीएमओ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के शिकार अधिकतर युवा होते हैं। इसमें तेज रफ्तार, नशा और यातायात नियमों की अनदेखी हादसे का प्रमुख कारण हैं। सीएमओ ने आमजन से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट व सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने और घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की अपील की है।

केजीएमयू में लिवर प्रेशर जांच से मरीजों का सटीक इलाज संभव

- **अमृत विचार, लखनऊ :** किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने लिवर की गंभीर बीमारियों के इलाज में नई क्रांति की शुरुआत की है। अब मरीजों का हेपेटिक वेनस प्रेशर ग्रेडिएंट (एचवीपीजी) माप कर दवाओं की सटीक डोज तय की जा सकेगी। इसका प्रयोग सफल रहा है। संस्थान के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि लखनऊ निवासी 40 वर्षीय मरीज को गंभीर लिवर बीमारी के लक्षणों पीलिया, पेट में पानी और खून की उल्टियों की शिकायत पर जनरल मेडिसिन विभाग में भर्ती कराया गया। डॉ. सुधीर वर्मा की देख-रेख में मरीज का इलाज शुरू किया गया। अत्यधिक शराब के सेवन के कारण लिवर की समस्या गंभीर हो गई थी। मरीज के लिवर का एचवीपीजी प्रेशर मापने के लिए कैथेटर गर्दन के पास डाला गया और लिवर की प्रमुख नस तक पहुंचाया गया। जांच में लिवर का प्रेशर सामान्य 5 एमएमएचजी के बजाय 17 एमएमएचजी पाया गया, जो अत्यधिक उच्च था। इसके साथ ही फेफड़े और दिल की जांच भी की गई, जो लगभग सामान्य पाए गए।

मरीज के साथ चिकित्सकों की टीम।

कन्या भ्रूण हत्या रोकना आवश्यक : सीएमओ

अमृत विचार, लखनऊ : बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को सीएमओ कार्यालय के सभागार में पूर्व-गर्भाधान एवं प्रसवपूर्व निदान तकनीक (पीसीपीएनडीटी) अधिनियम, 1994 विषयक कार्यशाला आयोजित की गई। सीएमओ डॉ. एनबी सिंह ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या रोकना अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला में पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. एपी मिश्रा, डफरिन की डॉ. सरिता सक्सेना, एसीएमओ डॉ. बीएन यादव मौजूद रहे।

मतदाता सूची में घपला कर रही भाजपा : अखिलेश

एसआईआर के बाद भी खामियों को लेकर लगाए गंभीर आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार अधिकारियों से मिलकर मतदाता सूची में घपले और घोटाले कर रही है। फर्जी वोट जुड़वा रही है। पीडीए का वोट कटवा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग भी निष्पक्ष नहीं है। अगर संवैधानिक संस्था ही निष्पक्ष कार्य नहीं करेगी तो कौन उन पर भरोसा करेगा। भाजपा सरकार अपनी मनमर्जी से काम करा रही है।

सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में आ रही खामियों को लेकर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आधार कर्ड को मतदाता

प्रेस वार्ता करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

सूची से जोड़ने की मांग करते हुए कहा कि आधार कार्ड को मतदाता सूची से जोड़ दिया जाये। इससे मतदाता सूची की गड़बड़ी और फर्जीवाड़ा बंद हो जायेगा।

कन्नौज विधानसभा में 200 से अधिक फर्जी और डबल वोटरों की सूची दिखाते हुए कहा कि मतदाता सूचियों में एक ही नाम के दो-दो वोट है। चुनाव आयोग से सपा को कोई तकनीकी सपोर्ट नहीं मिल रहा है। मैनुअल तरीके से हम कितना फर्जी वोट ढूढेंगे। चुनाव आयोग हमारी मदद करें।

वहीं सपा मुख्यालय में समेत विभिन्न जिलों में भारतरत्न कर्पूरी ठाकुर जी की जयंती मनाई गई।

जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम तक नहीं

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम तक नहीं है, गिनेंगे क्या। जातिगत जनगणना भी भाजपा का जुमला है। भाजपा का सीधा फार्मूला है, न गिनती होगी, न आनुपातिक आरक्षण-अधिकार देने का जनसांख्यिकीय आधार बनेगा।

सुशांत गोल्फ सिटी स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित किये गये।

दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पर गरीबों को बांटे कंबल

अमृत विचार, गोसाईगंज : सुशान्त गोल्फ सिटी स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पर शनिवार को बसंत पंचमी के मौके पर मंदिर अध्यक्ष अंशुल निगम द्वारा कंबल वितरण ,समरसता भोज व निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि राहुल राज रस्तोगी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अवध क्षेत्र पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कृष्णा लोधी, नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल मिश्रा, भाजपा नेता वीरेंद्र रावत, शंभू नाथ पांडेय , राजकुमार वर्मा, संतोष शर्मा, समाजसेवी अरुण प्रताप सिंह एवं समाज सेविका गुंजन सिंह नवनीत तिवारी प्रिंस मौजूद रहे। कार्यक्रम संचालक मुन्नू निगम ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों की मौजूदगी में करीब तीन सौ गरीबों को कंबल वितरण किया गया। लोगो ने इस नेक काम की खूब सराहना की।

आवंटियों को 2,040 करोड़ का भुगतान

अमृत विचार, लखनऊः उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने आवंटियों के हितों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रेरा ने कुल 7,752 मामलों में आवंटियों को 2,040 करोड़ की धनराशि का भुगतान कराया। यूपी रेरा की पीठों के समक्ष धारा-31 के अंतर्गत धनवापसी, रजिस्ट्री सहित कब्जा या कब्जे में देरी पर ब्याज आदि से संबंधित शिकायतें दायर हुईं। सुनवाई के बाद पीठों ने आवंटियों के पक्ष में निर्णय देते हुए 6,018 वसूली प्रमाणपत्रों में कुल 1,505 करोड़ की धनराशि प्रमोटर से वसूली। साथ ही रेरा ने वसूल की गई धनराशि को सीधे आवंटियों के बैंक खातों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भेजा। 1,734 वसूली प्रमाणपत्रों में प्रमोटरों से 535 करोड़ की राशि का भी भुगतान आवंटियों को कराया गया। इन मामलों में आरसी जारी होने के बाद प्रमोटर और आवंटी के मध्य आपसी समझौता कराके पहले ही समाधान करा दिया।

कुशीनगर सांस्कृतिक व धार्मिक दृष्टि से समृद्ध जिला : दिनेश प्रताप

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर कुशीनगर के प्रभारी मंत्री व उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कुशीनगर सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध जिला है। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में मुख्यमंत्री योगी के प्रयास सदैव स्मरणीय रहेंगे। कुशीनगर के जिला स्टेडियम में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विद्यालयों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की।

तरक्की के लिए ग्रीन एनर्जी जरूरी: पाठक

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश की विकास प्रक्रिया में ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबल बिल्डिंग्स को प्राथमिकता देने की जरूरत है। यह बात उप मुख्यमंत्री डॉ. ब्रजेश पाठक ने शनिवार को लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के आईजीबी कॉन्फ्रेंस-ट्रांसफॉर्मिंग रियल एस्टेट इन उत्तर प्रदेश थ्रू ग्रीन बिल्डिंग्स में कही।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भवनों की ऊंचाई मानक के अनुसार रखी जाए और पर्याप्त खिड़कियों

लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन की आईजीबी कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते उप मुख्यमंत्री डॉ. ब्रजेश पाठक।

के जरिए प्राकृतिक रोशनी व हवा का लाभ लिया जाए, ताकि दिन में लाइट और एयर कंडीशन का इस्तेमाल न्यूनतम हो। उन्होंने प्राइवेट और सरकारी भवनों में 100 प्रतिशत सोलर पैनल लगाने और सार्वजनिक वाहनों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। जल संरक्षण के उपायों को लेकर उन्होंने सुझाव दिया कि नहाने का पानी गार्डन और सिंचाई में इस्तेमाल किया जाए और टॉयलेट में यूरिनल लगाने को प्रोत्साहित किया जाए। इस अवसर पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह व क्रेडाई, आईआईए, एईईई, सीडीबी और एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

फॉर्च्यून-500 नीति से बदलेगा भविष्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वैश्विक कंपनियों की मौजूदगी से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मिल रही नई रफ्तार

अमृत विचारः प्रदेश सरकार की फॉर्च्यून-500 नीति अब प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूत स्थिति में ले जाती दिखाई दे रही है। यह नीति बड़े बहुराष्ट्रीय औद्योगिक समूहों को उप्र. में निवेश के लिए आकर्षित कर रही है। उद्देश्य केवल पूंजी निवेश ही नहीं, मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च और इनोवेशन आधारित औद्योगिक इकोसिस्टम का विकास भी है।

फॉर्च्यून-500 नीति प्रदेश के भविष्य को बदलने का काम कर रही है। वैश्विक निवेशक जिस प्रकार से प्रदेश की ओर आकर्षित हो रहे हैं, उससे प्रदेश के औद्योगिक महाशक्ति बनने की राह खुलती दिख रही है। प्रदेश में जापान की फूजी सिल्वरटेक व एचएमआई ग्रुप, पोलैंड की कैनपैक, अमेरिका की पाइन वैली, उर्सा क्लस्टर और विजन सोर्स जैसी वैश्विक फार्च्यून कंपनियां उत्तर प्रदेश को अपना ठिकाना बना रही हैं। प्रदेश सरकार के लॉजिस्टिक्स सब्सिडी, पेटेंट फीस, प्रतिपूर्ति व आरएंडडी सपोर्ट जैसे प्रावधानों से यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि उत्तर प्रदेश अब फॉर्च्यून-500 कंपनियों के लिए दीर्घकालिक व स्थिर निवेश गंतव्य बन चुका है। मशीनरी आयात पर परिवहन लागत की प्रतिपूर्ति से लेकर रिसर्च सेंटर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तक की सुविधाएं वैश्विक कंपनियों के लिए शुरुआती जोखिम को कम कर रही हैं। इस नीति का असर यह हो रहा है कि बड़ी कंपनियां उत्तर प्रदेश में अपनी यूनिट शिफ्ट करने या नई उत्पादन इकाइयां लगाने में रुचि दिखा रही हैं। पेटेंट और आरएंडडी से जुड़े प्रोत्साहन प्रदेश में हाईटेक मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस टेक्नोलॉजी को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे निवेश बढ़ने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर कुशल रोजगार के नए अवसर भी तैयार हो रहे हैं।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में जब फॉर्च्यून-500 कंपनियों के प्रोजेक्ट पूरी तरह जमीन पर उतरेंगे तो उत्तर प्रदेश की औद्योगिक क्षमता कई गुना बढ़ेगी।

नशा मुक्ति रैली को राज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शनिवार को जन भवन परिसर से नशा मुक्ति जागरूकता विषयक एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जिसे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली जन भवन परिसर से प्रारंभ होकर 1090 चौराहा, समतामूलक चौराहा पहुंची तथा पुनः जन भवन पोर्टिको पर आकर संपन्न हुई। रैली में जन भवन के अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित हुए।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या

निविदा आमंत्रण सूचना (एस0बी0डी0) (ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांक :– 499/54(1)काम (सीडी–4)–अयो0अ0वृत्त दिनांक – 21.01.2026

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अ0वृ0,लो0नि0वि0, अयोध्या लोक निर्माण विभाग में मार्ग वर्ग में रजिस्टर्ड एवं अनुमोदित ठेकेदारों से आइटम दरों के आधार पर आनलाईन निविदा आमंत्रित करते हैं।

क0 सं0	जिला	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	कार्य सम्पादित करने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विधान सभा रूदौली										
1	अयोध्या	अलियाबाद रौजागांव मार्ग के चैनेज 0.00 से 10.300 तक चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य	1800.00	30.00	12 माह	2714.00	शा0सं0–28/2023/1556/तेइस–7–2023–176सा/2006 दि0 05.12.2023 के अनुसार	अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0–4, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता अयो0अ0वृ0 लो0नि0वि0 अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अ0क्षे0, लो0नि0वि0 अयोध्या

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

1– बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोडते हुये लगायी गयी है।

2– निविदा आनलाईन दिनांक 28.01.2026 से दिनांक 04.02.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 04.02.2026 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।

3– शासनादेश संख्या 1/2018–3070/78–2–2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा मे शासनादेश मे निहित प्राविधानो के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

4– निविदा सम्बन्धी अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(शशि भूषण सिंह) अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–4 लो0नि0वि0,अयोध्या

(ओम प्रकाश वर्मा) अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0 अयोध्या For and behalf of Governor of UP

UP-244385 दिनांक 22.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय उपजिलाधिकारी टाण्डा, अम्बेडकरनगर

पत्रांक 1705/रा0नि0का0/म0पा0आंव0/प्रकाशन /2026 दिनांक 22 जनवरी 2026

मत्स्य पालन नीलामी सूचना तहसील–टाण्डा, जनपद अम्बेडकरनगर

उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 (यथा संशोधित) व राजस्व संहिता नियमावली 2016 एवं उ0प्र0 शासन राजस्व अनुभाग–1 अधिसूचना संख्या 76/1364/एक–2016 (8)/2016 के दिनांक 20 अक्टूबर 2016 (उ0प्र0रा0सा0 द्वितीय संशोधन नियमावली 2016) में प्रदत्त आधारों पर तहसील टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर में धारा 61 तथा उ0प्र0राजस्व संहिता की नियमावली 2016 के नियम 57 व 58 में दी गयी व्यवस्था के अनुसार वार्षिक लगान पर आंवटन/नीलामी तहसील सभागार टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर में नियत दिनांक 11.02.2026 व 12.02.2026 को समय 11.00 बजे से की जायेगी। जिसमें निम्नलिखित विवरण के अनुसार मत्स्य पालन हेतु तालाब/पोखर/मीनाशय एवं जल प्रणालियों के 10 वर्षीय आंवटन हेतु पात्र व्यक्तियों के मध्य नीलामी की जायेगी तथा 02 हे0से बडे तालाबों की नीलामी मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को दिया जायेगा। उ0प्र0राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 57 (धारा 61) (7) के अनुसार यदि तालाब का क्षेत्रफल 5.00 एकड से कम है, तो प्रापत्रा सूची में प्रात्र व्यक्ति 01 से अधिक है तब मौके पर नीलामी करायी जायेगी जिसमें केवल प्रापत्रा सूची में उल्लिखित व्यक्ति ही प्रतिभाग कर सकेगें। यदि पट्टा के लिये केवल एक व्यक्ति पात्र है तो पट्टा राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर नियत वार्षिक भाटक की धनराषि जो प्रति एकड 1000 रूपये से कम और 2000 रूपये से अधिक नहीं होगी, पर दिया जायेगा। उ0प्र0राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 58 (धारा 61) (2) के अनुसार यदि तालाब का क्षेत्रफल 5.00 एकड से अधिक है और पट्टा के लिये केवल एक सहकारी समिति प्रात्र है तो पट्टा राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर नियत वार्षिक भाटक की धनराषि जो प्रति एकड 4000 रूपये से कम नहीं होगी, पर दिया जायेगा।

1.नीलामी का स्थान –तहसील सभागार टाण्डा

2.नीलामी का तिथि व समय –क्रमांक 1 से 41 तक तालाब 11.02.2026 ,व क्रमांक 42 से 80 तक 12.02.2026 को 11.00 बजे पूर्वाह्न

क्र0	राजस्व ग्राम का नाम जहां तालाब स्थित है।	तालाब पोखर मीनाशय विवरण		क्र0	राजस्व ग्राम का नाम जहां तालाब स्थित है।	तालाब पोखर मीनाशय एवं जल प्रणालियों का विवरण	
		गाटा संख्या	क्षेत्रफल			गाटा संख्या	क्षेत्रफल
	विकास खण्ड टाण्डा			41	बूढनपुर	123	0.729
1	रामपुरजोगापुर	150	0.304	42	ओदरा	465	0.304
2	मीठेपुर	1007क	0.316	43	काजीपुर	7	1.068
3	मीठेपुर	1014	0.341	44	विहरई	145	0.338
4	बदरूद्दीनपुर	74	1.311	45	मोहिउद्दीनपुर–1	19	0.635
5	आलमपुरधनौरा	32	1.676	46	पकडीभोजपुर	724	0.382
6	डाडी	221	0.917	47	करमपुरबरसावां	809	0.341
7	डाडी	226	0.379	48	बेलासपुर	312क	0.284
8	खान्षापुर उर्फ पहाडपुर	295	0.455	49	इब्राहिमपुर बडागांव	543	0.312
9	खुरखुरी	287ख	0.291	50	इब्राहिमपुर बडागांव	635	0.417
10	हूसेपुर	125	0.379	51	इब्राहिमपुर बडागांव	182क	0.244
11	धर्मूपुर	135	0.775	52	इब्राहिमपुर बडागांव	104	0.310
12	उतरेथू	01	0.291	53	इब्राहिमपुर बडागांव	265	0.202
13	उतरेथू	76ड	0.304	54	गौहनिया	60ड	0.443
14	महमूदपुर सेमरा	280	0.847	55	गौहनिया	155	0.506
15	महमूदपुर सेमरा	281	1.215	56	दानपुर	270मि.	0.910
16	महमूदपुर सेमरा	328	1.834	57	दानपुर	158	0.303
17	मुस्तफाबाद	165	0.304	58	शादीपुर	190	0.752
18	मुस्तफाबाद	179	0.224	59	शादीपुर	192ख	0.348
19	गुवांव	67	0.354	60	हिथूरी	745ग	0.221
20	गुवांव	330ख	0.860		विकास खण्ड बसखारी		
21	गुवांव	443	0.747	61	गोकुलपुर	289ज	0.379
22	गुवांव	566क	0.599	62	गोकुलपुर	403ख	0.264
23	कलेसर	441कमि'	3.500	63	बेलापरसा	501कमि.	0.775
24	कलेसर	278	0.395	64	बेलापरसा	862छ	2.978
25	नाउसांडा	101क	0.683	65	बेलापरसा	1449	0.379
26	गोविन्दपुर काजी	143	0.253	66	बेलापरसा	103ड	0.228
27	गोविन्दपुर काजी	153	0.534	67	बेलापरसा	397छ	0.253
28	चितवई	229	0.468	68	बेलापरसा	98च	0.253
29	जोगापुर	160	1.397	69	बेलापरसा	501क	0.632
30	नरायनपुर	164	0.664	70	बसहिया	41कमि	7.871
31	भडसारी	93मि.	1.100	71	बसहिया	145क	6.347
32	भडसारी	669ग	0.443	72	बसहिया	166मि.	5.522
33	घूरनपुर	605	0.544	73	बसहिया	382घमि	4.482
34	फरीदपुरकला	16मि.	0.404	74	बसहिया	435	2.376
35	भसडा	348घमि.	0.255	75	रामडीहसराय	1948ग	0.822
36	बलयाजगदीषपुर	39	0.468	76	दायमपुर	291मि.	0.987
37	बलयाजगदीषपुर	57ग	0.257	77	रामपुरबेनीपुर	259ज	0.858
38	बलयाजगदीषपुर	142	0.379	78	आरिबपुर	55	0.304
39	बलयाजगदीषपुर	161	0.202	79	मुहम्मदपुर मुसलमान	23	0.255
40	बूढनपुर	118	1.673	80	गोहिला	587गमि.	0.645

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की पात्रता एवं शर्तें:–

1.शासनादेष (यथा संषोधित) संख्या 3736/1–2–95–रा–2 दिनांक 17.10.1995 के अनुरूप होगी जो तहसील मुख्यालय एवं राजस्व परिषद की बेवसाइट BOR.UP.NIC.IN पर उपलब्ध है।

2.पट्टे की शर्तों एवं नीलामी से सम्बन्धित किसी अन्य जानकारी हेतु राजस्व निरीक्षक कार्यालय तहसील टाण्डा से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

3.नीलामी स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार एवं अन्तिम निर्णय अधोहस्ताक्षरी में निहित है।

4.नीलामी तिथि को छः माह के अन्दर का जारी आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

5.नीलाम अधिकारी तहसीलदार टाण्डा होगे।

6.प्रकाषित तालाबो के सम्बन्ध में यदि कोई तालाब पूर्व में आवंटित पाया जाता है तो उक्त तालाब को नीलामी से पृथक माना जायेगा।

7.नीलामी प्रक्रिया उ0प्र0राजस्व संहिता नियमावली 2016 में दिये गये नियम 57 व 58 (धारा–61) में दी गयी शर्तो के आधार पर की जायेगी।

UP-244646 दिनांक 23.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उप जिलाधिकारी टाण्डा–अम्बेडकरनगर

केंद्रीय सचिव ने किया पेयजल परियोजना का स्थलीय निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार के सचिव अशोक कुमार मीना ने गोसाईगंज विकास खंड अंतर्गत चांद सराय ग्रामीण पेयजल योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना की गुणवत्ता, स्वचालन प्रणाली और संचालन को आदर्श बताया। सचिव ने लाभान्वित महिलाओं और ग्राम जल समिति के सदस्यों से संवाद भी किया।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, षोडशम मण्डल, सिंचाई कार्य, प्रतापगढ।

पत्रांक :–5825/षोडशम/ए–1(सामान्य)/निविदा /2025–26 दिनांक–17/जनवरी/2026

ई–टेण्डरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्य
अल्पकालीन ई–निविदा सूचना संख्या–08/अधी0अभि0/षोडशम/2025–26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड एवं प्राइस/फाइनेन्शियल बिड सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में कार्य हेतु पंजीकृत श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है, जिसकी प्री–क्वालिफिकेशन/टेक्निकल बिड दिनॉक–17.02.2026 को अपरान्ह् 02:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में, मुख्य अभियन्ता (शा0सहा0), सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश गंगा सिंचाई भवन, तेलीबाग, लखनऊ द्वारा गठित समिति के नामित सदस्यों द्वारा आनलाईन खोली जायेगी। निविदा सम्बन्धी समस्त प्रपत्र दिनॉक–27.01.2026 से दिनॉक–16.02.2026 को अपरान्ह् 5:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में यह बिड अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। प्राइस/फाइनेन्शियल बिड खोलने की तिथि, कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर निर्धारित होगी, जो नोटिस बोर्ड व ई–पोर्टल पर सूचित की जायेगी। निविदा शुल्क व धरोहर धनराशि का भुगतान इण्टरनेट बैंकिग के माध्यम से ही स्वीकार किया जायेगा, जो अधिशासी अभियन्ता रायबरेली खण्ड(द0) शा0न0, रायबरेली के पक्ष में बन्धक होगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा। कार्य की वित्तीय स्वीकृति एवं धनावंटन प्राप्त हो जाने पर ही अनुबन्ध गठन की कार्यवाही की जायेगी।

लाट स0	कार्य का विवरण	खण्ड का नाम	कार्य की मात्रा	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु0 (जी0एस0टी0 एवं स्टेशनरी चार्ज सहित)	पंजीकृत श्रेणी
01	डी0पी0सी0 (दायीं) नहर के किमी0 1.070 से किमी0 28.646 तक का पुनरोद्धार के कार्य।	रायबरेली खण्ड(द0) शा0 न0 रायबरेली।	बिल ऑफ क्वान्टिटी के अनुसार।	464.78	9.30	12 माह	7010.00	"ए" एवं उच्च श्रेणी
02	जनपद रायबरेली में स्थित डी0पी0सी0 के किमी0 4.230 पर वी0आर0बी0 का पुनर्निर्माण के कार्य।			146.72	2.94	12 माह	3822.00	"ए" एवं उच्च श्रेणी
03	जनपद रायबरेली में स्थित डी0पी0सी0 के किमी0 16.161 पर वी0आर0बी0 का पुनर्निर्माण के कार्य।			129.49	2.59	12 माह	3650.00	"ए" एवं उच्च श्रेणी
04	जनपद रायबरेली में स्थित डी0पी0सी0 के किमी0 18.481 पर वी0आर0बी0 का पुनर्निर्माण के कार्य।			122.09	2.45	12 माह	3575.00	"ए" एवं उच्च श्रेणी

यह निविदा/बिड सूचना उ0प्र0 सरकार की वेबसाइट http://etender.up.nic.in सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की वेबसाइट http://idup.gov.in पर उपलब्ध है।

नोटः–उक्त निविदा में अधोहस्ताक्षरी द्वारा किसी भी प्रकार का संशोधन किया जाता है, तो उसकी सूचना उ0प्र0, सरकार की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर अपलोड एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी जायेगी।

(एस0के0श्रीवास्तव) अधीक्षण अभियन्ता षोडशम् मण्डल सिंचाई कार्य, प्रतापगढ़।

UP-244545 दिनांक 23.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

प्रथम काल

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर।

पता :–विकास भवन, निकट कलक्ट्रेट अम्बेडकरनगर।

पत्रांक 1418/ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्राली/अनु0सहायक/2025–26/ दिनांक 16.01.2026

ई–प्रोक्योरमेण्ट नोटिस कॉल निविदा

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अम्बेडकरनगर विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि निधियोजनान्तर्गत निर्माण कार्यो की ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विड डाक्यूमेण्ट के साथ संलग्न बिल आफ क्वांटिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं, जी0सी0टी0 का भुगतना सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार पृथक से किया जायेगा । निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधिते विवरण निम्नवत् है:–

क्र0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिट (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी. एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
1	अम्बेडकर नगर	ग्राम सेमरा एकडगा पुरवा से घर्मराज निषाद के घर के आगे विपुल सिंह के घर तक इ0ला0 कार्य,भियांव।	12.07	0.25	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
2	अम्बेडकर नगर	नन्दापुर अशरफपुर मंजगवा पिच रोड से भारत प्रजापति के घर के आगे तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	10.77	0.22	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
3	अम्बेडकर नगर	कान्दीपुर में राजितराम के घर से कोमल यादव के खेत तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	11.84	0.24	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
4	अम्बेडकर नगर	नूरपुर कला सम्पर्क मार्ग से वीरेश प्रजापति के घर काली मॉ के स्थान होते हुए प्रजापति वस्ती तक ख0 कार्य, भियांव।	4.56	0.10	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
5	अम्बेडकर नगर	सरखूपुर भियांव में निजामपुर सम्पर्क मार्ग से मौर्या बस्ती तक इ0ला0 कार्य, भियांव।	4.72	0.10	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
6	अम्बेडकर नगर	मढ़वर ग्राम पंचायत के रकबा मे रामगढ। रोड से संजय श्रीवास्तव के घर आगे तक इ0ला0 कार्य, भियाव।	11.12	0.23	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
7	अम्बेडकर नगर	कोठीभार में कोमल राजभर के घर से दयाराम के घर तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	10.96	0.22	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
8	अम्बेडकर नगर	कटघर मूसा में राजदेव पाल के घर से घनश्यामक` घर के पास मेन ख0 तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	3.36	0.07	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
9	अम्बेडकर नगर	ज्योतिपुर समैसा मे देवनाथ के घर से भगवानदीन निषाद के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य,जलालपुर।	10.68	0.22	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
10	अम्बेडकर नगर	ग्रम बरौना सी0सी0 रोड राम भोज मौर्या के घर के पूरब से श्याम प्रकाश सिंह के घर के आगे तक इ0ला0 कार्य, भियांव।	6.85	0.14	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
11	अम्बेडकर नगर	एन्दलपुर (डिगुरापुर) मे राम प्रसाद प्रजापति के घर से डिगुरापुर मे जय प्रकाश यादव के घर तक इ0ला0 कार्य, भियांव।	9.90	0.20	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
12	अम्बेडकर नगर	ग्राम मैरवा बलवीर शुक्ला के घर पिच रोड से अजीत शुक्ला के घर तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	10.43	0.21	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
13	अम्बेडकर नगर	ताजूपुर जलालपुर मयाराम यादव के घर से जयराम गौड़ के घर तक पिच मार्ग तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	12.22	0.25	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
14	अम्बेडकर नगर	फत्तेपुर मोहिबपुर मे दयाराम मौर्या के घर से राजभर वस्ती तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	13.98	0.28	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
15	अम्बेडकर नगर	भाऊकुआं पंचायत भवन के इ0ला0 से नन्हे प्रजापति के घर होकर महेन्द्र प्रजापति के घर तक इ0ला0 कार्य, जलालपुर।	12.90	0.26	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह
16	अम्बेडकर नगर	सैदही मे हरिशंकर मिश्रा के घर से वीरेन्द्र मिश्रा के घ होकर राजमणि पाण्डेय के घर तक इ0ला0 कार्य, भियांव।	11.27	0.23s	500.00+225.00 +42.00=767.00	3 माह

2. वेवसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः–26.01.2026 से 25.02.2026 तक
3. विड् डाक्यूमेण्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समयः 26.01.2026 को प्रातः 11.00 बजे से ।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ की तिथि एवं समयः 27.01.2026 को प्रातः 11.00 बजे से ।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि एवं समयः 25.02.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक ।
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 25.02.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे ।
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ–पत्र मान्य नही होगा ।
8. निविदा आनलाइन वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा ।
9. निविदा आमंत्रण कर्ता को आई0टी0बी0 के क्लाज 09 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि–पत्र जारी करने का अधिकार है । जो किसी भी समाचार–पत्र मे प्रकाशित नही किया जायेगा । सभी सम्भावित निविदा दाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें । अधिक जानकारी हेतु कृपया वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा विड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें ।सभी सम्भावित निविदा–दाताओं को सलाह दी जाती है कि विड् सम्मिट करने से पूर्व विड् डाक्यूमेण्ट को भली–भॉति पढ़ लें ।

अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर । श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की अम्बेडकरनगर

UP-244348 दिनांक 22.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार
लोक दर्पण
रविवार, 25 जनवरी 2026 www.amritvichar.com

गणतंत्र भारत में स्त्री अधिकार से नेतृत्व तक

26 जनवरी 1950 को जब भारत ने स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया, तब संविधान निर्माताओं ने केवल राजनीतिक स्वतंत्रता का ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और लैंगिक समानता का भी संकल्प लिया। स्वतंत्रता आंदोलन में स्त्रियों की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि नया भारत केवल पुरुष-केंद्रित राष्ट्र नहीं हो सकता। अतः गणतंत्र भारत का संविधान स्त्री अधिकारों के लिए ऐतिहासिक वादा-पत्र के रूप में सामने आया, किंतु प्रश्न यह है कि क्या ये संवैधानिक वादे सामाजिक व्यवहार में पूर्णतः साकार हो पाए? गणतंत्र दिवस न केवल भारत के संवैधानिक ढांचे का उत्सव है, बल्कि उस ऐतिहासिक क्षण की याद भी है, जब हमने स्वतंत्र भारत के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। 1950 में लागू हुआ भारतीय संविधान न केवल एक कानूनी दस्तावेज है, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का घोषणा-पत्र भी है, जो समानता, स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा के सिद्धांतों पर आधारित है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर यह आत्ममंथन आवश्यक है कि क्या हम संविधान की भावना को साकार कर पाए हैं या स्त्रियों की समानता का लक्ष्य अभी भी अधूरा है?

डॉ. सुप्रिया पाठक
एसोसिएट प्रोफेसर

वे स्त्रियां, जिन्होंने संविधान निर्माण में योगदान दिया

भारतीय संविधान की रचना के समय, डॉ. बीआर आंबेडकर जैसे दूरदर्शी नेताओं ने स्त्रियों की स्थिति को विशेष महत्व दिया। स्वतंत्रता संग्राम में स्त्रियों की भूमिका रानी लक्ष्मीबाई से सरोजिनी नायडू तक को मान्यता देते हुए, संविधान ने लैंगिक समानता को मौलिक अधिकारों का हिस्सा बनाया। यह वादा केवल कानूनी नहीं था, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का भी था। स्त्रियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और राजनीति में समान अवसर प्रदान करना, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकें। गणतंत्र दिवस के अवसर पर बात करते हैं, उन स्त्रियों की जिनके बारे में बहुत कम चर्चा होती है। ये वो स्त्रियां हैं, जिन्होंने देश के संविधान में अहम योगदान दिया। भारतीय संविधान के जनक भले ही बीआर आंबेडकर रहे हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान के निर्माण 284 लोग शामिल थे, जिसमें 15 प्रगतिशील स्त्रियां भी थीं। इन स्त्रियों में सरोजनी नायडू, विजय लक्ष्मी पंडित, अम्मू स्वामीनाथन, सुचेता कृपलानी का नाम तो काफी प्रसिद्ध रहा है, लेकिन इनके अलावा कई और स्त्रियां भी हैं, जिन्होंने संविधान निर्माण से लेकर समाज निर्माण तक में अहम भूमिका निभाई है। इस संदर्भ में हंसा मेहता, राजकुमारी अमृत कौर, दाक्षायणी वेलायुधन, बेगम ऐजाज रसूल इत्यादि का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है।

शिक्षा: स्त्री सशक्तिकरण की पहली सीढ़ी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्त्री अधिकारों की समीक्षा करते हुए हम पाते हैं कि शिक्षा स्त्रियों की सशक्तिकरण की कुंजी रही है और संविधान के अनुच्छेद 21-ए (शिक्षा का अधिकार) ने इसे मौलिक बना दिया गया है। पिछले दशकों में इसमें उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 2020-21 के अनुसार, स्त्री साक्षरता दर 67.4 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2017-18 के 64.4 प्रतिशत से बेहतर है। शहरी क्षेत्रों में यह 82.7 प्रतिशत है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 67.4 प्रतिशत। उच्च शिक्षा में स्त्रियों का नामांकन 49.3 प्रतिशत (लगभग 2.2 करोड़ छात्राएं) तक पहुंच गया है और STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) में 43 प्रतिशत स्त्रियां हैं। सरकारी योजनाएं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सर्व शिक्षा अभियान और विज्ञान ज्योति ने ग्रामीण और अल्पसंख्यक स्त्रियों को शिक्षा से जोड़ा है। फिर भी चुनौतियां गंभीर हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS-5) के अनुसार, 15-18 वर्ष की लगभग 40 प्रतिशत लड़कियां स्कूल से बाहर हैं, मुख्यतः मासिक धर्म संबंधी कलंक और सुविधाओं की कमी के कारण। पुरुष साक्षरता दर (84.7 प्रतिशत) से स्त्रियों की 77.7 प्रतिशत साक्षरता में 7 प्रतिशत का अंतराल है। सामाजिक सोच जैसे बाल विवाह और घरेलू जिम्मेदारियां अभी भी लाखों-लड़कियों को शिक्षा से वंचित रखती है। उदाहरणस्वरूप, 2020-21 में माध्यमिक स्तर पर 14.2 प्रतिशत लड़कियां ड्रॉपआउट हो गईं। यह दर्शाता है कि शिक्षा में समानता कागज पर तो है, लेकिन व्यावहारिक रूप से अधूरी है।

स्त्री-केंद्रित परिवार की पुनर्कल्पना

एक स्त्री-केंद्रित परिवार वह होगा, जहां स्त्री का सम्मान किया जाएगा, उसे उसके कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा, उसे आत्मविश्वासी और स्वतंत्र बनाया जाएगा, जहां उसे अपनी क्षमताओं की पूर्ण अभिव्यक्ति की अनुमति दी जाएगी, जिससे वह हमारे सपनों के नए भारत के निर्माण में एक गतिशील भागीदार बनने के लिए सशक्त बनेगी। कई बुनियादी बातों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। किसी लड़की को उसकी इच्छा के विरुद्ध कम उम्र में विवाह के लिए मजबूर करना, उसे जाति से बाहर विवाह करने की स्वतंत्रता से वंचित करना, उसे अयोग्य साथी के साथ वैवाहिक जीवन जीने के लिए मजबूर करना, यहां तक कि उसे पुनर्विवाह करने के अधिकार से भी वंचित करना ये सभी वर्तमान भारत में उत्पीड़न का रूप ले रहे हैं, जिनमें बदलाव की आवश्यकता है।

भारत के विकास और परिवर्तन की प्रक्रिया में स्त्रियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। नया भारत या विकसित भारत केवल आर्थिक प्रगति का प्रतीक नहीं, बल्कि एक ऐसे समाज का स्वप्न है, जहां समानता, अवसर और मानवीय गरिमा का संतुलित विस्तार हो। इस दृष्टि से स्त्रियों की सक्रिय भागीदारी ही इस स्वप्न को साकार कर सकती है। स्त्रियों की शिक्षा और नवाचार क्षमता को केंद्र में रखती हैं। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य और लैंगिक समानता के अभियानों में स्त्रियों की सक्रिय भागीदारी नए सामाजिक भारत की आधारशिला है। स्वच्छ भारत मिशन और बेटी बचाओ,बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में स्त्रियों की भूमिका परिवर्तनकारी रही है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का मानना था कि जब एक स्त्री आगे बढ़ती है, तो परिवार, समाज और राष्ट्र आगे बढ़ता है। इसलिए नए भारत का निर्माण तभी संभव है, जब विकास की धारा में स्त्रियों की भागीदारी समान रूप से सुनिश्चित की जाए। स्त्री सशक्तिकरण केवल नीति नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना का आधार होना चाहिए। गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि संविधान का वादा अभी अधूरा है। प्रगति हुई है, लेकिन असमान अवसर, सुरक्षा चुनौतियां और सामाजिक सोच इसे बाधित कर रही हैं। पूर्ण समानता के लिए, हमें स्त्री आरक्षण को लागू करना, शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश बढ़ाना, कार्यस्थल सुधार करना और सामाजिक जागरूकता अभियान चलाना होगा। तभी हम स्त्रियों को वास्तविक समान नागरिक बना पाएंगे और भारत सच्चा गणतंत्र बनेगा। यह न केवल स्त्रियों का, बल्कि पूरे राष्ट्र का सवाल है।

पंचायतों में नारी शक्ति का लोकतांत्रिक प्रयोग

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू (देश की पहली आदिवासी स्त्री राष्ट्रपति) और दिल्ली की मुख्यमंत्री (स्त्री) जैसी भूमिकाएं स्त्री नेतृत्व की मजबूती दिखाती हैं। पंचायतों और नगर निकायों में स्त्रियों की भागीदारी सबसे मजबूत है। लगभग 15 लाख स्त्रियां निर्वाचित प्रतिनिधि हैं (दुनिया का सबसे बड़ा प्रयोग)। कई राज्यों में पंचायतों में 50 प्रतिशत आरक्षण लागू है। स्त्री-नेतृत्व वाले पंचायत अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और विकास-उन्मुख साबित हो रहे हैं (जैसे जल परियोजनाओं में 62 प्रतिशत अधिक प्रगति)। लोकसभा में स्त्रियों की हिस्सेदारी अभी 14.7 प्रतिशत है (वैश्विक औसत 26.5 प्रतिशत से कम)। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 (106 वां संशोधन) लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है, लेकिन यह जनगणना और परिसीमन (delimitation) के बाद लागू होगा। वर्तमान स्थिति में 2029 के चुनावों में लागू होने की संभावना है (2021 जनगणना स्थगित होने से देरी)। 2024 चुनावों में स्त्रियों की संख्या कम रही (74 सांसद), लेकिन स्थानीय स्तर पर स्त्रियां नेतृत्व कर रही हैं।

कॉर्पोरेट और स्टार्टअप जगत में बढ़ता स्त्री नेतृत्व

कंपनी एक्ट 2013 के तहत शीर्ष पदों पर स्त्रियों की संख्या पिछले 5 वर्षों में तीन गुना बढ़ी है। 2026 में स्त्री सीईओ की भूमिका में पंद्रह प्रतिशत वृद्धि की संभावना है। स्त्रियां डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एआई, साइबर सिक्योरिटी और एचआर में नेतृत्व कर रही हैं। स्टार्टअप्स में पचास प्रतिशत में स्त्री निदेशक, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी जैसी योजनाएं ग्रामीण स्त्रियों को उद्यमी बना रही हैं। राष्ट्रीय स्त्री आयोग की अध्यक्ष विजया राहतकर ने 2026 को स्त्री नेतृत्व वाला वर्ष कहा है। दावोस 2026 में भारतीय स्त्री नेता कल्पना मुरमू सोरेन आदि भाग ले रही हैं। भारत में स्त्री नेतृत्व अब विकास की भागीदार से नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति बन रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, विविधता और नारी शक्ति लोकतंत्र की ताकत हैं। 2026 में स्त्रियां न केवल भाग ले रही हैं, बल्कि नेतृत्व कर रही हैं।

2047 का स्वप्न और नया भारत

वर्तमान में, नवभारत का औपचारिक शुभारंभ एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत की स्वतंत्रता के 100 वें वर्ष यानी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने की संभावना वास्तव में मनोरम है। देश की तीव्र प्रगति को देखते हुए इस महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार कर सकना संभव नजर आता है। नए भारत की संकल्पना भी तार्किक परिस्थितियों पर आधारित संकल्पना है। यह विश्व में सर्वाधिक तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बढ़ते प्रभाव और बदलते हितों को ध्यान में रखते हुए, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसे बीसवीं सदी के संगठनों में सुधार करने के लिए भारत का दबाव देश के बढ़ते आत्मविश्वास का एक और उदाहरण है।

इस स्वप्न के तले विगत कुछ वर्षों में भारत में स्त्री नेतृत्व (Women Leadership in India) तेजी से उभर रहा है। यह राजनीतिक, कॉर्पोरेट, स्थानीय शासन, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। विकसित भारत @ 2047 की दृष्टि में 'स्त्री-नेतृत्व वाला विकास' को केंद्र में रखा गया है और हाल के घटनाक्रम जैसे 28 वें कॉमनवेल्थ के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन (CSPOC-जनवरी 2026) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यसभा उपसभापति हरिवंश ने इसे लोकतंत्र की ताकत बताया है।

ग्रामीण भारत में उद्यमिता की नई कहानी

बावजूद इसके नए भारत के संकल्प की नारीवादी आलोचना पितृसत्तात्मक संस्कृति, स्त्रियों के विरुद्ध हिंसा, शिक्षा और संपत्ति तक असमान पहुंच जैसे मौजूदा मुद्दों पर प्रकाश डालती है। साथ ही, मुख्यधारा के नारीवादी आंदोलनों और हालिया नीतियों की सीमाओं की भी आलोचना करती है। यह आलोचनाएं तर्क देती हैं कि तटस्थ कानूनों और नीतियों के कारण कई समस्याओं का पर्याप्त समाधान नहीं किया गया है, जिसके कारण नया भारत कई आयामों से अभी भी वास्तविक लैंगिक समानता हासिल करने के लक्ष्य से पीछे रह गया है। लैंगिक दृष्टिकोण से नए भारत का निर्माण स्त्री कल्याण से हटकर स्त्रियों के नेतृत्व वाले विकास की ओर एक रणनीतिक बदलाव का संकेत देता है, जिसका ध्यान आर्थिक सशक्तिकरण, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक समावेश पर केंद्रित है। यह लैंगिक संवेदनशील बजट जैसी नीतियों द्वारा संचालित हो रहा है, जो समान परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सरकारी व्यय का विश्लेषण करती हैं और कानूनी सुधार जो स्त्री सुरक्षा और भागीदारी को बढ़ावा देते हैं, का प्रावधान करती है। स्त्री उद्यमिता को बढ़ावा देना, डिजिटल और वित्तीय समावेशन में सुधार करना और राजनीति में उनकी उपस्थिति को बढ़ाने जैसे पहल भी इस परिवर्तन के प्रमुख घटक हैं। भारतीय स्त्रियां ऊर्जावान, दूरदर्शी और सभी बाधाओं और चुनौतियों के बावजूद अपने जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता से भरी हुई हैं। भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के शब्दों में, 'हमारे लिए स्त्रियां न केवल घरेलू देवी हैं, बल्कि स्वयं आत्मा की ज्वाला हैं।' स्त्रियां कभी हार न मानने वाली भावना का एक बेहतरीन उदाहरण हैं और अनादि काल से मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत रही हैं। स्त्रियों ने बड़े पैमाने पर समाज के लिए बड़े और बेहतर उदाहरण स्थापित करने के लिए अवसर पर उठने में अकथनीय दृढ़ संकल्प और भावना दिखाई है। हम 2030 तक पृथ्वी को रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाने के लिए सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के दशक में प्रवेश कर चुके हैं। सभी स्त्रियों और लड़कियों की लैंगिक समानता और सशक्तिकरण भी प्रमुख एसडीजी में से एक है। सतत भविष्य का जलवायु संकट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा और समावेशी आर्थिक और सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्त्रियों की भागीदारी से बहुत कुछ लेना-देना है।

गौण होते गण का पर्व

डॉ. सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

गणतंत्र दिवस हमारा राष्ट्रीय पर्व है। एक महान पर्व। इसे हमें सगर्व और सोल्लास मनाना चाहिए। यह औपनिवेशिक-दासता से मुक्ति के करीब ढाई साल के बाद उस ऐतिहासिक प्रसंग से जुड़ा है, जब हमारे नव-स्वतंत्र महादेश ने सार्वभौमिकता अख्तियार की। इस दिन हमारा अपना संविधान लागू हुआ। राजवंश समाप्त हुए। राजे-महाराजे भूतपूर्व की तालिका में वर्गीकृत हुए। गणतंत्र का उदय हुआ। हमारा अपना संविधान लागू हुआ, एक ऐसा संविधान जो गहन-विमर्श और विचार-मंथन के उपरांत अस्तित्व में आया था। संविधान सदाशयी, समदर्शी और सामासिक था। उसमें कोई खोट न था। उसके लिए सब समान थे। ऊंच-नीच, जाति-धर्म, गरीब-अमीर, अस्पृश्य-सवर्ण, सबल-निर्बल, स्त्री-पुरुष, गारे-काले में कोई भेद नहीं। यह जनगण का संविधान था। इसमें, किसी व्यक्ति, समुदाय या युति की नहीं, 'वी द पीपुल' की निर्विवाद और घोषित महत्ता थी।

गणतंत्र का उदय हम भारत के लोगों की एक महान लोकतांत्रिक राष्ट्र रचने के स्वप्न और संकल्प की अभिव्यक्ति थी। उसकी पृष्ठभूमि में तरल और सान्द्र अनुभूतियों का सागर लहराता था। वह सबको समान अधिकार, सबको समान अवसर और सबके उत्थान का घोषणा पत्र था। यकीनन यह इतिहास में पहली बार हो रहा था। इस नाते वह क्षण गौरवशाली था, जब हमारा संविधान लागू हुआ। छब्बीस जनवरी की दिनांक इतिहास के फलक पर सुनहरी इबारतों में अंकित हुई।

देश के स्वप्नदृष्टा और संविधान का आलोक

हमारी संविधान निर्मात्री सभा में तपःपूत जनों का बाहुल्य था। अधिकांश का व्यक्तित्व स्वतंत्रता-संग्राम की आग में तपे कुंदन सरीखा था। महात्मा के प्रभामंडल का आलोक ओरछोर व्याप्त था। लक्ष्य स्पष्ट था। संविधान ने बरबस कोटि-कोटि भारतीयों के लिए निर्दिष्ट की ओर बढ़ने की न सिर्फ पीठिका रची, बल्कि उन्हें प्रेरणा, परिवेश, अवसर और संबल भी प्रदान किया। हम आगे बढ़े। अघातों और अवरोधों के बावजूद। स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने कहा, 'आराम हराम है।' नए औद्योगिक तीर्थ स्थापित हुए। हरित और श्वेत क्रांति हुई। भारत ने अंतरिक्ष युग में प्रवेश किया। परमाणु विस्फोट से वह महाशक्तियों के क्लब में शरीक हुआ। निर्गुट आंदोलन ने उसे वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दी। बीसवीं सदी का समूचा उत्तरार्द्ध भारत के चतुर्मुखी विकास और उत्थान का अद्भुत कालखंड था। यह संभव हो सका था हमारे अनूठे संविधान की बदौलत। अर्द्धशती के इस अंतराल में भारतीय प्रतिभाओं ने सारे विश्व को चमत्कृत किया। यकीनन इससे भारत का मान बढ़ा और विश्व के तमाम राष्ट्रों में भारत के प्रति आदर और प्रशंसा का भाव निर्मित हुआ।

समावेशी भारत की वैश्विक पहचान

भारत में विभिन्न धर्मों और जातियों के सह-अस्तित्व ने वैश्विक स्तर पर भारत की अनूठी और आकर्षक छवि निर्मित की। बीती दहाइयों में हमने शीर्ष पदों पर महिलाओं, दलितों और अल्पसंख्यकों को बैठे देखा। इनमें लौह महिला श्रीमती इंदिरा गांधी ने नया इतिहास रचा और डॉ. एपीजे कलाम जीते-जी भारत रत्न से सम्मानित हुए। किस्सा कोताह यह कि हमारा संविधान हमारी ताकत बना और उसने इस महादेश के मेरुदंड को सीधा और सुदृढ़ रखने के साथ-साथ धमनियों और शिराओं में रक्त के प्रवाह को कायम रखा। ऐसा नहीं है कि तीन चौथाई सदी में विकृतियां नहीं पनपीं। देश की परखनली में जब-तब अंतःक्रियाओं से मटमैला अवक्षेप भी उपजा, लेकिन वह कभी भी देश की एकता, अखंडता और सार्वभौमिकता के लिए खतरा नहीं बन सका। यकीनन सत्ताधीशों से गलतियां तो हुईं, लेकिन उनकी सदाशयता कभी संदेह के घेरे में नहीं आई। हां, हमने एक बड़ी गलती जरूर की कि हमने नागरिकता-बोध और सेक्यूलर मनस विकसित नहीं किया। हमने विभेदकारी, तंग जेहन और मजहबी तत्वों की जड़ों में मट्ठा नहीं डाला। फलतः उसमें कल्ले फूटते गए और उनका तेजी से पनपना जारी रहा।

मौलिक अधिकारों की नींव और समता का संकल्प

कुछ देर को हम समय के गलियारे में उलटे पांव चलें। संविधान-सभा की बहसों और कार्यवाही को याद करें। संविधान-निर्माताओं के मन में आशंकाएं कम नहीं थीं। डॉ. आंबेडकर और उनके सहयोगी भविष्य के खतरों को बूझ रहे थे। सभा के सदस्यों ने जब-तब अपनी चिंताओं का इजहार भी किया था। स्वयं डॉ. अंबेडकर को डर था कि कहीं अच्छा संविधान बुरे हाथों में न चला जाए। पंथनिरपेक्षता को अपनाने के पीछे गहन चिंतन और इतिहास के गूढ़ सबक का हाथ था। संविधान ने सभी पंथों व धर्मों को सम्मान व स्वतंत्रता दी और किसी एक को न तो वरीयता दी और न ही किसी को राजकीय धर्म घोषित किया। यह वक्त का तकाजा था और भविष्य में सर्वांगीण विकास की आधारशिला भी। यह इस महादेश में फासीवाद को रोकने की पेशकदमी भी थी। गौरतलब है कि आजादी से पहले ही 24 जनवरी, सन् 1947 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की सदारत में अल्पसंख्यकों समेत नागरिकों के मौलिक अधिकारों से संबंधित प्रावधान तय करने के लिए सलाहकार समिति का गठन किया गया था, जिसने अपनी रिपोर्ट में जोर देकर कहा था कि देश में समता का अधिकार होना चाहिए, छुआछूत शोषण और भेदभाव की समाप्ति होनी चाहिए। एतदर्थ सरकार की ओर से किसी नागरिक के विरुद्ध धर्म, जाति, वर्ग या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। रपट में कहा गया था कि छुआछूत को हर हाल में खत्म किया जाएगा और इसमें किसी भी असमर्थता को बरतना अपराध समझा जाएगा। अलबत्ता यह आसां नहीं, दुश्वार है, मगर हमें संविधान को बचाना होगा। उसमें इस महादेश की आत्मा प्रतिबिंबित है। गणतंत्र दिवस इसी समवेत संकल्प का दिवस है। सदियों बाद अनगिन त्याग और बलिदान से उदित हमारा गणतंत्र अक्षुण्ण रहे, यही हमारा दायित्व है।

आयुर्वेदिक दृष्टि से नारियल पानी
अमृत या भ्रम!

थकान या कमजोरी का जिक्र आते ही नारियल पानी को सबसे सुरक्षित और "हर रोज पीने योग्य" पेय मान लिया गया है। आम बातचीत में यह धारणा मजबूत हो चुकी है कि नारियल पानी जितना ज्यादा पिया जाए, उतना ही शरीर को फायदा होगा। लोग इसे किडनी साफ रखने, ब्लड प्रेशर संतुलित करने और शरीर को ठंडा रखने का सरल उपाय समझने लगे हैं, लेकिन क्या वाकई हर व्यक्ति के लिए और हर मात्रा में नारियल पानी लाभकारी है? वास्तविकता यह है कि नारियल पानी सामान्य पानी नहीं, बल्कि औषधीय गुणों से युक्त एक प्राकृतिक पेय है, जिसका प्रभाव शरीर की प्रकृति, पाचन शक्ति और मात्रा पर निर्भर करता है। सीमित मात्रा में यह राहत देता है, परंतु नियमित और अत्यधिक सेवन धीरे-धीरे स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। यह आलेख नारियल पानी के लाभ-हानि को आधुनिक विज्ञान और आयुर्वेद, दोनों की दृष्टि से समझने का प्रयास करता है, ताकि 'सेहत के नाम पर की जाने वाली गलती' से बचा जा सके।

"डॉक्टर साहब, सब कहते थे नारियल पानी बहुत अच्छा होता है। गर्मी भी थी, कमजोरी भी रहती थी। मैंने सोचा-रोज पीने से शरीर और अच्छा रहेगा।" यह कहते हुए ललित जी (उम्र 48 वर्ष) मेरे सामने बैठे थे। चेहरे पर थकान, आंखों के नीचे हल्की सूजन और आवाज में घबराहट साफ दिख रही थी। ललित जी पिछले 6-7 महीनों से रोज 3-4 नारियल पानी पी रहे थे। सुबह खाली पेट एक, दोपहर में एक, शाम को एक-उन्हें लगता था कि इससे किडनी साफ रहेगी, ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहेगा और शरीर ठंडा रहेगा। शुरुआत में उन्हें सच में अच्छा लगा- पेशाब साफ हुआ, गर्मी कम लगी, थकान भी थोड़ी घटी, लेकिन तीन महीने बाद समस्याएं शुरू हो गईं। तब समझ में आया कि रोज-रोज नारियल पानी पीना सेहत के लिए ठीक नहीं हैं। जांच में पता चला- ब्लड प्रेशर अक्सर लो रहने लगा था, पोटैशियम लेवल बढ़ा हुआ था। पाचन शक्ति मंद हो चुकी थी। आजकल नारियल पानी को लोग हर रोग की एक दवा समझने लगते हैं। कोई इसे रोज 2-3 बोतल पी रहा है, तो कोई इसे बच्चों और बुजुर्गों को बिना सोचे दे रहा है, लेकिन सवाल यह है-क्या नारियल पानी सच में हर किसी के लिए और हर मात्रा में सुरक्षित है? आइए, इसे वास्तविक तथ्यों की दृष्टि से समझते हैं।

नारियल पानी का पोषण मूल्य

- एक गिलास 200-250 एमएल
- नारियल पानी हल्का, ताजा और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है।
- ऊर्जा- 45-50 कैलोरी
- पोटैशियम- 500-600 एमजी (बहुत अधिक)
- सोडियम- 20-30 एमजी
- प्राकृतिक शर्करा- 5-6 ग्राम
- फैट और कोलेस्ट्रॉल- लगभग शून्य
- यही कारण है कि यह डिहाइड्रेशन, थकान और गर्मी में तुरंत राहत देता है।

नारियल पानी का आयुर्वेदिक परिचय

आयुर्वेद में नारियल पानी को नारिकेल जल कहा गया है और इसे प्राकृतिक, शीतल तथा शरीर को जीवन शक्ति देने वाला पेय माना गया है। इसके रस का स्वाद मधुर होता है, इसका वीर्य शीतल और विपाक भी मधुर होता है। गुणों की दृष्टि से यह लघु तथा स्निग्ध है, जिससे यह शरीर में अत्यधिक गर्मी को शांत करता है और प्यास को बुझाता है। आयुर्वेद के अनुसार नारियल पानी मुख्य रूप से पित्त दोष को शांत करता है, वात दोष को संतुलन में रखता है, जबकि अधिक मात्रा या गलत समय पर सेवन करने से कफ दोष की वृद्धि कर सकता है।

त्रिदोषों पर नारियल पानी का प्रभाव

त्रिदोष सिद्धांत के अनुसार शरीर में वात, पित्त और कफ का संतुलन स्वास्थ्य का आधार है। नारियल पानी अपने शीतल और मधुर गुणों के कारण पित्त दोष को शांत करता है, जिससे जलन, क्रोध, एसिडिटी और शरीर की गर्मी कम होती है। वात दोष में मौजूद शुष्कता को यह कुछ हद तक स्निग्धता देकर संतुलित करता है। परंतु कफ दोष पहले से ही शीतल और भारी प्रकृति का होता है, इसलिए नारियल पानी का अत्यधिक सेवन कफ को बढ़ाकर सर्दी, खांसी और जुकाम जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकता है।

क्या कहता है आयुर्वेद

आयुर्वेद में नारियल पानी को औषधीय द्रव्य माना गया है, सामान्य पानी नहीं।

- रस- मधुर
- गुण- गुरु (भारी), स्निग्ध
- वीर्य- शीत
- विपाक- मधुर

लाभ-

- पित्त को शांत करता है।
- पेशाब की जलन, दाह और कमजोरी में उपयोगी।
- शरीर को ठंडक और ताजगी देता है।

नुकसान

- कफ बढ़ाता है।
- पाचन अग्नि को मंद करता है।
- सर्दी-खांसी, अस्थमा में समस्या बढ़ा सकता है।

सही मात्रा

- दिन में 1 गिलास (200-250 एमएल) पर्याप्त
- अधिक पसीना, दस्त, लू या कमजोरी में।
- 1-2 गिलास / दिन (कुछ दिनों के लिए)
- रोज 2-3 लीटर पीना

कब खतरनाक हो सकता है नारियल पानी?

- नारियल पानी में पोटैशियम बहुत अधिक होता है, इसलिए कुछ स्थितियों में यह नुकसान कर सकता है।
- किडनी रोगी (हाई पोटैशियम दिल की धड़कन बिगड़ने का खतरा)
- लो ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए
- ज्यादा कफ, सर्दी, अस्थमा और एलर्जी
- रात में पीना
- भोजन के तुरंत बाद सेवन
- बच्चों को रोज आदत के रूप में देना

नारियल के विषय में लोगों की सोच

- ये तो नैचुरल है, जितना पिएं उतना अच्छा,लेकिन सच यह है।
- नारियल पानी औषधि है, पानी नहीं।
- गलत मात्रा में यही अमृत धीरे-धीरे समस्या बन सकता है।

गर्मी और पित्त विकारों में लाभ

ग्रीष्म ऋतु में शरीर में पित्त दोष स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है। ऐसे समय में नारियल पानी शरीर को ठंडक प्रदान कर लू, अत्यधिक पसीना, थकान और कमजोरी से बचाव करता है। मुंह के छाले, सिर में जलन, हाथ-पैर जलना और पेशाब में जलन जैसी समस्याओं में नारियल पानी विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। यह शरीर के अंदरूनी तापमान को संतुलित कर राहत देता है।

पाचन और मूत्र तंत्र पर प्रभाव

आयुर्वेद के अनुसार नारियल पानी सीमित मात्रा में लेने पर पाचन तंत्र को शांत करता है और पेट की जलन को कम करता है। इसका मूत्रल गुण मूत्र मार्ग की सफाई में सहायक होता है। पेशाब में जलन, रुकावट या बार-बार पेशाब आने की स्थिति में यह उपयोगी है। हालांकि जिन व्यक्तियों की पाचन अग्नि कमजोर होती है, उन्हें इससे अपच, गैस या पेट भारी होने की शिकायत हो सकती है।

गर्भावस्था और कमजोरी में उपयोग

गर्भावस्था के दौरान होने वाली उल्टी, मतली, जलन और कमजोरी में नारियल पानी शरीर को संतुलन प्रदान करता है। यह प्राकृतिक रूप से जल और खनिज तत्वों की पूर्ति करता है, जिससे गर्भवती महिला को ताजगी महसूस होती है। सामान्य कमजोरी, अधिक परिश्रम या गर्मी के कारण हुई थकान में भी नारियल पानी उपयोगी माना गया है, बशर्ते इसका सेवन सीमित मात्रा में किया जाए।

नारियल पानी के संभावित नुकसान

आयुर्वेद यह स्पष्ट करता है कि शीतल पदार्थ हर व्यक्ति के लिए समान रूप से लाभकारी नहीं होते। नारियल पानी कफ दोष को बढ़ा सकता है, इसलिए सर्दी-खांसी, जुकाम, एलर्जी या अस्थमा से पीड़ित व्यक्तियों को इससे परहेज या अत्यधिक सावधानी रखनी चाहिए। रात के समय नारियल पानी पीने से कफ बढ़ता है और पाचन क्रिया भी प्रभावित होती है। अत्यधिक मात्रा में सेवन करने पर शरीर में सुस्ती और ठंडक बढ़ सकती है।

सेवन का सही समय और मात्रा

नारियल पानी का सेवन सुबह खाली पेट या दोपहर में करना सबसे उपयुक्त माना गया है। दिन में एक ताजा नारियल का पानी सामान्य व्यक्ति के लिए पर्याप्त होता है। रात के समय इसका सेवन आयुर्वेद में वर्जित माना गया है, क्योंकि उस समय पाचन अग्नि मंद होती है और शीतल पेय कफ दोष को बढ़ा देता है।

आयुर्वेद का सिद्धांत है कि कोई भी आहार या पेय तभी औषधि बनता है, जब उसका सेवन शरीर की प्रकृति, ऋतु, समय और मात्रा के अनुसार किया जाए। नारियल पानी एक श्रेष्ठ प्राकृतिक पेय है, जो पित्त दोष को शांत कर शरीर को ताजगी और शीतलता प्रदान करता है, परंतु कफ प्रधान या कमजोर पाचन वाले व्यक्तियों के लिए यह हानिकारक भी हो सकता है। इसलिए नारियल पानी को लाभकारी बनाने के लिए आयुर्वेदिक विवेक के साथ इसका सेवन करना ही स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली में रोगियों का उपचार आयुर्वेद के त्रिदोष सिद्धांत के आधार पर किया जाता है। यहां कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र एवं क्षार सूत्र चिकित्सा, शालाक्य तंत्र, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, योग चिकित्सा तथा विभिन्न आयुर्वेदिक थैरेपी जैसे अभ्यंग, शिरोधारा, स्वेदन, बस्ति और नेत्र तर्पण की सुविधाएं उपलब्ध हैं। संस्थान में औषधि के साथ-साथ आहार, दिनचर्या और जीवनशैली परामर्श देकर रोगी को संपूर्ण एवं स्थायी स्वास्थ्य प्रदान करने का प्रयास किया जाता है।

अलसी के छोटे बीज, सेहत के बड़े राज

अलसी के बीज यानी फ्लेक्स सीड्स- आयुर्वेद में अलसी को उमा कहा जाता है, जिसका अर्थ है सुपर फूड। ये फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं। इनका सेवन पाचन सुधारने, कब्ज दूर करने, कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने, वजन घटाने, त्वचा व बालों को स्वस्थ रखने में मददगार होता है।

अमृता पांडे
लेखिका, हल्द्वानी

हृदय को मजबूत बनाने, ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने और कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम करने में भी ये मदद करते हैं। खास तौर से कोलोन कैंसर से लड़ने की इनमें क्षमता होती है। अलसी से तेल और दवाइयां भी तैयार की जाती हैं। सलाद, स्मूदी और बेक्ड फूड में भी इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि अलसी का सेवन सीमित मात्रा में करने की ही सलाह दी जाती है। गर्भवती महिलाओं को इनका बहुत सीमित सेवन करना चाहिए या डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

इसके बीजों को चबाकर या पीसकर खाया जा सकता है। अलसी के छोटे-छोटे बीजों में सेहत के बड़े-बड़े राज छुपे हुए हैं। भूरे रंग के छोटे-छोटे चपटे बीज हृदय रोगों से बचाने की अद्भुत क्षमता रखते हैं। इसके सेवन से दिल की धमनियों में जमा कोलेस्ट्रॉल कम होने लगता है और रक्त का प्रवाह बेहतर होता है। यह रक्त के प्रवाह को बेहतर करता है, जिससे थक्का बनने की संभावनाएं कम रहती हैं। जाड़े के मौसम में शारीरिक गतिविधियों का कम हो जाना दिल की सेहत के लिए नुकसानदायक है। सुंदर और युवा दिखना हर किसी का सपना होता है। अलसी के बीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोकेमिकल त्वचा की झुरियां को नियंत्रित करते हैं और इसको कसाव प्रदान करते हैं। प्राचीन रोम और ग्रीक के लोग अलसी का प्रयोग स्वास्थ्य और सौंदर्य वर्धन के लिए किया करते थे।

कहा जाता है कि प्राचीन भारत में राजाओं के लिए अलसी का सेवन अनिवार्य था क्योंकि यह उनकी पाचन शक्ति को मजबूत बनाता था और उन्हें ऊर्जावान बनाए रखता था। हां,अलसी के लड्डू भी बनाए जाते हैं, जो सर्दियों में खूब लोकप्रिय होते हैं। यह स्वरोजगार का भी बेहतरीन माध्यम है, तो राजा की तरह फीलिंग लाने के लिए कीजिए अलसी का प्रयोग जिस रूप में चाहें,उस रूप में।

महिलाओं के स्वास्थ्य का प्राकृतिक संबल ढाक गोंद

पलाश वृक्ष से प्राप्त ढाक गोंद, जिसे कमरकस भी कहा जाता है, आयुर्वेद में वर्षों से उपयोग में लाई जा रही एक अनमोल औषधि है। विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य, शक्ति और सौंदर्य के लिए इसे प्रकृति का भरोसेमंद वरदान माना जाता है।

ऋतु चौधरी
लेखिका

- पलाश के वृक्ष से प्राप्त लाल रंग की गोंद को ढाक गोंद या कमरकस कहा जाता है। यह केवल अपने आकर्षक रंग के कारण ही नहीं, बल्कि अपने बहुआयामी औषधीय गुणों के कारण भी प्राचीन काल से आयुर्वेद में विशेष स्थान रखती है। खासतौर पर महिलाओं के शारीरिक, मानसिक और हार्मोनल संतुलन के लिए इसे प्रकृति का अमूल्य उपहार माना जाता है।
- ढाक गोंद का नियमित सेवन शरीर को भीतर से मजबूती प्रदान करता है। यह कमर, पीठ और जोड़ों के दर्द में राहत देता है तथा लंबे समय से चली आ रही शारीरिक कमजोरी को दूर करने में सहायक होता है। प्रसव के बाद महिलाओं को शक्ति प्रदान करने में भी इसका पारंपरिक रूप से उपयोग किया जाता रहा है। सर्दियों के मौसम में इसे घी, गेहूं के आटे और थोड़ी-सी देशी चीनी के साथ लड्डू या पंजीरी के रूप में तैयार किया जाता है, जिससे शरीर को गर्माहट के साथ भरपूर ऊर्जा भी मिलती है।
- यह गोंद केवल ताकत बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि त्वचा और बालों की सेहत के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इसके सेवन से त्वचा में प्राकृतिक चमक आती है, झुर्रियां देर से पड़ती हैं और उम्र का असर कम दिखाई देता है। वहीं बाल मजबूत, घने और स्वस्थ बनते हैं। इसमें मौजूद प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट शरीर को अंदर से पोषण देकर रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं।

- ढाक गोंद पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में भी मददगार है। हल्के दस्त, पेट दर्द, गैस और अपच जैसी समस्याओं में यह आराम पहुंचाती है। इसी कारण बुजुर्ग इसे कमरकस कहते थे, क्योंकि यह कमर और पीठ की मांसपेशियों को सशक्त बनाती है तथा घुटनों और जोड़ों के दर्द में भी राहत देती है। हड्डियों की मजबूती के लिए भी इसे लाभकारी माना जाता है।
- आज के समय में ढाक गोंद को केवल पारंपरिक मिठाइयों तक सीमित न रखकर, लोग इसे प्राकृतिक हेल्थ टॉनिक के रूप में भी अपना रहे हैं। आयुर्वेदिक चिकित्सक इसे सीमित मात्रा में नियमित रूप से लेने की सलाह देते हैं। इसकी सौम्य मिठास और पोषक तत्व इसे हर आयु वर्ग के लिए उपयोगी बनाते हैं। यदि आप थकान, कमजोरी और दर्द से राहत चाहते हैं तथा त्वचा-बालों की सेहत भी संवारना चाहते हैं, तो ढाक गोंद को अपनी दिनचर्या में शामिल करना एक सुरक्षित, सरल और प्रभावी प्राकृतिक विकल्प हो सकता है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ, फलदायक एवं उपलब्धिप्रद बन रहा है। आपके लिए बड़े बदलाव का कारक भी बन सकता है। सौभाग्य का पूरा साथ मिलने के कारण आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। आपके सभी प्रयास और मेहनत का सकारात्मक नतीजा निकलेगा।

वृष
यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रह सकता है। आपको घर और बाहर दोनों जगह अपने काम को बड़ी सावधानी के साथ करने की आवश्यकता बनी रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहें और किसी के साथ उलझने की बजाय अपने लक्ष्य पर फोकस करना उचित रहेगा।

मिथुन
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। सप्ताह की शुरुआत में आपको जीवन से जुड़ी कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों से गुजरना पड़ सकता है। इस दौरान आपके सोचे हुए कार्यों में अनेकों प्रकार की बाधाएं आ सकती हैं। आत्मीय लोगों से अपेक्षित मदद न मिल पाने के कारण मन खिन्न रहेगा।

कर्क
यह सप्ताह थोड़ी आपाधापी भरा रहने वाला है। इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में सफलता और उसे समय पर पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करना होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको रोजी-रोजगार में अचानक से आई कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आप अपने कामकाज में अनकूलता पाएंगे। घर और बाहर दोनों जगह आपको लोगों से भरपूर स्नेह, सहयोग और समर्थन मिलेगा। बीते कुछ समय से जो आपके भीतर आलस्य अथवा शारीरिक थकान बनी हुई थी वो इस सप्ताह दूर होगी। सभी कार्य मनचाहे तरीके से पूरे होने पर आपके भीतर सकारात्मक सोच बढ़ेगी।

कन्या
यह सप्ताह सभी अधूरे कार्यों को पूरा करने तथा मनचाहा लाभ दिलाने वाला साबित होगा। सप्ताह की शुरुआत में आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। इस हफ्ते नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप पर सीनियर की पूरी कृपा बरसेगी और उनके साथ आपके साथ संबंध बेहतर बने रहेंगे।

तुला
यह सप्ताह पूरी तरह से शुभता और सफलता लिए हुए है। इस सप्ताह आपको अपने कार्य में मनचाही सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी।

वृश्चिक
इस सप्ताह आलस्य और अभिमान से बचते हुए हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए अन्यथा बाद में उन्हें पछतावा करना पड़ सकता है। यदि आप विदेश में करियर-कारोबार के लिए प्रयासरत हैं, तो आपको उससे जुड़ी मनचाही सफलता पाने के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है।

धनु
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को साथ लिए हुए है। आपके द्वारा करियर-कारोबार अथवा किसी कार्य विशेष के लिए किया गया प्रयास सफल साबित होगा। सप्ताह की शुरुआत से आपको कारोबार में खासा लाभ मिलता हुआ नजर आएगा। वित्तीय दृष्टि से पूरा सप्ताह ही आपके लिए अनुकूल फलप्रद रहना चाहिए।

मकर
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। आपकी किस्मत के सितारे चमकते हुए नजर आएंगे। आप जिस क्षेत्र में भी प्रयास और परिश्रम करेंगे आपको उस क्षेत्र में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। करियर-कारोबार की दृष्टि से अनुकूलता बनी रहेगी। यदि आप बेरोजगार हैं, तो आपको इस सप्ताह कोई अच्छा अवसर प्राप्त हो सकता है।

कुंभ
यह सप्ताह बीते हफ्ते के मुकाबले कहीं ज्यादा शुभता और लाभ लिए हुए है। इस सप्ताह आपको सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में कुछेक घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन चिंतित रह सकता है, लेकिन आप अपनी बुद्धि और विवेक से उन समस्याओं का समाधान अंततः खोजने में कामयाब हो जाएंगे।

मीन
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। यदि आप बीते कुछ समय से किन्हीं कारणों के चलते अपने लक्ष्य से भटक गये थे, तो इस सप्ताह आप एक बार फिर पूरे मनोयोग से उसे हासिल करने का प्रयास करते हुए नजर आएंगे। खास बात ये कि ऐसा करते समय आपको अपने शुभचिंतकों का पूरा सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 43

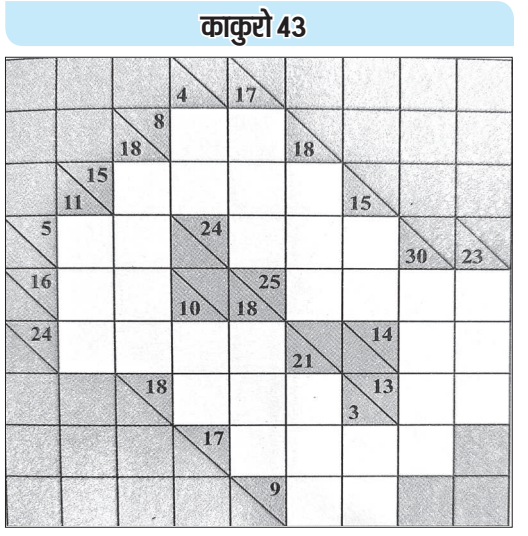

काकुरो 42 का हल

		39	10					
	7	6	1	35			41	23
	17/32	3	9	5	24	16	7	9
15	7	8	7	6	1	3	2	1
3	2	1	9	7	2	17	9	8
14	9	5	15	8	7	8	6	2
17	8	9	14	9	5	7/15	4	3
13	6	7		23	9	6	8	
					14	9	2	

कहानी

वैर वृक्ष

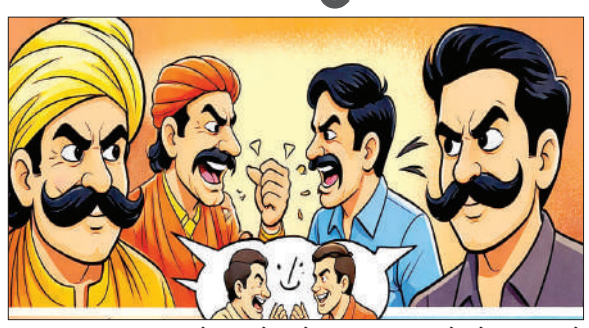

श्रीनारायण अपनी मूंछों के कारण पूरे इलाके में मूंछ वाले महाराज के नाम से विख्यात थे। उनका वास्तविक नाम उनके पैतृक गांव दिबियापुर में भी कम लोग ही जानते थे। उच्च जाति के कुलीन परिवार में जन्म लेने के साथ ही आर्थिक संपन्नता के कारण भी समाज में उनका बहुत आदर था। इन्हीं सब कारणों से उन्हें स्वयं पर घमंड भी बहुत था। उनके पड़ोसी ओम प्रकाश भी उच्च जाति के कुलीन परिवार से थे। उनके बड़े पुत्र अनंत प्रकाश ने जब यौवन की देहरी पर कदम रखा, तो उन्हें भी बड़ी मूंछ रखने का शौक लगा। अब जो लोग अनंत प्रकाश के प्रति आदर का भाव रखते थे, वह उन्हें भी श्रीनारायण की भांति ही मूंछ वाले महाराज कहकर बुलाने लगे। यह बात श्रीनारायण को बहुत बुरी लगी। उन्होंने एक दिन अनंत प्रकाश को बुलाकर कहा-" तुम जानते हो कि पूरे इलाके में लोग मुझे मूंछ वाले महाराज के नाम से जानते हैं। तुम्हारे मूंछ रख लेने से अब मूंछ वाले महाराज संबोधन से लोगों को भ्रम होने लगा है, इसलिए तुम अपनी मूंछ छोटी करा लो।"

अनंत प्रकाश पर तो यौवन का जोश हावी था। उसे श्रीनारायण की यह बात बहुत बुरी लगी। वह बोला-"यह तो कोई बात नहीं हुई चाचा। भगवान ने हर व्यक्ति के चेहरे पर बाल उगाकर उसे मूंछ रखने या न रखने का विकल्प दिया है। इसलिए मूंछ तो कोई भी रख सकता है। यह तो व्यक्ति की अपनी पसंद की बात है कि वह मूंछ छोटी रखे, बड़ी रखे या न रखे। इसमें आपको दखल नहीं देना चाहिए।" "देखो अनंत, तुम हमारे घर के बच्चे हो, इसलिए तुम्हें समझा रहा हूं। तुम्हारी जगह कोई दूसरा होता तो न जाने अब तक क्या हो जाता।"- श्रीनारायण ने भृकुटी टेढ़ी करके कहा। "तो जो होना हो सो हो जाए चाचा मगर यह मूंछ तो अब बढ़ेगी ही, कम नहीं होगी।"- यह कहकर अनंत प्रकाश चल दिया। उनके इस बर्ताव पर श्रीनारायण ने दांत पीसकर कहा- "अच्छा।" और फिर अगले दिन बाजार में श्रीनारायण के गुर्गों ने उनके आदेश पर दिन दहाड़े बाजार में अनंत प्रकाश को घेरकर उनकी मूंछें मूड़ दीं। मूंछ मुंडन की इस प्रक्रिया में हाथापाई भी हुई, जिसमें अनंत प्रकाश चोटिल हो गए। तन-मन से घायल अनंत प्रकाश जब अपने घर पहुंचे, तो उनकी मूंछें सफाचट देखकर उनके पिता ओम प्रकाश को बहुत क्रोध आया। उन्होंने दांत पीसते हुए अपने पुत्र से पूछा- "अनंत प्रकाश तुम्हारा बाप कब मर गया?" "बापू, श्रीनारायण चाचा के इशारे पर उनके गुंडों ने मुझे दबोच लिया और जबरदस्ती मेरी मूंछें मूड़ दीं।"- अनंत प्रकाश ने सिर झुकाकर उत्तर दिया। "अच्छा। अभी पूछता हूं उससे।"- कहकर वह श्रीनारायण के दरवाजे पर गए और उन्हें आवाज दी। श्रीनारायण के सामने आते ही ओम प्रकाश ने क्रोधित स्वर में पूछा- "तुमने अनंत प्रकाश की मूंछें क्यों मुड़वा दीं श्रीनारायण?" "हमने तो दद्दू अनंत प्रकाश को बहुत प्रेम से समझाया था कि दिबियापुर में मूंछ वाले महाराज, तो एक ही रहेंगे मगर उसने हमारी बात मानी ही नहीं।"- श्रीनारायण ने गर्व से कहा। "अच्छा। तो फिर श्रीनारायण इस बात को तुम भी याद रखना कि दिबियापुर में मूंछ वाले महाराज एक ही रहेंगे।"- यह कहकर ओम प्रकाश वापस लौट आए और फिर चौथे दिन श्रीनारायण की लाश गन्ने के खेत में पड़ी देखी गई। श्रीनारायण के भाई राम नारायण ने ओम प्रकाश, उनके पुत्र अनंत प्रकाश और ज्ञान प्रकाश के विरुद्ध श्रीनारायण की हत्या करने की नामजद रिपोर्ट लिखाई। ओम प्रकाश और उनके पुत्र सात माह जेल में निरुद्ध रहने के बाद उच्च न्यायालय से जमानत पर छूटे। उनके दिबियापुर लौटने के अट्ठारहवें दिन श्रीनारायण के बेटे हरिनारायण ने ज्ञान प्रकाश को गोली मारी दी। फिर तो हत्या और मुकदमों का ऐसा सिलसिला चला कि कि ओम प्रकाश के दोनों बेटे और श्रीनारायण का पुत्र और दोनों भतीजे इस शत्रुता की भेंट चढ़ गए। उन दोनों परिवारों में केवल दो बूढ़े राम नारायण और ओम प्रकाश ही बचे। यही नहीं, इन दोनों की आधी से अधिक संपत्ति भी हत्या के मुकदमे लड़ने में बिक गई। अब दोनों बूढ़े अपने अपने पौत्रों का पालन इस आशा से कर रहे थे कि वे बड़े होकर न केवल अपने पूर्वजों की हत्या का बदला लेंगे, मूंछ वाले महाराज के रूप में गांव-जवार में ख्याति भी अर्जित करेंगे। इन दोनों परिवारों के बच्चे राधेश्याम इंटरमीडिएट कालेज दिबियापुर में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। उन सबको घर के बड़े बुजुर्गों का आदेश था कि वे एक दूसरे से दूर ही रहें और हत्यारों के बच्चों से बात न करें। इस कारण वे लोग एक-दूसरे से दूर दूर ही रहते स्व. ज्ञान प्रकाश की बेटी सुमित्रा और स्व. हरि नारायण की बेटी आकांक्षा दोनों ही इंटरमीडिएट की छात्रा थीं। उनका परीक्षा केंद्र दिबियापुर से तीस किलोमीटर दूर गांधी विद्यालय, रावतपुर में पड़ा। एक दिन ज्ञान प्रकाश की बेटी सुमित्रा परीक्षा देकर जब पैदल ही बस स्टैंड की ओर जा रही थी, तो कुछ गुंडे उसे छेड़ने लगे। उसी समय हरिनारायण का बेटा अभिजीत अपनी बहन आकांक्षा को परीक्षा केंद्र से लेकर मोटरसाइकिल से दिबियापुर जा रहा था। उसने सुमित्रा को गुंडों से घिरा देखा तो मोटर साइकिल धीमी करके उन गुंडों को ललकारा। इसके प्रत्युत्तर में वे गुंडे अभिजीत पर टूट पड़े। मगर अभिजीत ने उनका डटकर मुकाबला किया और भीड़ इकट्ठा हो जाने पर गुंडे घबरा कर भाग खड़े हुए। इस बीच सुमित्रा तेजी से वहां से दूर निकल गई थी।

डॉ. मृदुल शर्मा
वरिष्ठ लेखक

घर पहुंचने पर जब अभिजीत के घरवालों ने उसके शरीर पर चोटें देखीं तो पूछा कि कैसे चोट लगी है। अभिजीत ने बताया कि कुछ गुंडे एक लड़की को छेड़ रहे थे, उसी को बचाने में चोट लग गई। मगर आकांक्षा ने अपनी मां को बता दिया कि रावतपुर में सुमित्रा को कुछ गुंडे छेड़ रहे थे, उसी को बचाने में भइया के चोटें लगी हैं। यह बात जब राम नारायण के कानों तक पहुंची तो वह अभिजीत पर बहुत क्रुद्ध हुए और उससे पूछा - "तुझे क्या जरूरत पड़ी थी अपने बाप के हत्यारे की बेटी को बचाने की?"

इस पर अभिजीत ने संतुलित उत्तर दिया- "बाबा, मैंने तो यह देखकर मोटरसाइकिल रोकी थी कि एक लड़की को सड़क पर कुछ गुंडे परेशान कर रहे हैं। अतः उसकी सहायता करनी चाहिए। सुमित्रा का चेहरा तो मैंने वहां रुकने पर देखा। फिर मेरे पिता की हत्या में सुमित्रा तो किसी प्रकार दोषी नहीं है। वहां पर प्रश्न एक असहाय लड़की का था और वह भी अपने गांव की ही लड़की की अस्मिता का था।" "अच्छा... अच्छा। ज्यादा ज्ञान मत झाड़। यह समझ लें कि मेरे ही खून ने आज मेरे घाव कुरेद कर उन पर नमक छिड़क दिया है। अब आगे से इन लोगों से दूर ही रहना, वर्ना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा।"- राम नारायण ने दांत पीसकर कहा।

सुमित्रा ने जब अपने घर में रावतपुर में गुंडों द्वारा अभद्रता करने और अभिजीत के उन गुंडों से भिड़ जाने की बात बताई तो ओम प्रकाश ने अपने पौत्र तेजस्वी से कहा-"कल से तुम सुमित्रा के साथ रावतपुर जाना। उसका अकेले वहां जाना ठीक नहीं है।" इसके बाद अवसर देखकर उन्होंने सुमित्रा की मां से कहा- "बहू! जरा सुमित्रा पर निगाह रखना और पता करना कि अभिजीत से इसकी बातचीत या मिलना जुलना तो नहीं होता है।" अगले दिन से तेजस्वी मोटरसाइकिल से सुमित्रा को और अभिजीत आकांक्षा को परीक्षा केंद्र लाने-ले जाने लगे। अभिजीत और तेजस्वी दोनों हम उम्र युवक थे और स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करने के बाद सरकारी नौकरी की चाह में प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे थे। दोनों ने ही आईपीएस की परीक्षा हेतु फार्म भरा था और प्राथमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो गए थे। तेजस्वी नियत तिथि पर आईपीएस की परीक्षा देने हेतु जब मोटरसाइकिल से रावतपुर जा रहा था, तो रास्ते में अभिजीत अपनी मोटरसाइकिल को घसीटकर ले जाते हुए मिला। उसकी मोटरसाइकिल का अगला टायर पंचर हो गया था। तेजस्वी ने अपनी मोटरसाइकिल रोक कर अभिजीत से कहा- "तुम अपनी मोटरसाइकिल पर बैठ जाओ, मैं पीछे से धक्का लगाकर ले चलता हूं। आगे पहाड़पुर में मोटरसाइकिल खड़ी करके मेरे साथ रावतपुर चलो। लौटने पर अपनी मोटरसाइकिल ठीक करा लेना।" अभिजीत ने घड़ी देखी। परीक्षा प्रारंभ होने में चालीस मिनट ही शेष थे। अतः उसे न चाहते हुए भी तेजस्वी का प्रस्ताव स्वीकार करना पड़ा। आईपीएस की लिखित परीक्षा का परिणाम आया तो उसमें तेजस्वी अनुत्तीर्ण हो गया था और अभिजीत उत्तीर्ण हो गया था। इसके बाद अभिजीत जब मौखिक परीक्षा में भी उत्तीर्ण हो गया तो सारे इलाके में यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई।

ओम प्रकाश ने जब यह सुना तो उनके दुख का ठिकाना नहीं रहा, जब किसी गांव वाले ने उन्हें बताया कि तेजस्वी की सहायता से ही वह आईपीएस अधिकारी बन सका है। परीक्षा वाले दिन जब उसकी मोटरसाइकिल पंचर हो गई थी तो यदि तेजस्वी अपनी मोटरसाइकिल से उसे रावतपुर न ले जाता तो वह परीक्षा में ही न बैठ पाता, तो ओम प्रकाश के क्रोध का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने अपना आपा खोकर तेजस्वी को खूब बुरी-बुरी गालियां दीं और लाठी लेकर उसे मारने दौड़े। मगर तभी मिठाई का डिब्बा लेकर अभिजीत ने उनके घर में प्रवेश किया और लपककर ओम प्रकाश के पैर छू लिए। उसके बाद अभिजीत ने घर की सभी बुजुर्ग महिलाओं के पैर छूकर उनका आशीर्वाद मांगा।

यह माजरा देखकर ओम प्रकाश और उनकी विधवा बहुएं सब चकरा गईं। उनकी समझ में नहीं आ रहा था कि अभिजीत के इस कृत्य पर क्या प्रतिक्रिया दें। तभी तेजस्वी कहीं से लौट कर घर में घुसा। अभिजीत ने उसे गले से लगा लिया और अपने हाथ से उसे मिठाई खिलाई। तेजस्वी ने उसे बधाई देते हुए कहा- "बाबा को क्यों द्वार पर ही छोड़ आए हो?" तभी राम नारायण ने खांसकर घर में प्रवेश किया और ओम प्रकाश को गले से लगा कर बोले-" तुम्हारे पौत्र के आईपीएस बन जाने की खुशी में आज शाम को पूरे परिवार का निमंत्रण है। जब तक तुम लोग नहीं आओगे तब तक पंगत नहीं बैठेगी।" फिर शाम को जब राम नारायण एक बार फिर हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक ओम प्रकाश के परिवार को बुलाने आए, तो वे लोग संकोच छोड़कर राम नारायण द्वारा आयोजित प्रीति भोज में सम्मिलित हुए। अभिजीत नौकरी पर जाने से पूर्व अपनी सारी किताबें और नोट्स तेजस्वी को दे गया। तेजस्वी ने अपने बाबा की टीस कम करने के लिए जी तोड़ मेहनत की और अगले वर्ष उसका भी आईपीएस अधिकारी के पद पर चयन हो गया। तेजस्वी को मिली सफलता पर अभिजीत अवकाश लेकर उसे बधाई देने दिबियापुर आया और उसके परिवार वालों ने भी तेजस्वी की सफलता पर खुशी व्यक्त की। इस प्रकार तीसरी पीढ़ी के दो पढ़े-लिखे युवकों ने दो पीढ़ियों से फल फूल रहा वैर वृक्ष अपनी समझदारी और सहृदयता से ढहा दिया।

काव्य

मधुऋतु आ गई

मस्ती में झूमे प्रकृति, मन में
हो आनंद।
समझो मधुऋतु आ गई,
लेकर रस - मकरंद।

पीली चुनरी ओढ़कर,
सरसों मन उल्लास।
आएंगे ऋतुराज अब, फलित
आत्मविश्वास।

प्रकृति के नवोन्मेष का, मधु
वासंती पर्व।
मां वाणी अवतरण तिथि, पूजें
भक्त सगर्व।

ज्ञान, कला, संगीत संग, दें
विद्या-वरदान।
मां सरस्वती कीजिए, हम पर
कृपा महान।

सजी-धजी लगती धरा,
स्वच्छ धवल आकाश।
अमृतमय नव ऊर्जा, अंतस
भरे उजास।

नव पत्ते,नव कोंपलें, कलियां
खिली अशेष।
तरु नवजीवन पा गए, प्रकृति
कृपालु विशेष।

फूल खिले, गाएं विहग,
कोकिल छेड़े तान।
ऋतु वसंत का आगमन,
लाया नवल विहान।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

ईश्वरी हे शारदा

ईश्वरी हे शारदा ! तुम
विश्व में संगीत भर दो
रिक्त प्याला है हृदय का
चेतना नवनीत भर दो

सुन सके वीणा तुम्हारी
हर विकल उर गा सके
पथिक जो भटके हुए हैं
पंथ अपना पा सकें
युद्ध- कोलाहल मिटाकर
सकल जग में प्रीत भर दो
ईश्वरी हे शारदा ! तुम
विश्व में संगीत भर दो

पोथियों के तले दुनिया
आज दबती जा रही है
आंख के आगे न जाने
धुंध कैसी छा रही है
सत्य जीवन से चुनें
जीने की ऐसी रीत कर दो
ईश्वरी हे शारदा ! तुम
विश्व में संगीत भर दो

कामनाएं शाप-सी क्यों
आज बनती जा रही हैं
सुखों की चाहें न रुकती
अथक दौड़ी जा रही हैं
सुखों में संतोष घोलो
जोड़ करके मीत कर दो
ईश्वरी हे शारदा ! तुम
विश्व में संगीत भर दो
रिक्त प्याला है हृदय का
चेतना नवनीत भर दो।

अंजना वर्मा
बेंगलुरु

कुछ कीमत लगानी

गम के साए में लिपटी शाम
को हसीं कहना बेमानी है,
बैठो कभी फुरसत में तुम्हें
इसकी खामोशी सुनानी है।

ना वो खुशबू रही गुलों में अब
तुम्हारे बगैर,
ना दरिया में ही अब वो पहले
जैसी रवानी है।

जिसका अक्स देखता रहता
हूं मोबाइल स्क्रीन पर,
किसी रोज तुम्हें तुम्हारी वही
तस्वीर दिखानी है।

घर में घुसते ही दीवारो-दर
तक पूछते हैं मुझसे,
कहां गया वो शख्स, जिसकी
बिखरी यहां निशानी है।

लोग समझते हैं कि मैं इक
किस्सा था जो खत्म हुआ,
पर तुम्हें मालूम है कि मेरे
अंदर अब भी इक कहानी है।

एक बार फिर से हसरतों के
बाजार में जाऊंगा अभी
अभी कुछ ख्वाब खरीदने हैं
कुछ की कीमत लगानी है।

बृजलाल तिवारी
गोंडा

लघुकथा

कौड़ी की कीमत

फोन की घंटी घनघना उठी। स्क्रीन पर किसी उर्वशी का नाम था। सोचा- 'कौन होगी?' कुछ देर असमंजस में रहा, फिर फोन रिसीव कर कहा- "हेलो!" "पवित्र बोल रहे हो?" आवाज आई। "हां, तुम कौन?" "भूल गए?" "कुछ याद नहीं पड़ रहा, तुम्हीं बतला दो।" "तुम्हारे कॉलेज के समय की हीरोइन, जिसे तुम बहुत चाहते थे उर्वशी, याद आया?"

"ओह! उर्वशी तुम इतने सालों बाद आज अचानक? मेरा नंबर कहां से मिला तुम्हें?" "कॉलेज में हमारे साथ थी न, उमा त्यागी, आजकल पहुंची हुई कवियत्री है। एक गोष्ठी में उनसे मुलाकात हो गई। तुम्हारी बातें चली तो नंबर मिल गया। आज सुकून से बात करने बैठी हूं। तुम्हारे पास समय का अभाव तो नहीं है ना?" "नहीं-नहीं, मुझे तो खुशी हो रही है कि तुमसे बात कर रहा हूं।"

"हां, प्यार तो परवान चढ़ न सका, अब बातों से ही दिल बहला लें, कुछ और जरिया तो है नहीं।" "तुम छोड़कर गईं, तो दिल में मलाल था। लंबे अर्से तक दिल की गहराई में तुम्हें बैठे हुए महसूस करता रहा। तुम शाहिद के साथ निकाह कर चली गई थी, लेकिन तुमने ऐसा किया क्यों? मुझे बीच मझधार में छोड़कर यूं चले जाना मुझे बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगा था?" "वह मेरी भूल थी। मैंने तुम्हारे समर्पण और प्रीत को समझा ही नहीं था। उसके झांसे में ऐसी आई कि पूरी कायनात में वही एक दिखता था।" "अब कहो, वही प्रीत अब भी बची है या नहीं?"

"किससे, तुमसे या शाहिद से?" "शाहिद से, मुझसे तो तुमने प्रीत की ही कब थी, जो बची रहती?" "कहा न-मेरी भूल थी वह। सब्जबाग ऐसे दिखाए कि कुछ समझ ही नहीं सकी।" वह बिसुरने लगी। "क्या हुआ....लगा कि तुम रो रही हो! कानो ने बिसुरने की आवाज सुनी है।" "तुम्हारे कानों ने सही सुना है।" "क्यों, जिसके लिए छोड़कर गई थी, उसने तुम्हारे प्यार को बिसरा दिया क्या?" एक टीस और सिसकन बह चली थी। कांपती-सी आवाज में उसने कहा-"धोखेबाज था वह, मुझसे निकाह करना साजिश थी,एक जिहाद था। आंखें जब खुली तब तक वह तलाक दे चुका था।" "तलाक...!" "हां तलाक...और फिर नदीम ने, उसी के नक्शे कदम पर चलते हुए फिर से मुझे फुसला लिया। मेरा घर-बार, नाते-रिश्ते, धर्म-संस्कृति सब तो छूट ही गए थे। उसी का फायदा उठाकर वे मुझे इस्तेमाल करते रहे। फिर 'बोली' लगने का सिलसिला शुरू हुआ।" "मतलब...?" "तुम्हें मेरी देह चाहिए, तो बोली लगानी पड़ेगी और कौड़ियों के भाव मुझे खरीदा जा सकता है। मेरी कीमत ज्यादा नहीं है।"

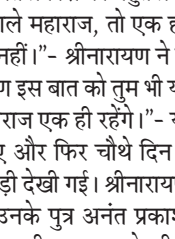

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

अपाहिज

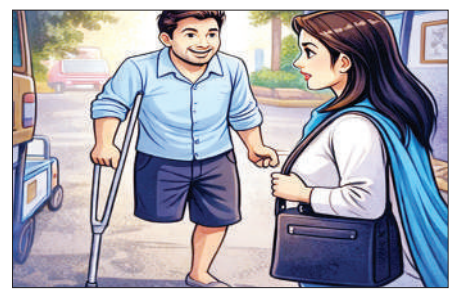

डॉ. विनीता एक गांव में लगने वाली विकलांग शिविर के लिए घर से निकली थी। वह हड़बड़ी में बस स्टॉप के तरफ भागी जा रही थी। तभी एक पैर से विकलांग नौजवान सामने आ खड़ा हुआ। " मैडम! मैडम।" वह कुछ आगे बोलता उसके पहले ही विनीता गुस्से में तिलमिलाती उठी, "तुम सबकी यही सबसे बड़ी विडंबना हैं। स्त्री देखें नहीं की बहाने ढूंढ़कर टकरा गए। न जाने कौन सा सुख मिल जाता है तुम सब को।" "अरे मैम! देखकर तो चलिए। आगे नो एंट्री की बोर्ड लगी है।" एक स्माइल देते हुए वह नौजवान आगे बढ़ गया। विनीता को अपाहिज का यूं मुस्कुराना जरा भी अच्छा नहीं लगा। बस में बैठते ही सोचने लगी, "काश! अपनी गाड़ी से आई रहती तो मूड खराब नहीं होता। सुबह- सुबह न जाने किस अपाहिज से मुलाकात हो गई।"

रानी प्रियंका वल्लरी
लेखिका

"टिकट! मैडम टिकट!" आवाज सुनते ही डॉ. विनीता की तंद्रा भंग हो गई। जैसे ही नजर ऊपर की फिर से वही अपाहिज सामने खड़ा था। "मैडम जरा जल्दी कीजिए! मुझे आपको आपके मंजिल तक पहुंचाने हैं। हमारा कंडक्टर आज डबल दिहाड़ी पर कहीं और कमाने गया हैं, उसको अपने पत्नी को डॉ. बनाना हैं और मुझे उसके पत्नी को उसके मंजिल तक पहुंचाने में मदद करनी हैं।" डॉ. विनीता सन्न थी। सोच में डूब गई, "अपाहिज कौन मैं या ये कंडक्टर?

समीक्षा

संबंधों का गठजोड़

"प्रेम-विवाह में प्रेम मोमबत्ती की तरह होता है। जितनी जल्दी जलता है, उतनी जल्दी गलता भी है, जबकि संस्थानिक विवाह में प्रेम किसी अगरबत्ती की तरह होता है, जिसमें प्रेम की आग कुछ देर से लगती है और देर तक बनी रहती है!"

पुस्तक का शीर्षक है, 'साज-बाज'। लेखिका हैं-प्रियंका ओम। इनके नाम से काफी लोग परिचित होंगे। साज-बाज अरबी भाषा का एक शब्द है, जिसका अर्थ है-गठजोड़। लेखिका ने इस उपन्यास में यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि वैवाहिक संबंधों की गाड़ी बिना गठजोड़ के नहीं चलती है। यह उन लोगों की कहानी है, जिन्होंने अहम के ऊपर प्रेम को चुना। उपन्यास को कई अध्यायों में बांटा गया है। इन अध्यायों के शीर्षक बहुत ही रोचक है। पहला शीर्षक है-आत्महत्या की हत्या। इस शीर्षक को देखने से ही लेखिका की साहित्यिक रुचि का पता चल जाता है। इसके अलावा अन्य अध्याय हैं-गैर जरूरी कहानी, प्यार-बेकार बेकाम की चीज है, शादी-बर्बादी, बैक-फॉरवर्ड, तुम बिन दूजा ठौर नहीं, प्रेम रोग हो गया, तेरे बिन जिया लागे न, विद्रूप किस्सागोई, न भेजी गई चिट्ठियां, सितारों का मिलन। अलग-अलग अध्यायों में अलग-अलग किस्से समेटे गए हैं, जिनके शीर्षक उनके साथ पूरा न्याय करते हैं। साज-बाज कहानी को सजाने के लिए बहुत सारी चीजों का इस्तेमाल किया गया है, जैसे कि सटीक शेर और शायरी का प्रयोग जगह-जगह किया गया है। काफ्का के द्वारा प्रेम की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है। 'द सेकंड सेक्स' पुस्तक की लेखिका 'सिमोन द बोउवार' का भी जिक्र है। इसके अलावा इसमें तंजानिया और अफ्रीका के लोगों के बारे में बताया गया है, वह किस प्रकार का जीवन बिताते हैं, किस प्रकार उनका खान-पान है, पराए देश को कहानी के एक हिस्से की पृष्ठभूमि में सजाया गया है। देविका की मृत मां को कथावाचक के रूप में इस्तेमाल किया गया है, जो पूरी कहानी कहती है, लेकिन बीच-बीच में उनका विलोप हो जाता है और कहानी लेखिका की दृष्टि से चलने लगती है। प्रियंका ओम किस्सागोई में माहिर हैं, इसमें संदेह नहीं। एक बानगी देखिए, देविका की मां के शब्दों में-"मेरी तीनों बेटियां भी चाभी के गुच्छे की तरह जुड़ी रहती हैं, मेरे बनाए एक अदृश्य छल्ले से झूलते हुए हमेशा एक-दूसरे के साथ। हालांकि तीनों के सांचे भिन्न हैं, तीनों की काट अलग है, तीनों जुदा दुनिया के किवाड़ खोलते हैं, अनु आज उस किवाड़ की चौखट पर खड़ी है, चाभियां उसके पल्लू से कस दी गई हैं।" साज-बाज को पढ़ते हुए यह स्पष्ट हो जाता है कि लेखिका के पास एक विशाल साहित्यिक शब्दावली है, जिसका उन्होंने बहुत ही बेहतरीन तरीके से इस्तेमाल किया है।

पुस्तक : साज - बाज
लेखिका : प्रियंका ओम
प्रकाशन : शिवना प्रकाशन
मूल्य : 275 रुपए
समीक्षक : ट्विंकल तोमर सिंह

व्यंग्य

साहित्यकार का वार्षिक लेखा-जोखा

वर्ष 2025 में सोशल मीडिया पर साहित्यिक गतिविधियों का लेखा-जोखा। सोशल मीडिया के साहित्यकारों के लिए यह साल अन्य वर्षों की तरह ही सामान्य रहा-न छपने का गम कम हुआ, न प्रकाशित होने की खुशी पर विराम लगा। इस वर्ष भी फेसबुक की गलियों में अपनी रचनाएं पढ़वाने और बदले में बधाइयां बटोरने की होड़ पूरे शबाब पर रही। अस्तित्व बचाए रखने की जद्दोजहद में कई साहित्यकारों ने पिछले वर्षों की रचनाओं को दोबारा शेयर कर यह साबित करने का भरसक प्रयास किया कि वे अब भी 'साहित्यिक रूप से जीवित' हैं। फेसबुक ने याद दिलाया कि आप पिछले साल फलां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, तो उसे साहित्यिक जीवंतता का प्रमाणपत्र मानकर पूर्व पोस्ट या कटिंग को फिर से गर्वपूर्वक साझा भी किया गया।

कुछ साहित्यकारों ने ई-मैगजीन में छपने की घोषणा ऐसे की, मानो किसी अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में स्थान मिल गया हो, जबकि जो कहीं छप न सके, उन्होंने अपनी रचनाएं फेसबुक पर प्रसारित कर आत्मिक साहित्यिक संतोष प्राप्त किया।

कुछ धुरंधर रचनाकारों ने पत्र-पत्रिकाओं से प्राप्त रचना-स्वीकृति की सूचना को भी सनसनीखेज ब्रेकिंग न्यूज की तरह परोसा। टैग-मेनिया से ग्रसित विद्वान लेखक इस वर्ष भी फेसबुकिया मित्रों को भूला नहीं पाए और अपनी प्रत्येक रचना के साथ उन्हें टैगकर साहित्य धर्म और बौद्धिक कर्तव्य का संयुक्त निर्वाह करते रहे। छपने के मोह में कुछ अति-उत्साही सरस्वती-संतानों की रचनाएं मैसेंजर और व्हाट्सऐप के माध्यम से संपादकों तक उसी तरह पहुंचाती रही, जैसे 'डंकी रूट' से अमेरिका पहुंचने का स्वप्न देखने वाले यात्रियों का कारवां। एक ही रचना को अलग-अलग शीर्षकों से अलग-अलग पत्रिकाओं में प्रकाशित करवाने की तकनीक इस वर्ष भी सफल रही।

कुछ तो बाकायदा चित्रगुप्त बन बैठे-हर महीने अपने प्रकाशन-वृत्तांत का कोलाज तैयार कर गर्व से पोस्ट करते रहे। विगत वर्षों की भांति इस साल भी छपने पर प्रकाशक-संपादक का यशोगान और न छपने पर भाई-भतीजावाद का आरोप-दोनों मोर्चों का संचालन पूरे समर्पण के साथ किया गया।

वर्ष 2025 को सोशल मीडिया के साहित्यिक कैलेंडर में 'कार्यशाला महोत्सव वर्ष' के रूप में दर्ज होना चाहिए। ऑनलाइन साहित्यिक कार्यशालाओं की ऐसी धूम रहीं कि लगा मानो ज्ञान का टैंकर सीधे न्यूजफीड में ही पार्क कर दिया गया हो। हर दूसरे दिन एडमिन महोदय और मठाधीशगण ठीक वैसे ही ऑनलाइन काव्य प्रतियोगिता का आयोजन करते दिखें जैसे मुहल्ले में मंगलवार और शनिवार को भजन-कीर्तन होते हैं। प्रतिभागियों को दिया जाने वाला डिजिटल सहभागिता प्रमाणपत्र भी प्रसाद की तरह निर्बाध वितरित होता रहा। प्राप्त ई-प्रमाण पत्र को गर्व से दिखाने की परंपरा भी बखूबी निभाई गई। कनिष्ठ, वरिष्ठ और अति-गरिष्ठ साहित्यकारों में "लिखास, छपास और दिखास" की साधना नए शिखर पर पहुंची। संपादक महोदय की असीम कृपा से कुछ लेखक वरिष्ठ साहित्यकार के दर्जे में अपग्रेड हुए, तो कुछ शीर्षक मात्र से ही व्यंग्यकार घोषित कर दिए गए। कौन क्या लिख रहा है? इससे फर्क कम पड़ता है, कितने ग्रुप में साझाकर रहा है, यही असली उपलब्धि मानी गई।

पुस्तक प्रकाशित होने वाले लेखकों के अतिरिक्त, हाथों में श्रीफल, प्रशस्ति-पत्र और बदन पर शाल ओढ़े सम्मानित साहित्यकारों ने झोलाभर शुभकामनाएं और बधाइयां बटोरीं। साहित्यकारों के जन्मदिन पर मुबारकबाद और पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि विनिमय का दौर पूरे वर्ष चलता रहा। कुल मिलाकर वर्ष 2025 में भी सोशल मीडिया के साहित्यकारों का जलवा कायम रहा-कुछ डोनाल्ड ट्रंप जैसी लोकप्रियता, तो कुछ रहमान डकैत जैसी चर्चित शैली के साथ। बस फर्क इतना था कि यहां टैरिफ और टेरर की जगह डाटा और की-पैड थे और उपस्थिति भी नियमित दर्ज होती रही, हमेशा की तरह फेसबुक पर, वो भी ऑनलाइन।

विनोद कुमार विक्की
व्यंग्यकार

आधे आकाश की पूरी उड़ान

स्त्री का जीवन केवल जिम्मेदारियों की परिधि में सिमटा हुआ नहीं होता, उसके भीतर भी आकांक्षाओं, सपनों और आत्मसम्मान का एक आकाश होता है, लेकिन भारतीय समाज में आज भी असंख्य महिलाएं घर-परिवार की अपेक्षाओं के बोझ तले अपने सपनों को मौन रूप से त्याग देती हैं। आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल कमाई नहीं, बल्कि अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की स्वतंत्रता है। यह लेख एक साधारण स्त्री के अनुभव से शुरू होकर उस व्यापक सामाजिक सच्चाई को उजागर करता है, जहां स्त्री की स्वतंत्रता आज भी संघर्ष का विषय बनी हुई है।

डॉ. अर्चना श्रीवास्तव
चिकित्सक, लखनऊ

सूरज की पहली किरण रसोई की खिड़की से भीतर आई, तो अनन्या ने आटे से सने हाथों से घड़ी की ओर देखा। सुबह के पांच बज चुके थे। घर अभी सो रहा था, लेकिन उसकी जिंदगी हर दिन इसी समय जाग जाती थी। चूल्हा, बच्चों का टिफिन, सास की दवाइयां और पति की फाइलें, इन सबके बीच कहीं वह स्वयं को भूल चुकी थी। कभी वह भी सपने देखती थी। कॉलेज में पढ़ते समय वह कहती थी, "मैं अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हूं।" लेकिन विवाह के बाद सपनों को कब दफन कर दिया गया, उसे पता ही नहीं चला पर एक दिन पड़ोस की मीरा दी ने उससे कहा, तुम इतनी सुंदर कढ़ाई करती हो, क्यों न इसे काम में बदलो?

अनन्या बस मुस्कुरा के रह गई, क्योंकि वह जानती थी कि अपनी जिंदगी का निर्णय लेने स्वतंत्र नहीं है, उसे तो वही काम करना होता है, जो उसके घर वाले उसे करवाना चाहते हैं। अपना काम करने के लिए उसे अनुमति लेनी पड़ेगी, जो कभी नहीं मिलेगी, जिस राष्ट्र में आधी आबादी से अभी भी यह उम्मीद की जाती है कि वह दूसरों पर निर्भर रहे और हमेशा चुप रहे वह समाज क्या कभी उन्नति कर सकता है?

चुनौतियां

समाज की जड़ में पितृसत्तात्मक सोच, शिक्षा और कौशल की कमी, आर्थिक संसाधनों तक सीमित पहुंच, कार्यस्थल पर असमानता, मानसिक दबाव, सुरक्षा की समस्या और कानूनी जानकारी का अभाव, ये सभी उसके आत्मविश्वास और स्वतंत्रता की राह में बाधा डालते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आत्मनिर्भर महिला को अपवाद नहीं, सामान्य वास्तविकता के रूप में स्वीकार किया जाए, क्योंकि जिस समाज में महिलाएं स्वयं निर्णय लेने में सक्षम होती हैं, वहां पीढ़ियां आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती हैं, जिससे पूरे राष्ट्र का विकास होता है।

शिक्षा: आत्मनिर्भरता का आधार

शिक्षा स्वतंत्र एवं आत्मनिर्भर महिला के निर्माण की पहली और सबसे महत्वपूर्ण सीढ़ी है। शिक्षित महिला अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझती है अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस रखती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन की वाहक बनती है। शिक्षा उसे आत्मनिर्भर बनाती है और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता

आर्थिक आत्मनिर्भरता महिला की शक्ति का महत्वपूर्ण स्तंभ है। जब महिला स्वयं की आय अर्जित करती है, तो वह अपने जीवन से जुड़े निर्णयों में अधिक स्वतंत्र होती है। आर्थिक रूप से सक्षम महिला न केवल अपने परिवार को सहयोग देती है, बल्कि समाज और राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में भी योगदान करती है।

समाज और परिवार की भूमिका

आत्मनिर्भर महिला के निर्माण में समाज और परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बेटा-बेटी में समान अवसर, शिक्षा का समर्थन, सुरक्षित वातावरण और सहयोगी सोच, ये सभी आवश्यक तत्व हैं। जब परिवार महिला के सपनों को सम्मान देता है, तब वह आत्मनिर्भरता की ओर आत्मविश्वास से बढ़ती है।

आत्मनिर्भर महिला केवल आर्थिक रूप से सक्षम स्त्री का पर्याय नहीं है, बल्कि वह स्त्री है, जो विचार, निर्णय, अभिव्यक्ति और आत्मसम्मान चारों स्तरों पर स्वतंत्र होती है। वह अपने जीवन की दिशा स्वयं तय करती है और सामाजिक रूढ़ियों के दबाव में अपने अस्तित्व से समझौता नहीं करती। भारतीय समाज में महिला की भूमिका सदियों से परिवर्तन के दौर से गुजरती रही है। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने यह प्रमाणित किया कि ज्ञान और विमर्श के क्षेत्र में महिला किसी से कम नहीं थी। किंतु समय के साथ सामाजिक संरचनाएं संकीर्ण होती गईं और महिला की स्वतंत्रता सीमित कर दी गई। शिक्षा, संपत्ति और निर्णय लेने के अधिकार पुरुष-प्रधान सोच के अधीन हो गए। इसके बावजूद, महिला ने हर युग में अपने सामर्थ्य को सिद्ध किया है। स्वतंत्रता संग्राम के काल में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने स्वतंत्र महिला की अवधारणा को नई पहचान दी। रानी लक्ष्मीबाई का साहस, सरोजिनी नायडू की वाणी और कस्तूरबा गांधी का त्याग यह दर्शाता है कि महिला केवल सहायक नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता भी हो सकती है। स्वतंत्र भारत में संविधान द्वारा महिलाओं को समान अधिकार प्रदान किए गए, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था।

हरी सब्जियों से पाएं प्राकृतिक निखार

जैसे-जैसे तापमान गिरता है, वैसे-वैसे त्वचा की नमी भी कम होने लगती है। ठंडी हवा और शुष्क वातावरण के कारण त्वचा रूखी, बेजान और थकी-सी दिखाई देने लगती है। केवल क्रीम, लोशन या मॉइस्चराइजर पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होता। यदि त्वचा को सचमुच भीतर से खूबसूरत बनाना है, तो हमें अपनी आंतरिक प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना होगा।

सर्दियों के मौसम में जैसे-जैसे प्रकृति ने सर्दियों में हमें हरी पत्तेदार सब्जियों का अनमोल खजाना दिया है। पालक, मेथी, सरसों, बथुआ, गाजर, खीरा और सलाद जैसी सब्जियां न केवल स्वास्थ्यवर्धक हैं, बल्कि त्वचा और बालों की सुंदरता को भी प्राकृतिक रूप से निखारती हैं। इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को मौसम की मार से बचाते हैं।

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

गाजर: झुर्रियों पर लगाम, त्वचा में कसाव

सर्दियों में मिलने वाली लाल गाजर विटामिन-सी और विटामिन-ए का उत्कृष्ट स्रोत है। यह शरीर में कोलेजन के निर्माण को बढ़ाती है, जिससे त्वचा कोमल, लचीली और चमकदार बनती है।

गाजर को उबालकर ठंडा करें, मसलकर उसकी लुगदी चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद ताजे पानी से धोलें। नियमित प्रयोग से कील-मुहांसे, काले धब्बे और झुर्रियां कम होती हैं तथा चेहरे पर प्राकृतिक आभा आती है।

खीरा : प्राकृतिक टोनर और हाइड्रेशन का स्रोत

- खीरे में पाया जाने वाला "सिलिका" मिनरल त्वचा की रंगत सुधारने में सहायक होता है। यह एक प्राकृतिक टोनर है, विशेष रूप से तैलीय त्वचा के लिए।
- खीरे का रस सीधे चेहरे पर लगाएं या गुलाब जल के साथ मिलाकर प्रयोग करें। इससे त्वचा तरोताजा होती है, रोमछिद्र सिकुड़ते हैं और तैलीयपन कम होता है।
- आंखों के नीचे खीरे का रस या कद्दूकस किया खीरा लगाने से डार्क सर्कल हल्के होते हैं। खीरे का सेवन त्वचा को भीतर से हाइड्रेट रखता है और झुर्रियों व रेडनेस से राहत दिलाता है।

पालक : सेहत और सुंदरता का हरित वरदान

- पालक को सेहत का खजाना यूं ही नहीं कहा जाता। इसमें फाइबर, प्रोटीन, विटामिन ए-सी, के साथ-साथ आयरन, फोलेट और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।
- पालक और दही से बना फेस पैक त्वचा के पिगमेंटेशन को धीरे-धीरे कम करता है और चेहरे पर ताजगी लाता है।
- पालक, बेसन, दूध और शहद से तैयार फेस पैक को सप्ताह में एक बार लगाने से त्वचा कोमल और दमकती है।
- इसके अलावा पालक का जूस, सेब या नाशपाती और नींबू के रस के साथ-चेहरे की झाइयों को कम कर त्वचा को प्राकृतिक निखार देता है।

पत्ता गोभी: जवां त्वचा का रहस्य

पत्ता गोभी फाइबर से भरपूर होती है और वजन तथा कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने में सहायक है। इसमें मौजूद सल्फर और मिनरल त्वचा को लचीला और आकर्षक बनाते हैं।

पत्ता गोभी को उबालकर उसके ठंडे पानी से चेहरा धोने पर त्वचा साफ और तरोताजा रहती है। इसके रस को केले की लुगदी और शहद के साथ मिलाकर बालों पर लगाने से बालों में मजबूती और चमक आती है।

सलाद: सौंदर्य का रोजाना साथी

सर्दियों में कच्चा सलाद भरपूर मात्रा में लेना चाहिए। इसमें मौजूद पोटैशियम, विटामिन ए-सी के और जिंक त्वचा को ऑक्सीजन और पोषण देते हैं। सलाद रक्त संचार को बेहतर बनाता है, जिससे त्वचा दमकती है और बालों का असमय सफेद होना भी रुकता है।

कच्चा सलाद अधिक लाभकारी होता है, क्योंकि पकाने से इसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं।

प्राकृतिक सुंदरता का सरल मंत्र

अगली बार जब भी आप बाजार जाएं, इन हरी और पौष्टिक सब्जियों को अपनी थैली में जरूर शामिल करें। याद रखें- खूबसूरती केवल बाहर से नहीं, भीतर से भी आती है। सही आहार अपनाकर आप सर्दियों में भी स्वस्थ, दमकती और प्राकृतिक रूप से सुंदर दिख सकती हैं।

खाना खजाना

अदरक पाग

सर्दियों में बनने वाला अदरक पाग हमारे घरों की एक पारंपरिक, पौष्टिक और औषधीय रेसिपी है। इसे 'पाग' कहा जाता है, 'पाक' नहीं। गुड़, अदरक, दूध और देसी मसालों से बना यह व्यंजन न केवल शरीर को गर्म रखता है, बल्कि खांसी-जुकाम, जकड़न और कमजोरी में भी बेहद लाभकारी है। एक लड्डू ही काढ़े का काम कर देता है।

अभिलाषा सिंह
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- अदरक - 2 किलो
- दूध - 2 लीटर
- गेहूं का आटा - 1 किलो
- पोस्ता दाना - किलो
- गुड़ - 4 किलो
- पीपर - 50 ग्राम
- काली मिर्च - 50 ग्राम
- अजवायन - 50 ग्राम
- दालचीनी - 50 ग्राम
- गोंद - 50 ग्राम
- लौंग - 50 ग्राम
- काला नमक - 50 ग्राम
- सूखे मेवे (काजू, बादाम, मूंगफली) - आवश्यकतानुसार
- देसी घी- 1 किलो

बनाने की विधि

अदरक छीलकर कद्दूकस करें, फिर पीस लें। इसे देसी घी में धीमी आंच पर भूनें, जब तक पूरा पानी सूख न जाए। पोस्ता दाना भिगोकर फूलने दें, फिर पीसकर अलग से घी में भून लें। गेहूं के आटे को घी में सुर्ख लाल होने तक भूनें।

सभी साबुत मसालों को हल्का भूनकर सूखा पीस लें। दूध से गाढ़ा खोया तैयार करें। अब गुड़ की एक तार की चाशनी बनाएं। चाशनी में पहले अदरक और पोस्ता दाना डालें, फिर मसालों का पाउडर और काला नमक मिलाएं। अब इसमें भुना आटा (पंजीरी) और खोया डालकर लगातार चलाते रहें ताकि गांठें न पड़ें।

अंत में ड्रायफ्रूट्स डालें और मिश्रण उतार लें। हल्का ठंडा होने पर हथेलियों में घी लगाकर लड्डू बांध लें।

सेवन और लाभ

- दिन में 1 लड्डू पर्याप्त।
- खांसी, जुकाम और गले की खराश में उपयोगी।
- शरीर को गर्मी और ऊर्जा देता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए समान रूप से लाभकारी।
- अदरक पाग स्वाद और सेहत का ऐसा मेल है, जो पीढ़ियों से रसोई और रिश्तों को जोड़ता चला आ रहा है।

बच्चों की सुधारें राइटिंग, पढ़ाई में बढ़ाएं सफलता

आज के डिजिटल युग में जहां टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ा है, वहीं अच्छी लिखावट की अहमियत कम नहीं हुई है। खासकर स्कूल के बच्चों के लिए अच्छी लिखावट बहुत जरूरी है। लिखावट का असर बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सीधे पड़ता है। अच्छा लेखन कौशल बच्चों की सीखने और याद रखने की क्षमता को भी बेहतर बनाता है। साथ ही यह बच्चों के आत्मविश्वास और प्रस्तुतिकरण क्षमता को भी मजबूत करता है। साफ और सुंदर लिखावट से शिक्षक को बच्चों के उत्तर आसानी से पढ़ने में मदद मिलती है और ग्रेडिंग भी सही होती है। इसलिए बच्चों को बचपन से ही सही लेखन अभ्यास देना आवश्यक है। आइए जानते हैं कि बच्चों की लिखावट को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है? - *फीचर डेस्क*

मुद्रा

बच्चे की बैठने की मुद्रा और पेंसिल पकड़ने का तरीका लिखावट पर असर डालता है। यदि बच्चा लेटकर या झुककर लिखता है, तो लिखावट बिगड़ती है, इसलिए सही बैठने की आदत डालें।

बच्चे को पेंसिल सही तरीके से पकड़ना सिखाएं। पेंसिल को अंगूठे और तर्जनी के बीच रखें और बीच वाली अंगुली से सहारा दें।

पेंसिल या पेन हल्का होना चाहिए, क्योंकि भारी पेन से नियंत्रण कमजोर हो जाता है।

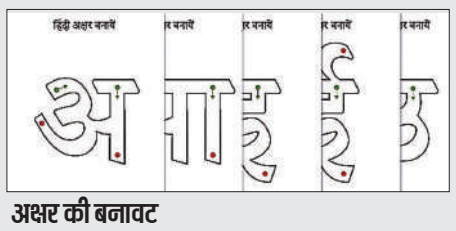

अक्षर की बनावट

अच्छी लिखावट के लिए अक्षरों का आकार सही होना सबसे जरूरी है।

यदि बच्चा बहुत छोटे या बहुत बड़े अक्षर लिखता है, तो लिखावट अस्पष्ट दिखती है। इसलिए बच्चे को सही आकार के अक्षर बनाना सिखाएं।

अंग्रेजी के अक्षर थोड़े घुमावदार होते हैं, इसलिए अक्षरों में घुमाव की तकनीक सिखाना जरूरी है। अक्षरों के बीच उचित दूरी बनाए रखना भी बहुत महत्वपूर्ण है।

स्टेशनरी का सामान

यह सुनिश्चित करें कि बच्चे के पास लिखने के लिए सभी जरूरी स्टेशनरी उपलब्ध हो, जैसे पेंसिल, रबर, कटर और अच्छी गुणवत्ता वाला कागज। बच्चों को लिखावट अभ्यास के लिए अलग कॉपी दें, ताकि आप सुधार को माप सकें।

कागज पर दबाव करें नियंत्रित

- कई बच्चे बहुत अधिक दबाव के साथ लिखते हैं, जिससे अगली पन्नी पर निशान पड़ जाते हैं।
- ज्यादा दबाव से लिखने की गति भी प्रभावित होती है। ऐसे में बच्चे को सही दबाव का अभ्यास कराना चाहिए।
- लिखते समय बच्चे का हाथ पकड़कर उसे दिखाएं कि कितनी दबाव की जरूरत है।
- कई बार तनाव की वजह से भी बच्चे ज्यादा दबाव डालते हैं, इसलिए लेखन के लिए शांत और आरामदायक माहौल बनाएं।

अभ्यास पर जोर

- लिखावट सुधारने के लिए नियमित अभ्यास बहुत जरूरी है।
- बच्चों को रोजाना लिखने का अभ्यास कराएं। कई बार बच्चे लिखते समय बोरियत महसूस करते हैं, इसलिए अभ्यास को रोचक बनाने के लिए इसमें मनोरंजक गतिविधियां जोड़ें।
- बच्चे के प्रयास को सकारात्मक प्रतिक्रिया दें और उसकी तारीफ करें। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह आगे भी अभ्यास जारी रखता है।

लेखन की गति

कुछ बच्चे बहुत तेज लिखते हैं और अक्षर सही आकार में नहीं बनाते, वहीं कुछ बच्चे इतनी धीमी गति से लिखते हैं कि स्कूल का काम पूरा नहीं हो पाता। इसलिए लिखावट के साथ-साथ लेखन की गति पर भी ध्यान दें, जब बच्चा सही आकार और समान अक्षर लिखना सीख जाए, तब धीरे-धीरे उसकी लेखन गति बढ़ाएं। गति के साथ अच्छी लिखावट बच्चे के समय प्रबंधन को भी मजबूत करती है।

न्यूज ब्रीफ

7 अभियुक्त किए गए जिला बदर

कुशीनगर, अमृत विचार : अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) कुशीनगर द्वारा गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 3/4 के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए सात अभियुक्तों को छह माह के लिए जिलाबदर किया गया है। जिलाबदर किए गए अभियुक्तों में समीर खां उर्फ समीर खान उर्फ लड्डन (भुलिया अगरवा, थाना तरयासुजान), भोला यादव (सिसवा अव्वल, थाना तरयासुजान) तथा सूरज गुप्ता (सलेमगढ़ पठानी टोला, थाना तरयासुजान) को देवरिया जनपद के लिए जिलाबदर किया गया है। वहीं सेराज उर्फ तिल्ली, अयाज, कलीम एवं सलीम (थाना कोतवाली पडरौना क्षेत्र) को महाराजगंज जनपद के लिए जिलाबदर किया गया है।

महिलाओं को किया गया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। यूपी स्थापना दिवस के अवसर पर लोहिया कला भवन में लगे प्रदर्शनी में थाना सिद्धार्थनगर मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा स्टाल लगाकर महिलाओं व बच्चियों को जागरूक किया गया। महिला संबंधी अपराध, साइबर अपराध व उससे बचाव के संबंधन में पम्पलेट वितरित किए गए। विभिन्न हेल्प लाइन नम्बरों आदि के बारे में बताया गया। दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, महिला संबंधी मुकदमों में पीड़िताओं की काउंसलिंग की गई। उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के बारे में जानकारी दी गई।

प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा चौपाल आयोजित

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बांसी अन्तर्गत ग्राम पंचायत बड़हरघाट के प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में शिक्षा चौपाल का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन का मूल उद्देश्य निपुण भारत मिशन के निर्धारित लक्ष्यों की समय बध्द प्राप्ति तथा जन समुदाय भागीदारी का बढ़ावा, शिक्षक एवं अभिभावक के बीच समन्वयय स्थापित करना था। इस आयोजन में एआरपी आत्माराम, आशीष त्रिपाठी, ग्राम प्रधान लक्ष्मण यादव, समाजसेवी बद्री विशाल त्रिपाठी, अन्य विद्यालयों के अध्यापकगण और गांव के अभिभावक उपस्थित रहें।

गिरफ्तारी का 'आधार' नहीं लिखने पर पुलिस अधिकारी होंगे निलंबित

हाईकोर्ट ने कहा, औपचारिक रूप से प्रपत्र भर देना कानून का खोखला अनुपालन

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को एक मामले में स्पष्ट किया कि यूपी में यदि कोई पुलिस अधिकारी गिरफ्तारी ज्ञापन में गिरफ्तारी के विशिष्ट और ठोस "आधार" दर्ज करने में विफल रहता है, तो उसे निलंबन के साथ विभागीय कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि केवल औपचारिक रूप से प्रपत्र भर देना कानून का "खोखला अनुपालन" है, जो कर्तव्य की अवहेलना के समान है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने उमंग रस्तोगी और एक अन्य द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को स्वीकार करते हुए पारित किया।

याचियों ने गौतम बुद्ध नगर के सिविल जज द्वारा पारित गिरफ्तारी और रिमांड आदेश को चुनौती दी थी। उनका आरोप था कि गिरफ्तारी अवैध थी, क्योंकि आरोपी को गिरफ्तारी के अनिवार्य आधार लिखित रूप में नहीं दिए गए। मामले में कोर्ट ने माना कि यद्यपि पुलिस ने मानकीकृत गिरफ्तारी ज्ञापन का उपयोग किया, लेकिन गिरफ्तारी के आधार से संबंधित महत्वपूर्ण कॉलम को भरा ही नहीं गया। कोर्ट ने इस संदर्भ में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि उन पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, जो संविधान के अनुच्छेद 22(1) तथा सीआरपीसी की धारा 50 और 50ए (अब बीएनएसएस की धारा 47, 48) का उल्लंघन करते हुए गिरफ्तारी के आधारों का खुलासा नहीं करते। इसी के साथ कोर्ट ने रिमांड आदेश रद्द करते हुए याची को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने इस आदेश की जानकारी पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश को देने का निर्देश दिया।

लिव-इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए खतरनाक : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृत्ति को समाज के लिए खतरनाक बताया है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि विवाह-विच्छेद के बिना साथ रहने के ऐसे संबंध टूटने पर अक्सर एफआईआर दर्ज होती है। चूंकि कानून महिलाओं के पक्ष में बने हैं, इसलिए पुरुषों को उन कानूनों के आधार पर दोषी ठहराया जाता है। जो उस समय बनाए गए थे, जब लिव-इन की अवधारणा अस्तित्व में नहीं थी। कोर्ट ने वर्तमान मामले में माना कि यदि पीड़िता बालिग थी तो पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अपीलकर्ता को दोषी ठहराना भी अनुचित है। आईपीसी की धारा 376 के तहत दोषसिद्धि भी उचित नहीं है, क्योंकि पीड़िता बालिग थी और अपीलकर्ता के साथ छह साल तक उसकी सहमति से संबंध थे। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा-I की खंडपीठ ने विशेष न्यायाधीश (पोक्सो), महाराजगंज द्वारा मार्च 2024 में अपीलकर्ता चंद्रेश को दी गई दोषसिद्धि और आजीवन कारावास को रद्द करते हुए पारित किया। मामले में निचली अदालत ने उसे आईपीसी की धारा 363, 366, 323, पोक्सो अधिनियम की धारा 6 तथा एससी/एसटी अधिनियम की धारा 3(2)(V) के तहत दोषी ठहराया था। हालांकि कोर्ट ने पाया कि पीड़िता बालिग थी। ओसिफिकेशन टेस्ट (जिससे पीड़िता की उम्र लगभग 20 वर्ष सिद्ध होती थी) रिपोर्ट की अनदेखी को गंभीर मामला माना। साक्ष्यों के समुचित मूल्यांकन में निचली अदालत की चूक पाते हुए कोर्ट ने अपीलकर्ता की आपराधिक अपील स्वीकार की, उसे सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया।

- पीड़िता बालिग तो पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अपीलकर्ता को दोषी ठहराना अनुचित

सामाजिक समरसता से ही देश फिर से बन सकता है विश्वगुरु : चंपत राय

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

सनातन हिंदू रक्षा सम्मेलन में पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष चंपतराय एवं जगतगुरु रामानुजाचार्य जी महाराज व अन्य लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष एवं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, अयोध्या के महासचिव चंपत राय शनिवार को मूल प्रकृति श्री राधा पीठ, देवरहा बाबा नगर, गिरधरपुर में आयोजित सनातन हिंदू रक्षा धर्म सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को अच्छे आचरण, आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता के साथ संगठित होकर आगे बढ़ना होगा, तभी भारत फिर से विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत में सामाजिक व्यवस्था सुदृढ़ थी, जहां लोग संतोष और सुख के साथ जीवन यापन करते थे। उसी प्रकार का सशक्त, संपन्न और सम्मानित समाज फिर से खड़ा करना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य है। चंपत राय ने बताया कि संघ के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए देशभर में छोटे-छोटे सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। संघ का कार्य लगभग 100 वर्षों से निरंतर चल रहा है, जबकि देश की आज़ादी को अभी 100 वर्ष पूरे नहीं हुए हैं। राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और वर्तमान में फिनिशिंग का कार्य चल रहा है। ट्रस्ट की मंशा है कि मंदिर के दूसरे तल पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से श्रीराम यंत्र की स्थापना कराई जाए। इस संबंध में राष्ट्रपति से दिल्ली में भेंट हो चुकी है और उन्होंने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति शीघ्र ही अयोध्या आएंगी।

तेज रफ्तार कार ने खेल रही दो साल की बच्ची को कुचला, मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र के परसोहिया गांव में शनिवार दोपहर सड़क हादसे में दो वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। सड़क किनारे बने घर के सामने खेल रही मासूम को तेज रफ्तार कार ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। परसोहिया गांव निवासी चंद्रमती देवी पत्नी प्रदीप कुमार ने बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12 बजे उनकी दो साल की बेटी चंचन घर के सामने खेल रही थी। इसी दौरान लापरवाही से कार चला रहे चालक ने बच्ची को रौंद दिया। हादसे के बाद मौके पर जुटे ग्रामीणों ने कार समेत चालक को घेरकर पकड़ लिया और पुलिस को सौंप दिया। थाना प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि कार चालक आनंद यादव (पता अज्ञात) के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

जिला स्टेडियम में मनाया गया यूपी दिवस

संवाददाता कुशीनगर

प्रभारी मंत्री के साथ सांसद, विधायक, अधिकारी व छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर जिला स्टेडियम कुशीनगर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने यूपी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब उन्हें कुशीनगर जनपद का प्रभारी मंत्री बनाया गया था, तो नेपाल सीमा से सटे इस जनपद की जिम्मेदारी को लेकर मन में आशंका थी, परंतु यहां आने के बाद उन्हें अनुभव हुआ कि कुशीनगर सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं धार्मिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध जनपद है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारी संस्कृति और परंपराएं रामायण जैसे महान ग्रंथों के माध्यम से आगे बढ़ी हैं, उसी प्रकार उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रयास सदैव स्मरणीय रहेंगे।

तिरंगा यात्रा व एनसीसी परेड का किया आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय धनौरा बुजुर्ग में तिरंगा यात्रा और एनसीसी परेड का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने शानदार परेड के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। पूरा गांव भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा।

अनंतनाग पहुंची खाद्यान्न से भरी मालगाड़ी

नई दिल्ली, अमृत विचार। खाद्यान्न (चावल) से भरी पहली पूरी मालगाड़ी (रैक) 22 जनवरी को अनंतनाग पहुंची, जो कश्मीर घाटी में माल परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इस क्षेत्र में हर मौसम में चलने वाली रेल संपर्क सेवा की मजबूती को दर्शाती है। अपनी तरह की पहली उपलब्धि में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के साथ निरंतर समन्वय के बाद रसद लागत को कम करते हुए 2,768 मीट्रिक टन चावल से भरी 42 वैगन वाली एक पूरी मालगाड़ी को अनंतनाग माल गोदाम तक पहुंचाया गया। पहले रेलवे द्वारा केवल 21 वैगन वाली छोटी मालगाड़ियां ही चलाई जाती थीं जिनमें 1,384 मीट्रिक टन अनाज होता था। लेकिन इस बार पूरी मालगाड़ी को 21 जनवरी को पंजाब के संगरूर रेलवे टर्मिनल से सफलतापूर्वक लोड किया गया जो 24 घंटे के भीतर अनंतनाग पहुंची। एक दिन पहले खराब मौसम के कारण माल उतारने में बाधा आने के बावजूद मालगाड़ी को सफलतापूर्वक लोड किया गया जिससे घाटी में अनाज की आपूर्ति और वितरण नेटवर्क को काफी मजबूती मिली। यह उपलब्धि कश्मीर घाटी में खाद्यान्न वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत है।

एसएसबी ने गांव में लगाया चिकित्सा शिविर

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। 43वीं वाहिनी एस.एस.बी द्वारा राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् की 150वीं जयंती के स्मरणोत्सव पर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सशस्त्र सीमा बल सिद्धार्थनगर द्वारा सीमा चौकी पोखरभिटवा क्षेत्र के वाइब्रेंट गांव रक्सेल में नि:शुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। 43वीं वाहिनी के द्वारा सीमा चौकी पोखरभिटवा क्षेत्र के वाइब्रेंट गाँव रक्सेल में शिविर लगाकर नि:शुल्क मानव चिकित्सा सेवा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वन्देमातरम गीत का गायन कर किया गया। शिविर के माध्यम से सीमाई क्षेत्र के पोखरभिटवा, बजहा, मुडिला, रक्सेल और सरदारनगर गांव में कुल -134 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित किया गया। इस दौरान डॉ. कल्याणी स्वेन, सहायक कमांडेंट, चिकित्साधिकारी, 43वीं वाहिनी, के.रणवीर सिंह, सहायक कमांडेंट सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

गाड़ियों के टर्मिनल में की गई परिवर्तन तिथि में संशोधन

गोरखपुर, अमृत विचार। स्टेशन पुनर्विकास के अन्तर्गत लखनऊ जं0 पर कॉनकोर्स के निर्माण के लिए प्लेटफार्म संख्या-2 एवं 3 पर किये जा रहे इंजीनियरिंग कार्य के लिए पूर्व अधिसूचित गाड़ियों के टर्मिनल में किये गये परिवर्तन तिथि में संशोधन किया गया है। फलस्वरूप-बांद्रा टर्मिनस से 24, 31 जनवरी, 07, 14 एवं 21 फरवरी, 2026 को चलने वाली 20921 बांद्रा टर्मिनस-लखनऊ एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग स्टेशन पर 14.20 बजे यात्रा समाप्त करेगी तथा लखनऊ जं0 से 25 जनवरी, 01, 08 एवं 15 एवं 22 फरवरी, 2026 को चलने वाली 20922 लखनऊ जं0-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग से 17.50 बजे चलाई जायेगी।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 4 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे पर माल ढुलाई को तेज और सुगम बनाने, लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने, रेल राजस्व में वृद्धि, उद्योगों को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने एवं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी प्रदान करने तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु गति शक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित किये जा रहे है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी 04 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल प्रारंभ किया जा चुका है, जो कि सुचारू रूप से कार्यशील हैं। 09 कार्गो टर्मिनल स्थापित किये जाने का कार्य प्रगति पर है। 04 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल जिसमें हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, नकहा जंगल जहाँ पर उच्च गुणवत्ता के उर्वरक (यूरिया) की लोडिंग, अंकुर उद्योग लिमिटेड, सहजनवा से लौह (सरिया) की लोडिंग के साथ ही कोयले की अनलोडिंग एवं अडाणी एग्री लॉजिस्टिक लिमिटेड, जसोदा में भण्डारण हेतु खाद्यान्न की अनलोडिंग, नेशनल कोलेटरल मैनेजमेंट सर्विस, लखनऊ में खाद्यान्न की अनलोडिंग की जाती है।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल का सह प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 1499141 वर्ष 2007 वास्तव में खो गया है। **रीता श्रीवास्तव पुत्री लाल जी राजापुर चित्रकूट**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल का सह प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 52008787 वर्ष 2012 का वास्तव में खो गया है। **पुष्पा देवी पुत्री राजेंद्र प्रसाद सरधुवा जनपद चित्रकूट**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं भाग्यश्री पुत्री श्री अरुण कुमार पाण्डेय जो कि ग्रा0 चकवारा पो0 डीहा जिला आजमगढ़ की निवासी हूँ मेरा हाईस्कूल (CBSE) बोर्ड की मार्कशीट दिनांक 05/08/25 को खो गई है जिसका रोल नं. 23100797 है। अगर किसी को प्राप्त होती है तो मो0- 9115302730 पर सूचित करने की कृपा करें।

सूचना

मैं, **तरुणा वर्मा पत्नी वीरेन्द्र वर्मा, निवासिनी-22, मैरिस मार्केट, नजीराबाद, लखनऊ अमीनाबाद पार्क, लखनऊ, उ0प्र0-226018,** मेरा नाम तरुणा सोनकर एवं मेरे पति का नाम वीरेन्द्र कुमार था जबकि वर्तमान में मेरा नाम तरुणा वर्मा एवं मेरे पति का नाम वीरेन्द्र वर्मा आधार कार्ड में दर्ज करा लिया गया है, मेरी पुत्री का नाम विद्यालय के अभिलेखों में श्री सोनकर अंकित हो गया है, जो कि गलत है, जबकि पुत्री के आधार कार्ड सं0 358300554886 में उसका नाम श्री वर्मा अंकित है, व जन्मतिथि 12/06/2010 है जो कि सत्य एवं सही है। यह कि पुत्री के विद्यालय अभिलेखों में अंकित नाम श्री सोनकर के स्थान पर श्री वर्मा अंकित किया जाय।

सूचना

मैं **मो0 रुस्तम खान पुत्र जुम्मन खान, निवासी गाँधी नगर कस्बा व पोस्ट गुरसहायगंज, तहसील छिबरामऊ, जनपद कन्नौज,** मैंने अपने बड़े पुत्र मो0 इंतिजार खान के चाल चलन सही न होने के कारण अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है और अपने बड़े पुत्र मो0 इंतिजार खान के साथ किसी भी प्रकार का कोई रिश्ता नाता नही रखना चाहता हूँ उसके किसी भी बाद विवाद व उसके लेंन देन से मेरे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नही होगा तथा मेरी किसी भी चल अचल सम्पति पर उसका किसी प्रकार का कोई अधिकार नही होगा।

सूचना

मैं **हरिओम यादव पुत्र सूरज सिंह यादव, निवासी- ग्राम उलरापुर, पोस्ट गलुआपुर, कानपुर देहात,** मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, ए0टी0एम0, चेक बुक, विक्रयपत्र दिनांकित-29.07.2011 राजेन्द्र सिंह यादव पुत्र श्री लाला राम यादव, तहसील अकबरपुर, जिला कानपुर देहात में कहीं पर खो गये हैं जो कि काफी ढूंढने पर भी नहीं मिल सके हैं। आनलाइन एफ0आई0आर0 **सन्दर्भ संख्या- 20250000839322, संपर्क सूत्र - संदीप शर्मा एडवोकेट मो0-9696657481**

सूचना

मेरा अलाटमेंट कम फ्लैट बायर एग्रीमेंट जो कि ओमेगा डेवलपर और बिल्डर्स वास्ते यूनिट संख्या T-5 -801 आर्किड हाइटस अपार्टमेंट प्रोजेक्ट लखनऊ और रमेश चंद्र श्रीवास्तव S/O राघव प्रसाद चौधरी अनिन्दया ट्रैक्टर्स गोंडा के बीच हुआ था वह कहीं खो गया है।

सूचना

मैने अपना नाम KAMRUDDIN से बदलकर QAMRUDDIN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। QAMRUDDIN ADD-AKBARPUR, PO-BISAWAN KHURD, DIST-SITAPUR-261208(U.P.)

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

क्रम सं.-01, ई-निविदा सूचना सं.: टेण्डर नं. "44-जीकेपी-एमडब्लूएस-2025-26" निविदा कार्य का विवरण: "एएमसी ऑफ नॉर-ब्रेम्से मेक फिटेड एक्सल माउन्टेड डिस्क ब्रेक सिस्टम (एएमडीबीएस) ईन एलएचबी कोचेज एट मेकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर"। अनुमानित लागत (रू.में): ₹ 42,86,33,178.02, धरोहर राशि (रू.में): ₹ 22,93,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: दिनांक 16-02-2026 11:00 बजे, संविदा की अवधि: 18 माह।

• उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* पर देखें।

उप मुख्य यांत्रिक इन्जी./कार्य,
मुजाधि/यॉत्रिक-129 **यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / पूर्वोत्तर रेलवे / लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत है- **ई निविदा संख्या:-** NER-LJN-2026-10, **कार्य का नाम:-** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल:- गोरखपुर कैंट में:-GKC स्टेशन पर पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 1 नंबर डीप टयूबवेल के साथ आरसीसी ओवर हेड टैंक (50000 गैलन) का प्रावधान।, **अनुमानित लागत (रु):-** 12652019.00, **अग्रिम धन (रु):-** 213300.00, **समापन अवधि:-** 06 माह, **ई निविदा संख्या:-** NER-LJN-2026-11 (Two Packet System), **कार्य का नाम:-** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल:-(1) गोंडा-गोरखपुर: मोतीगंज स्टेशन पर DN एक्सटेंडेड लूप लाइन का प्रावधान। (2) टिनिच स्टेशन पर UP और DN एक्सटेंडेड लूप लाइन का प्रावधान और (3) स्वामीनारायण छपिया स्टेशन पर एक अतिरिक्त DN लूप लाइन का प्रावधान।, **अनुमानित लागत (रु):-** 177194939.84, **अग्रिम धन (रु):-** 1036000.00, **समापन अवधि:-** 12 माह, **ई निविदा संख्या:-** NER-LJN-2026-12, **कार्य का नाम:-** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल: मनकापुर:- (1) PF-1 पर 4 बे और PF-4/5 पर 2 बे पी.पी. शेल्टर का विस्तार। (2) मौजूदा FOB (02 नग) के साथ रैंप का प्रावधान। (3) PF-4/5 पर पैसेंजर टॉयलेट की व्यवस्था। (4) बस्ती पर एक कॉन्फ्रेंस रूम की व्यवस्था।, **अनुमानित लागत (रु):-** 33487351.08, **अग्रिम धन (रु):-**317400.00, **समापन अवधि:-** 12 माह, **1.** उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2026-10 के लिये ई-निविदा दिनांक 13.02.2026 को 15.00 बजे तक एवं ई-निविदा संख्या NER-LJN-2026-11 से NER-LJN-2026-12 के लिये ई-निविदा दिनांक 17.02.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी।, **2.** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग,
मुजाधि/डब्लू-433 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

लखनऊ नगर निगम
टी.एन.मार्ग, लालबाग, लखनऊ, ई-मेल: nnlko@up.nic.in

ई-निविदा सू०सं०: **359/मु०अ०/25-26** दिनांक : **23.01.2026**

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत पुनः निविदा सूचना

ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत लखनऊ नगर निगम द्वारा टू-बिड सिस्टम पर दिनांक 05.02.2026 को 01 कार्य हेतु पर पुनः ई-निविदा, ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती हैं, पोर्टल https://etender.up.nic.in पर निविदा के साथ जमानत धनराशि एवं निविदा प्रपत्र की धनराशि आर०टी०जी०एस/एन०ई०एफ०टी०/इण्टरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल https://induscollect.indusind.com/pay/index.php पर लागिन करके जमा किया जायेगा। ई-निविदा दिनांक 05.02.2026 को अपराह्न 15.00 बजे तक ई-निविदा पोर्टल पर प्राप्त की जायेगी जिन्हें दिनांक 05.02.2026 को 16:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। किसी भी ई-निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। अन्य समस्त विवरण/नियम/शर्तें यथा कार्य का नाम, आगणन धनराशि, निविदा प्रपत्र की धनराशि एवं जमानत धनराशि तथा निविदा प्रपत्र पोर्टल https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं। **मुख्य अभियन्ता**

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. 2026-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू ईनिविदा-05 दिनाँक 22.01.2026
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

1	कार्य का नाम	ओवरहालिंग ऑफ बायो टैंक डोरिंग पी ओ एच इन कैरिज वर्कशॉप आलमबाग।
2	कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
3	अनुमानित लागत	रू. 10,45,75,968.50 मात्र
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
5	बिड सिक्युरिटी	रू. 6,72,900/- मात्र
6	कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 वर्ष।
7	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक 13.02.2026 समय 15.00 बजे तक।
8	खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
9	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
10	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है।	

256/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-2, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांक :- 188/2ए दिनांक : 17.01.2026

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में मार्ग हेतु पंजीकृत निविदादाताओ से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद/ खण्ड/ विधानसाभ का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जीएसटी रहित) (लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
विधानसभा करनैलगंज							
1	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	गोड़ियनपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	9.10	0.91	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
2	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	झलियनपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य।	8.20	0.82	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
3	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	प्राइमरी पाठशाला सरैयां से बरतरा मार्ग तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	6.90	0.69	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
4	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	फततेपुर कुटेहना मार्ग से पण्डितपुरवा तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	5.10	0.51	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
5	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	बक्सैला सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	15.10	1.51	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
6	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	बन्द्रेबाबा से खजुरिहाडीहा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	18.40	1.84	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
7	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	बहुवन मदार माझा से रामपालपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	7.40	0.74	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
8	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	बाजपेईपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	15.80	1.58	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
9	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	बैशनपुरवा से बुढ़वलिया सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	8.50	0.85	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
10	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	भंभुआबाजार से अस्पताल सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	3.90	0.39	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी,ई
11	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	भंभुआ रूदौलिया चचरी से चमरी सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	6.00	0.60	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
12	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	भवानीगंज से अल्लीपुर सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	6.90	0.69	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
13	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	भिखारीपुर सकरौर बन्धा से प्रभुवैश्यपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	3.10	0.31	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी,ई
14	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	भौरीगंज शाहपुर मार्ग से चौरिहनपुरवा नरायनपुर साल सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	4.00	0.40	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी,ई
15	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	मरचौर से धुन्धापुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	14.60	1.46	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
16	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	मरचौर से भयापुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	7.30	0.73	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
17	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	मलांव से पाण्डेयपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	12.70	1.27	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
18	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	मलांव से बिलन्दपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	9.30	0.93	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
19	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	मसौलिया गौरा सम्पर्क मार्ग से मददेपुरवा पचमरी सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	4.40	0.44	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी,ई
20	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	मिझौरा से गोविन्दपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	5.30	0.53	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
21	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	राजाटोला से पूरे दौलत सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	19.20	1.92	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
22	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	रेकसड़ियाा से तिवारीपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	6.90	0.69	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
23	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	रौतनपुरवा मार्ग से मोहकमपुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	11.40	1.14	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
24	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	लखनऊ रोड से लालापुरवा सूर्यवंशनपुरवा तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	13.30	1.33	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
25	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	सरैयां सम्पर्क मार्ग से धनावाडीहा अस्पताल सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	10.10	1.01	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
26	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	सरैया से चौबेपुर सम्पर्क मार्ग सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	12.90	1.29	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
27	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	सीबीएन मार्ग से हरदयालपुरवा चकरौत सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	11.10	1.11	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
28	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	सीबीएन मार्ग प्राइमरी पाठशाला करूआ तक सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	5.70	0.57	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
29	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	सीबीएन मार्ग से शनिचरापुरवा सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	7.80	0.78	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
30	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	हट्टीपुरवा से कुढ़ियांव सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	6.50	0.65	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी
31	गोण्डा/ निर्माण खण्ड-2	हरदीटांड अहिरनपुरवा मार्ग से कुढ़ियांव सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत का कार्य	24.60	2.46	900.00	3 माह	ए,बी,सी,डी

बिड डाक्यूमेन्ट बेबसाईट- http://etender.up.nic.in पर दिनांक 27.01.2026 से 06.02.2026 तक सांय 03.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 06.02.2026 को अपरान्ह 03.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड किये जा सकते है। निविदाओ की तकनीकी बिड दिनांक 06.02.2026 को अपरान्ह 03.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्ते तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई-टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, वह लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ़्टवेयर में भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 06.02.2026 के अपरान्ह 03.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई-पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

(विनोद कुमार त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-2, लो0नि0वि0 गोण्डा

UP-244661 दिनांक 23.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

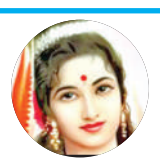

तात मात भ्रात बंधु आपनो न कोई
छाड़ि दई कुलकि कानि कहा करिहै कोई

मीराबाई कहती हैं कि मेरे इस दुनिया में न तो पिता हैं, न ही माता हैं और न ही कोई भाई है। कृष्ण भक्ति के लिए मैंने सांसारिक रिश्तों और कुलीन मर्यादाओं का त्याग कर दिया है। अब मुझे किसी की परवाह नहीं है, क्योंकि मेरे लिए केवल गिरिधर गोपाल ही सर्वस्व हैं।

सूक्ष्म जगत में आत्मा की अभिव्यक्ति ही सौंदर्य है

> इस बार गणतंत्र का उत्सव और बसंत पंचमी साथ-साथ हैं। वैसे गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी एक दिन के ही उत्सव नहीं हैं। बसंत पंचमी हर बरस आती है। हवाओं में भी गंध होती है। फूलों का यौवन आकर्षित करता है। यह आकर्षण दैहिक नहीं है। शीत ऋतु विदा हो रही है और बसंत उत्सव विस्तृत हो रहा है। नदियां शांत-प्रशांत होकर बह रही हैं। बसंत पंचमी सरस्वती की भी जन्म तिथि है। आनंद का अवसर है कि भारत में दोनों उत्सव साथ-साथ आते हैं।

कल भारतीय गणतंत्र की 76वीं वर्षगांठ है। राष्ट्र अपने गणतंत्र दिवस को लेकर बहुत उत्साहित है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। अतिरिक्त गणतंत्र का उत्सव और बसंत पंचमी साथ-साथ हैं। वैसे गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी एक दिन के ही उत्सव नहीं हैं। बसंत पंचमी हर बरस आती है। हवाओं में भी गंध होती है। फूलों का यौवन आकर्षित करता है। यह आकर्षण दैहिक नहीं है। शीत ऋतु विदा हो रही है और बसंत उत्सव विस्तृत हो रहा है। नदियां शांत-प्रशांत होकर बह रही हैं। बसंत पंचमी सरस्वती की भी जन्म तिथि है।

आनंद का अवसर है कि भारत में दोनों उत्सव साथ-साथ आते हैं। महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की 'सरस्वती वंदना' राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय है, 'वर दे, वीणावादिनी वर दे! प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव भारत में भर दे! वर दे, वीणावादिनी वर दे।' उत्सवों के कर्मकांड प्रायः सरस्वती वंदना से शुरू होते हैं। सरस्वती वाग्देवी हैं। ज्ञानदात्री हैं। सिद्धिदात्री हैं। वे सामान्य ज्ञान तो देती ही हैं। ऋग्वेद के ऋषि कहते हैं, 'कवि सरस्वती की कृपा से ही बनते हैं और प्रतिष्ठित होते हैं।' भारत की स्मृतियों के भीतर भी सरस्वती बहती हैं। इसी सरस्वती के तट पर यज्ञ होते थे। गीत गाए जाते थे। ज्ञान की आराधना होती थी। ऋषियों ने सरस्वती को नदीतमा कहा है। कुछ इतिहास के विद्वान सरस्वती को कवि की कल्पना मानते हैं, लेकिन सरस्वती का पता चल चुका है। वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो या न हो, सरस्वती भारत की श्रुति में और स्मृति में पहले से ज्यादा प्रवाहमान होकर बहती हैं।

बसंत का रूप मनोहारी सुंदरता में दिखाई पड़ता है, मगर स्पर्श में नहीं आता। मन करता है कि फूल की गंध का स्पर्श करूं। रूप, रस, गंध, सौंदर्यबोध के परिणाम हैं और भारतवासियों का सौंदर्यबोध विश्व में अनूठा है। पौराणिक काल में बसंत को मदनोत्सव भी कहा गया है और मदनोत्सव कोई कर्मकांड नहीं है। प्रकृति के सत्य को देखना पर्याप्त नहीं है। प्रकृति को शिव कल्याणकारी भी होना चाहिए और सत्य व शिव सौंदर्यविहीन नहीं हो सकते। सत्य, सत्य है और वही शिव भी है और वही सुंदर। भारतीय सौंदर्यबोध गहरा है। ब्रह्म संपूर्णता है। ब्रह्म का बोध आनंददाई होता है और सौंदर्य का बोध अस्थाई। पूर्वज जानते थे कि सौंदर्य का आकर्षण अल्पकालिक होता है और सौंदर्यबोध भी। संस्कृत कवियों ने सौंदर्य की भावना को एकाग्रता लाने वाला बताया है। अभिनव गुप्त ने इसे दीत विधना पतीत कहा है।

हमारी दृष्टि के सामने अनेक वस्तुएं आती हैं। उनमें से कुछ हमारी भौतिक सत्ता पर अधिकार कर लेती हैं और भौतिक सत्ता का ज्ञान हवा हो जाता है। अद्वैत दर्शन के अनुसार, 'स्थूल या सूक्ष्म जगत में आत्मा की अभिव्यक्ति ही सौंदर्य है।' प्रकृति बहुरूपिया है। ब्रह्म एक है। अभिव्यक्तियां अनेक हैं। प्रकृति में रूप हैं। रंग हैं। सौंदर्य है। रस है। नाद है। गंध है। पृथ्वी सुगंधा है। प्रकृति के रूप और रंग का आनंद सौंदर्यबोध देता है। बसंत की वायु नाचते, गीत गाते, डरते-डरते, चुपके-चुपके हमें सहलाते हुए चली जाती है। कोयल बोलती है। कोयल की बोली आनंदित करती है। कोयल का गीत सुनाई पड़ता है। हम उन्हें छू नहीं सकते।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

अरस्तू ने कला को प्रकृति की अनुकृति बताया है। भारतीय संस्कृति और दर्शन की परंपरा में ऋषुओं के रुपायन के साथ नृत्य और गीत का भी सुंदर विकास हुआ। महाभारत में संगीत का स्पष्ट उल्लेख है। अर्जुन ने इंद्र से अस्त्र विद्या सीखी। वनपर्व के अनुसार अर्जुन ने युधिष्ठिर से कहा, 'मैं विराटनगर की स्त्रियों को गीत, नृत्य और वाद्य की शिक्षा दूंगा।' महाभारत में संगीत और प्रकृति की आत्मीयता साफ सुनाई पड़ती है। यहां अलग-अलग राग हैं। दिवसों और प्रहारों के भी राग हैं।

ऋग्वेद में बताया गया है कि संगीत और वाणी को सात स्वरों में मापा गया है। सरगम संगीत का माप है, स, रे, ग , म, प, ध, नी, स नाम से विख्यात भारतीय सरगम दुनिया का प्राचीनतम सुरमाप है। भारतीय रागों में प्रकृति की छटा है और छटा सुनाई भी पड़ती है। सौंदर्य को ध्वनि रूप प्रस्तुत करना बड़ा काम है। ध्वनि कान से भीतर जाती है और दृश्य आंख से। जो आंख से दर्शनीय है, उसे कान से सुनना कठिन है, लेकिन भारत में ऐसा असंभव संपन्न हो पाया। भारत में छह ऋषुएं हैं और प्रत्येक ऋषु का अपना राग है। भैरव, डिंडोल, मेघ, श्रीराग, दीपक तथा मालकोश मुख्य राग हैं। यहां प्रत्येक राग अर्थ देता है, जिसका विवाह पांच रागिनियों से हुआ है। इस तरह कुल छह राग और 30 रागिनियां होती हैं। गीत संगीत की व्याख्या करना इस छोटे से आलेख में संभव नहीं है और मैं स्वयं इसका अधिकारी नहीं हूं।

भारत के संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को ठीक से जाना था, इसलिए उन्होंने भारतीय संस्कृति के अनुरूप चित्र संविधान में जोड़े थे। उन्होंने संविधान की हस्तलिखित प्रति में सांस्कृतिक राष्ट्रभाव वाले 23 चित्र सम्मिलित किए। मुखपृष्ठ पर राम और कृष्ण तथा भाग 1 में सिंधु सभ्यता की स्मृति वाले मोहनजोदड़ो काल की मोहरों के चित्र हैं। भाग 2 नागरिकता वाले अंश में वैदिक काल के गुरुकुल आश्रम का दिव्य चित्र है। भाग 3- मौलिक अधिकार वाले पृष्ठ पर श्री राम की लंका विजय व भाग 4- राज्य के नीति निर्देशक तत्वों वाले पन्ने पर कृष्ण अर्जुन उपदेश वाले चित्र हैं। भाग 5 में महात्मा बुद्ध, भाग 6 में स्वामी महाबीर और भाग 7 में सम्राट अशोक के चित्र हैं। भाग 8 में गुप्त काल, भाग 9 में विक्रमादित्य, भाग 10 में नालंदा विश्वविद्यालय, भाग 11 में उड़ीसा का स्थापत्य, भाग 12 में नटराज, भाग 13 में भगीरथ द्वारा गंगावतरण, भाग 14 में मुगलकालीन स्थापत्य, भाग 15 में शिवाजी और गुरु गोविन्द सिंह, भाग 16 में महारानी लक्ष्मीबाई, भाग 17 व 18 में क्रमशः गांधी जी की दाण्डी यात्रा व नोआखाली दंगों में शांति मार्च, भाग 19 में नेताजी सुभाष, भाग 20 में हिमालय, भाग 21 में रेगिस्तानी क्षेत्र व भाग 23 में लहराते हिंदु महासागर की चित्रावलि है।

संविधान पारण के बाद अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा 'अब सदस्यों को संविधान की प्रतियों पर हस्ताक्षर करने हैं। एक हस्तलिखित अंग्रेजी की प्रति है, इस पर कलाकारों ने चित्र अंकित किएं हैं, दूसरी छपी हुई अंग्रेजी व तीसरी हस्तलिखित हिन्दी की।' (संविधानसभा कार्यवाही खंड 12 पृष्ठ 4261) भारतीय संस्कृति और इतिहास के छात्रों के लिए संविधान की चित्रमय प्रति प्रेरक हैं।

संविधान राष्ट्र का धारक होता है। यह राजधर्म है। भारत का संविधान दुनिया के किसी भी लिखित संविधान से बड़ा है। इसके कुछ हिस्से सामान्य संविधानों से उच्च स्तरीय हैं। भारत के संविधान निर्माताओं ने देश को संघ राज्य घोषित किया था। प्रत्यक्षतया भारत राज्यों का संघ है। संघीय ढांचे को लेकर अक्सर बहस चलती है। भारत अमेरिकी संघ जैसा संघ नहीं है। अमेरिकी संघ में राज्य स्थायी इकाइयां हैं और भारत में संसद द्वारा एक राज्य को दूसरे राज्य में आधा या पूरा समाहित किया जा सकता है। संविधान के अनेक प्रसंग हैं। 26 जनवरी इसी संविधान के लागू होने की महत्वपूर्ण तिथि है। बसंत की मस्ती में संविधान के प्रसाद का सुख और आनंद लीजिए। आप सबको गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं।

कौन है, जो बच्चों के हाथों से छीन रहा किताबें!

समाज की सबसे अंधेरी सच्चाइयां अक्सर उन घरों में छिपी होती हैं, जहां रोशनी के नाम पर सिर्फ मजबूरी जलती है। ऐसे घरों में मां का पसीना और बच्चे का बचपन एक साथ गिरवी रखा जाता है। गरीबी, अशिक्षा और असमानता की जंजीरों में जकड़ा यह तंत्र बाल श्रम और महिला शोषण को एक-दूसरे से अलग नहीं रहने देता। ये दोनों समस्याएं अलग-अलग दिखाई भले ही दें, पर वास्तव में एक ही जहरीले तीर के दो सिरे हैं। एक सिर बच्चों के हाथों से किताब छीनता है, तो दूसरा महिलाओं के जीवन से सम्मान। यही तीर पीढ़ी दर पीढ़ी समाज को घायल करता चला जा रहा है।

कृति जैन
शिक्षिका

इस तीर का सबसे मजबूत आधार गरीबी है, जो परिवारों को असहाय बना देती है। जब आय सीमित होती है और ज़रूरतें अनंत, तब निर्णय विवशता में लिए जाते हैं। मां घर से बाहर काम पर जाती है, खेतों या कारखानों में दिन खपाती है और बच्चे स्कूल की जगह काम की दुनिया में धकेल दिए जाते हैं। इस संघर्ष में सबसे अधिक मार महिलाओं और बच्चों पर ही पड़ती है। पुरुष प्रधान समाज में पुरुष का काम स्थायी माना जाता है, जबकि महिला और बच्चे को सस्ते श्रम के रूप में देखा जाता है। इसी सोच के कारण यह विषैला तीर और तेज हो जाता है।

बाल श्रम इस तीर का वह सिर है, जो मासूमियत को सबसे पहले भेदता है। कम उम्र में काम का बोझ उठाते बच्चे खेल, शिक्षा और सपनों से वंचित रह जाते हैं। ईंट-भट्टों, होटलों, घरेलू कामों और छोटे उद्योगों में लगे ये बच्चे न सिर्फ शारीरिक श्रम करते हैं, बल्कि मानसिक दबाव भी झेलते हैं। कई बार उनके साथ दुर्व्यवहार और हिंसा भी होती है। शिक्षा से दूर रहने के कारण वे अपने अधिकारों को पहचान ही नहीं पाते। यह स्थिति उन्हें जीवनभर के लिए कमजोर बना देती है और समाज को एक अशिक्षित पीढ़ी सौंप देती है।

> समाज की सबसे अंधेरी सच्चाइयां अक्सर उन घरों में छिपी होती हैं, जहां रोशनी के नाम पर सिर्फ मजबूरी जलती है। ऐसे घरों में मां का पसीना और बच्चे का बचपन एक साथ गिरवी रखा जाता है।

इस तीर का दूसरा सिर महिला शोषण है, जो समान रूप से घातक है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं कम मजदूरी, लंबे काम के घंटे और असुरक्षित माहौल झेलती हैं। घरेलू कामगार, खेत मजदूर या कारखानों में लगी महिलाएं अक्सर यौन उत्पीड़न और मानसिक उत्पीड़न का शिकार होती हैं। उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं मिलता और उन्हें निर्णय लेने का अधिकार भी नहीं दिया जाता। जब महिला स्वयं असुरक्षित होती है, तो उसका प्रभाव पूरे परिवार पर पड़ता है और बच्चे भी उसी असुरक्षा में पलते हैं।

बाल श्रम और महिला शोषण एक-दूसरे को जन्म देते हैं और एक-दूसरे को बढ़ाते हैं। जब महिला की आय कम होती है और उसका शोषण होता है, तो परिवार की आर्थिक स्थिति नहीं सुधरती। ऐसे में बच्चों को भी काम पर भेजना मजबूरी बन जाता है। वही बच्चे बड़े होकर फिर उसी व्यवस्था का हिस्सा बनते हैं, जहां महिलाएं और बच्चे शोषण के चक्र में फंसे रहते हैं। इस प्रकार यह जहरीला तीर सिर्फ वर्तमान को नहीं, बल्कि भविष्य को भी घायल करता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जो बिना हस्तक्षेप के कभी नहीं टूटता। सामाजिक रूढ़ियां इस तीर को और मजबूत बनाती हैं। लड़की को आज भी कई जगह बोझ समझा जाता है। उसकी शिक्षा पर कम ध्यान दिया जाता है।

पुस्तकें, अनुभव और सीखने के अवसर

प्राचीन काल से ही पुस्तकें मानव सभ्यता की नींव रही हैं, और आज के डिजिटल युग में भी उनका महत्व कम नहीं हुआ है। सबसे पहले, पुस्तकें ज्ञान और शिक्षा का माध्यम हैं। वे हमें दुनिया के विभिन्न विषयों, विज्ञान, इतिहास, दर्शन, साहित्य आदि के बारे में गहन जानकारी प्रदान करती हैं। उदाहरण के लिए, एक छात्र के लिए पाठ्यपुस्तकें शिक्षा की सीढ़ी बनती हैं, जबकि एक शोधकर्ता के लिए वे नए आविष्कारों का आधार। बिना पुस्तकों के, मानव ज्ञान का प्रसार और संरक्षण असंभव होता। महान विचारक जैसे अरस्तू, गांधी या आइंस्टीन ने अपनी सफलता का श्रेय पुस्तकों को दिया है, क्योंकि पुस्तकें हमें अनुभवों से सीखने का अवसर देती हैं, जो हम स्वयं कभी प्राप्त नहीं कर सकते।

पुस्तकें मानव जीवन की आत्मा हैं। वे हमें अज्ञान से मुक्ति दिलाती हैं, प्रगति का मार्ग दिखाती हैं और एक सशक्त समाज का निर्माण करती हैं, इसलिए हमें पढ़ने की आदत विकसित करनी चाहिए, क्योंकि एक अच्छी पुस्तक एक अच्छे मित्र की तरह जीवनभर साथ देती है। जैसा कि फ्रांसिस बेकन ने कहा था, ''कुछ पुस्तकें चखनी चाहिए, कुछ निगलनी चाहिए और कुछ चबानी चाहिए तथा पचानी चाहिए।''

'आधुनिक समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया ने सूचना को सुलभ बनाया है, लेकिन पुस्तकों की गहराई और विश्वसनीयता का कोई विकल्प नहीं है।' इस कथन को सार्थक करता हुआ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026, संपन्न हुआ। यह दुनिया का सबसे बड़ा बी2बी (व्यापार से व्यापार) पुस्तक मेला है, जिसका 53वां संस्करण 10 से 18 जनवरी, 2026 तक चला। यह मेला राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत आयोजित किया गया, जिसका अद्घाटन मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने किया, जिसमें कतर और स्पेन के सांस्कृतिक मंत्रियों की उपस्थिति रही।

डॉ. इरफ़ान ह्यूमन
असिस्टेंट प्रोफ़ेसर

इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 'विकसित भारत' की दृष्टि केवल बुनियादी ढांचे या प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक जागरूक, विचारशील और ज्ञान-आधारित पीढ़ी के निर्माण में गहराई से निहित है, जो ज्ञान को राष्ट्र-निर्माण की नींव के रूप में मान्यता देती है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का उद्धरण देते हुए कहा, 'पुस्तकें मानवता की सबसे बड़ी धरोहर हैं। पुस्तकें हमें सोचने की स्वतंत्रता देती हैं, संवाद की भाषा प्रदान करती हैं और लोकतंत्र को मजबूत करती हैं। एक अच्छी पुस्तक जीवन बदल सकती है।' युवा लेखकों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वे पीएम-युवा 3.0 के तहत चुने गए युवा लेखकों से मिलकर प्रसन्न हैं। विविधता भारत की विविधता को दर्शाती है। संस्कृति, प्रौद्योगिकी, ज्ञान की खोज और राष्ट्रीय दृष्टि पर चर्चाएं हुईं, जो विकसित भारत की दृष्टि में उनके विश्वास को मजबूत करती हैं।

इस वर्ष की थीम 'भारतीय सैन्य इतिहास-वीरता और ज्ञान ऐट 75' रही, जो भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर सशस्त्र बलों की बहादुरी, प्रमुख अभियानों, वीरों की कहानियों और परम वीर चक्र प्राप्तकर्ताओं के बलिदानों पर फोकस करता है।

अब जिंदा रहना भी एक विलासिता है!

> जीवन की सबसे बुनियादी जरूरतें- पानी, हवा, भोजन और दवा-तेजी से असुरक्षित होती जा रही हैं। दूषित पानी, प्रदूषित हवा, मिलावटी भोजन और अविश्वसनीय दवाइयां अलग-अलग संकट नहीं हैं, ये एक ही व्यवस्था की विफलता के अलग-अलग चेहरे हैं।

एक ओर देश में विकास को उत्सव की तरह पेश किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर जीवन की सबसे बुनियादी जरूरतें- पानी, हवा, भोजन और दवा— तेजी से असुरक्षित होती जा रही हैं। दूषित पानी, प्रदूषित हवा, मिलावटी भोजन और अविश्वसनीय दवाइयां अलग-अलग संकट नहीं हैं; ये एक ही व्यवस्था की विफलता के अलग-अलग चेहरे हैं। जब जीवन को संभालने वाले चारों आधार एक साथ डगमगाने लगें, तब संकट भविष्य की आशंका नहीं रह जाता— वह वर्तमान की रोज़मर्रा की सच्चाई बन जाता है। यह कोई विडंबनापूर्ण संयोग नहीं है, बल्कि उस मॉडल का प्रत्यक्ष परिणाम है, जिसमें चमक प्राथमिकता पर है और सुरक्षा हाशिये पर।

शहरों में जल-आपूर्ति की हालत इस विफलता की सबसे ठोस मिसाल है। तमाम शहरों में पेयजल आपूर्ति का नेटवर्क दशकों पुराना और जर्जर है। पाइप लाइनें नालों के साथ-साथ गुजरती हैं और कई जगहों पर सीवेज तथा पेयजल की लाइनें आपस में सटी या मिल चुकी हैं। अवैध कनेक्शन खुले छोड़ दिए जाते हैं, जिनके ज़रिये गंदा पानी सीधे आपूर्ति तंत्र में घुस जाता है। यह स्थिति प्रशासन से छिपा नहीं है, फिर भी बिना समुचित जांच के जल-आपूर्ति जारी रहती है। शिकायतें दर्ज होती हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं होती। जिम्मेदार विभाग और अधिकारी इसे 'प्रबंधन की समस्या' बताकर टाल देते हैं, जबकि असल में यह नागरिकों के स्वास्थ्य से सीधा खिलवाड़ है। जब कोई गंभीर हादसा हो जाता है, तो खानापूरी के नाम पर कुछेक को निलंबित कर इतिश्री कर ली जाती है।

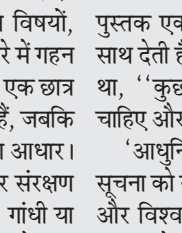

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

उधर नदियां, तालाब और झीलें जो कभी सभ्यताओं की जीवनरेखा थीं, औद्योगिक कचरे, सीवर और रासायनिक अपशिष्ट के नालों में तब्दील होती जा रही हैं। भूजल में आर्सेनिक, फ्लोराइड और नाइट्रेट जैसे ज़हरीले तत्व खतरनाक स्तर तक पहुंच चुके हैं। इसका परिणाम यह है कि ग्रामीण और शहरी दोनों आबादी पेट, त्वचा, किडनी और हड्डियों से जुड़ी बीमारियों की चपेट में है। नतीजा यह है कि साफ पानी अब प्राकृतिक अधिकार नहीं, बल्कि धीरे-धीरे एक महंगी सुविधा में बदलता जा रहा है, जिसे जिंदा रहना है, वह जेब ढीली करे और बोतलबंद पानी खरीदे और यही प्रक्रिया सामाजिक असमानता को और गहरा कर रही है।

स्वच्छ हवा का संकट इसी लापरवाही का दूसरा चेहरा है। शहरों में बढ़ते वाहन, अनियंत्रित उद्योग, निर्माण की धूल और नियोजनहीन विस्तार ने हवा को दमघोंटू बना दिया है। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, इसलिए इसे सहन करना आसान मान लिया गया है, लेकिन इसके असर अस्पतालों की भीड़, सांस की बीमारियों और समय से पहले होने वाली मौतों में साफ दिखते हैं। शहर फैलते जाते हैं, पर उनकी सांसें घुटती चली जाती हैं।

इस पूरे परिदृश्य को सबसे भयावह बनाता है मिलावटी भोजन। जब पानी और हवा पहले ही असुरक्षित हों, तब भोजन का ज़हरीला होना जीवन पर अंतिम प्रहार जैसा है, लेकिन मिलावट के मामलों में ढीला रवैया और दोषियों के लिए बच निकलने के आसान रास्तों ने मिलावटखोरों के हौसले बुलंद कर दिए हैं। छापे, जांच और नमूने औपचारिकता बन चुके हैं। सजा इतनी हल्की है कि उसे व्यापार की लागत मान लिया जाता है। शुद्धता अब एक कोरी कल्पना जैसी लगने लगी है। बाजार में 'मिलावट' शब्द इतना सामान्य हो चुका है कि वह एक तरह का न्यू नॉर्मल बन गया है। उपभोक्ता यह मानकर चलता है कि पूरी तरह शुद्ध कुछ मिलेगा ही नहीं— बस यह उम्मीद रहती है कि नुकसान कम हो।

अक्सर सलाह दी जाती है कि लोग सतर्क रहें, जैविक अपनाएं या खुद उगाएं। यह सलाह वास्तविकता से कटे हुए समाधान का उदाहरण है। आखिर एक सामान्य व्यक्ति घर में कितना उगा या बना लेगा? वह कितनी चीज़ों का उत्पादन स्वयं कर पाएगा? यह अपेक्षा दरअसल राज्य की जिम्मेदारी नागरिकों पर डालने का तरीका है। सुरक्षित भोजन, स्वच्छ पानी और शुद्ध हवा कोई निजी चुनाव नहीं, बल्कि बुनियादी अधिकार हैं।

इस त्रासदी की पराकाष्ठा तब दिखाई देती है, जब जीवन बचाने वाली दवाइयां भी भरोसे के लायक नहीं रह जातीं। मिलावटी और घटिया दवाइयां आज एक अत्यंत घातक संकट बन चुकी हैं। विडंबना यह है कि दवाइयों की मिलावट का असर तुरंत सामने आता है। इलाज बेअसर हो जाता है, बीमारी बढ़ती है और कई बार मौत तक हो जाती है। फिर भी यह अपराध थमता नहीं।

जैसा होता है मनुष्य का चिंतन वैसा ही हो जाता है उसका जीवन

मनुष्य का चिंतन जैसा होता है, उसी प्रकार का जीवन उसका हो जाता है। उत्कृष्ट चिंतन के चलते समाज उसे प्रतिष्ठा देता है, जबकि नकारात्मक चिंतन के चलते मन पर बुरा असर पड़ता है और मनुष्य का किसी काम में मन नहीं लगता। इसका उदाहरण महाभारत युद्ध के दौरान देखने को मिलता है, जिसका सारथी योगेश्वर श्रीकृष्ण रहे हों, उस अर्जुन के मन में विषाद की स्थिति उत्पन्न हो गई और युद्ध न करने की बात अर्जुन ने जब कहा, तब श्रीकृष्ण ने समझाया, 'हे अर्जुन, युद्ध न करने से तुम्हारी बड़ी बदनामी होगी। न कहने योग्य बात लोग कहेंगे, जिसे सुनकर तुम्हें बड़ी ग्लानि होगी'। श्रीकृष्ण ने विविध प्रकार से अर्जुन को समझाया तथा इसके लिए अपना उत्कृष्ट रूप यानी विराट रूप दिखाया तथा अर्जुन के मन में आत्म-विश्वास भरने के लिए अत्यंत उच्चकोटि के ज्ञान भी दिए। श्रीकृष्ण के ज्ञान से अर्जुन में उत्साह का संचार हुआ और अर्जुन युद्ध करने के लिए राजी हुए। श्रीमद्भगवद्गीता के अंतिम श्लोक में कह भी दिया है कि जहां श्रीकृष्ण एवं अर्जुन रहेंगे वहां श्री एवं विजय मिलकर रहेगी।

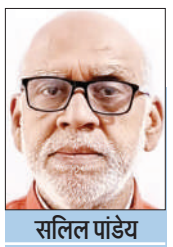

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इस उदाहरण से सामान्य लोगों को प्रेरणा लेनी चाहिए। निकृष्ट चिंतन प्रायः मन से शुरू होता है और इंसान उसी अनुरूप काम करने लगता है, जिससे असफलता तो मिलती ही है, साथ में बदनामी भी मिलती है, इसलिए जब कभी निकृष्ट चिंतन मन में आने लगे तो शांत भाव से बैठकर अपने विवेक का उपयोग करना चाहिए कि जिस निकृष्ट चिंतन की ओर मन जा रहा है, उसके दुष्परिणाम भी मिलने तय हैं। विपरीत परिस्थितियों में सद्ग्रंथों को ही कृष्ण मानकर पढ़ना चाहिए। इससे प्रथम लाभ होगा कि मन निकृष्टता की ओर जाने से रुक जाएगा। इसके अलावा समाज में जिन्हें आदर की दृष्टि से देखा जाता है, उनसे संपर्क करना चाहिए तथा संभव हो तो अपनी समस्या बतानी चाहिए।

आदरणीय लोग सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देंगे। खुद महसूस होगा कि उत्कृष्ट कार्यों से आत्म संतुष्टि के अलावा समाज में इज्जत मिलती है, जबकि निकृष्ट कार्यों की आलोचना होती है। एक बार गलत कदम उठा लेने पर लंबे समय तक उसी की चर्चा होती है, जिससे बदनामी होती है। अतः हर हाल में निकष्ट चिंतन से बचना चाहिए और उत्कृष्ट कार्यों में मन लगाना चाहिए।

एक जन बुद्धिजीवी का अचानक यूं चले जाना

16 जनवरी को दो मनहूस खबरें मिलीं। सुबह-सुबह इलाहाबाद में प्रोफेसर राजेंद्र कुमार जी एक सन्नाटा छोड़ गए और उनके थोड़ी देर बाद ही वीरेंद्र यादव जी के न रहने की मनहूस और अविश्वसनीय खबर ने तो लखनऊ के बौद्धिक समाज पर एक वज्रपात सा ही कर दिया! राजेंद्र कुमार जी तो पिछले डेढ़ साल से बीमारी से जूझ रहे थे, इसलिए उनके चाहने वाले एक तरह से किसी भी स्थिति के लिए थोड़ा मानसिक रूप से तैयार थे, लेकिन वीरेंद्र जी के जाने से तो जैसे बहुत कुछ ठिठका सा दिया। उनकी सक्रियता अभी बहुतों को चौंकाती भी थी और रास्ता भी दिखाती थी।

दया शंकर राय
वरिष्ठ पत्रकार

जब उन्होंने सेहत की गड़बड़ी की वजह से दिल्ली पुस्तक मेले में न जाने की बात लिखी, तो मैंने हालचाल लेने के लिए ही 13 जनवरी को फोन किया, तो उन्होंने बताया कि यार शुगर लेवल बहुत बढ़ गया है। 600 पर पहुंच गया था। मुझे भी थोड़ी चिंता हुई, क्योंकि उस दिन कमजोरी के चलते उनकी आवाज थोड़ी मद्धिम सी थी। सेहत को लेकर एहतियात बरतने की हिदायत के साथ मैंने जल्द ही मिलने आने को कहा, लेकिन यह सब इतनी जल्द हो गया कि किसी को अब तक विश्वास नहीं हो रहा कि वे हमारे बीच नहीं हैं। उनकी बौद्धिक और भौतिक सक्रियता देखते हुए उन्हें अभी 10 साल तो इस रूप में सक्रिय रहना ही था और यह आज के कठिन और बेहद चुनौतीपूर्ण दौर की बहुत जरूरी मांग भी थी!

दरअसल वीरेंद्र यादव का जाना एक प्रख्यात आलोचक का जाना भर नहीं है, बल्कि एक ऐसे जन बुद्धिजीवी आलोचक का जाना है, जो साहित्य को उसकी जड़ अकादमिक दुनिया से बाहर निकाल उसे सामाजिक संदर्भों और देश को मथ रहे ज्वलंत सवालों से जोड़ता था। साहित्यिक विषयों पर लिखते हुए भी धर्मांधता, गैर बराबरी, आधुनिकता बोध और लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्य लगातार उनकी चिंता के केंद्र में लगातार बने रहे। साहित्य की दुनिया में अकादमिक आलोचक तो आज भी हैं और आगे भी रहेंगे, पर निकट भविष्य में वीरेंद्र जी की कमी शायद नहीं पूरी होने वाली, क्योंकि वे कथा साहित्य के प्रखर आलोचक तो थे ही हर महत्वपूर्ण घटना पर उनका वैचारिक हस्तक्षेप उन्हें अपने समकालीन बहुत से आलोचकों से अलग खड़ा करता था। अपनी विशद साहित्यिक आलोचना में भी वे उस परंपरा को और प्रखर ढंग से आगे बढ़ा रहे थे, जो एक तरह से मैनेजर पांडेय और वीर भारत तलवार के यहां मिलती है, लेकिन मैनेजर पांडेय और तलवार जी से इतर उनकी भूमिका थोड़ा और महत्वपूर्ण इसलिए हो गई थी, क्योंकि अपने गंभीर आलोचनात्मक लेखन का वे सोशल मीडिया पर बहुत ही लोकप्रिय ढंग से बौद्धिक रूपांतरण कर रहे थे। आज के फासीवादी निज़ाम के असंवैधानिक, सांप्रदायिक और विभाजनकारी मंसूबों पर जिस पैनी नज़र से वे सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते थे, वह आज के वक्त की एक अनिवार्य मांग थी। हर तरह के वैचारिक विचलन पर, चाहे वह व्यक्तियों का रहा हो या संगठन का, उनकी राय बिना लागलपेट के साफगोई लिए हुए होती थी। हालांकि संगठनों के वैचारिक और अवसरवादी विचलन पर चिंतित होते हुए भी वे सार्वजनिक तौर पर सीधे तीखा बोलने से थोड़ा परहेज करते थे। शायद इसलिए कि इससे संगठनों को नुकसान पहुंचेगा और इसका फायदा प्रतिगामी ताकतें उठाएंगी।

आज के बेहद चुनौतीपूर्ण समय में अपनी इस अडिग प्रतिबद्धता के लिए ही वे हिंदी आलोचना के एक अनिवार्य जन बुद्धिजीवी थे। अरुंधति रॉय उनकी प्रिय लेखक यूं ही नहीं थीं! इस लिहाज से वीरेंद्र जी का जाना वाकई एक अपूर्णीय बौद्धिक क्षति है। प्रतिरोध की बौद्धिक सक्रियता और निरंतरता को जारी रखने के लिए हिंदी के बौद्धिक समुदाय को इस कमी को पूरा करने के लिए खुद को तैयार करना होगा। यह जिम्मेदारी लेकर ही उनकी हस्तक्षेप की जन बौद्धिक भूमिका को आगे बढ़ाया जा सकता है। और यही सही मायने में उन्हें याद करना होगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

शंकराचार्य से प्रमाण मांगना दुर्भाग्यपूर्ण : अजय राय

संविधान बचाओ संवाद को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने किया संबोधित

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

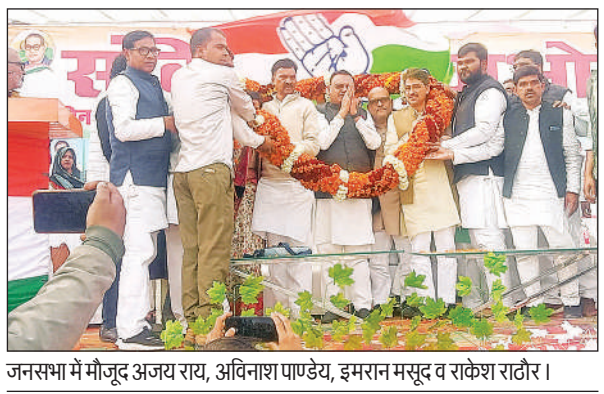

जनसभा में मौजूद अजय राय, अविनाश पाण्डेय, इमरान मसूद व राकेश राठौर।

अमृत विचार: कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय बोले कि शंकराचार्य से प्रमाण मांगना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जब संतों से प्रमाण मांगा जा रहा है तो आमजन के साथ क्या बीत रही है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। कहा कि किसान और युवा एकजुट होकर इन राक्षसी शक्तियों को परास्त कर सकती है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सीतापुर के सेउता विधानसभा क्षेत्र के रेउसा में संविधान बचाओ संवाद को संबोधित कर रहे थे। बहराइच, लखीमपुर, बाराबंकी सहित आसपास क्षेत्रों से जुटे किसानों और युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि इन राक्षसी प्रवृत्तियों को समाप्त करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि जैसा व्यवहार शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के साथ जो हुआ, वो दुर्भाग्यपूर्ण है। इस शासन में संतों को अपमानित कर उनका प्रमाण मांगा जा रहा है। जनसभा को अनुप्रिया वर्मा, सुनीता चौधरी, शिव प्रकाश सिंह सहित अन्य संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में इलाका वासियों के अलावा पड़ोसी जनपद बहराइच, लखीमपुर खीरी और बाराबंकी जनपद के किसान और पार्टी कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

पहले टारगेट पर मौलाना अब संत: सहारनपुर सांसद इमरान मसूद कहते हैं कि पहले भाजपा के निशाने पर मुस्लिम समाज और मौलाना हुआ करते थे, अब साधु संतों और मंदिर और शिखाएं हैं। एकजुट होकर इनका सामने करने का समय आ गया है। जातीय जनगणना को लेकर किसानों और युवाओं ने संवाद किये। बहराइच से आए रामकिशुन, अर्जुन, नन्हा और सेवता के कैलाश, राजू, नोखे आदि ने बताया कि एसआईआर पर उसके परिवारों के उन लोगों के वोट काट दिए गए जो वर्षों से वोट देते रहे हैं।

ऋण फर्जीवाड़ा में 12 पर केस दर्ज

करनैलगंज, गोंडा, अमृत विचार : भारतीय स्टेट बैंक की करनैलगंज शाखा में ऋण से जुड़े बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। शाखा प्रबंधक प्रशांत सिंह की शिकायत पर न्यायालय के आदेश से कोतवाली पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक आरोपियों ने बैंक से ऋण लेने के लिए कूटरचित दस्तावेज लगाए, कुछ ने बंधक रखी गई जमीन बेच दी और कई लोगों ने एक ही दस्तावेज पर दो-दो बैंकों से कर्ज ले लिया। इससे बैंक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सतगुरु व सत्रोहन निवासी ग्राम चमरी ने बैंक से क्रमशः 2.02 लाख और 2.52 लाख रुपये का ऋण लिया था। बाद में बंधक रखी जमीन का विक्रय कर दिया। फूलमती निवासी नकहरा ने 2.60 लाख रुपये का ऋण लिया, जबकि दूसरे बैंक से भी कर्ज लिया गया। निरंजन निवासी दनापुर, राजकुमार निवासी माधवपुर और आनंद कुमार निवासी मुंडेरवा ने क्रेडिट कार्ड से क्रमशः 2 लाख, 2.54 लाख और 3.22 लाख रुपये निकाले, लेकिन अदायगी नहीं की।

माल में देवी खेड़ा की मुख्य सड़क पर जल पाइप क्षतिग्रस्त, राहगीर परेशान

निर्मल सैनी, माल (लखनऊ)

पाइप टूटी होने से मुख्य सड़क पर हुआ जलभराव। अमृत विचार

अमृत विचार : विकासखंड माल अंतर्गत ग्राम पंचायत मुड़ियारा के देवी खेड़ा गांव में नल-जल योजना का पाइप पिछले दो महीनों से क्षतिग्रस्त है। मुख्य सड़क पर यह पाइप टूटा हुआ है, जिससे प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। ग्रामीण हरछट, प्रताप, नान्हू, वीरेंद्र सिंह, उमेश आदि के अनुसार, सुबह और शाम पानी की आपूर्ति के दौरान सड़क पर झरने की तरह पानी बहता रहता है।

सड़क पर कीचड़ और फिसलन से राहगीर परेशान : टंकी से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति की जाती है, लेकिन पाइप फटने के कारण अधिकांश पानी सड़क पर फैल जाता है। इससे न केवल पानी की भारी बर्बादी हो रही है, बल्कि सड़क पर कीचड़ जमने से आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। राहगीरों, स्कूली बच्चों और बाइक सवारों को रोजाना फिसलन और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। मरम्मत को लेकर विभागीय उदासीनता से ग्रामीण नाराज़ हैं। हरछट, प्रताप, नान्हू, वीरेंद्र सिंह, उमेश सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य सड़क पर यह पाइप महीनों से टूटा पड़ा है। विभागीय अधिकारियों को कई बार सूचना देने के बावजूद मरम्मत नहीं कराई गई है, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है।

योजना की अनदेखी से 'हर घर जल' पर सवाल : ग्रामीणों का कहना है कि सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर 'हर घर जल' योजना चला रही है, लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के कारण इस योजना का मूल उद्देश्य ही कमजोर पड़ रहा है। पानी की बर्बादी और सड़क पर गंदगी से लोग परेशान हैं।

क्या बोले जिम्मेदार

इस संबंध में जूनियर इंजीनियर बतन शर्मा ने बताया कि मामला संज्ञान में है। दो सप्ताह हुए हैं। आज ब्लॉक के मसीढा रतन में लीकेज का कार्य चल रहा है। आजकल में वहां भी मरम्मत करवा दी जाएगी।

दुकान से 2.50 लाख रुपये चोरी

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार: कोतवाली अयोध्या अंतर्गत महोबरा चौराहे स्थित एक दुकान में घुसे चोर कैश काउंटर में रखे 2.50 लाख रुपये चुरा ले गए। पीड़ित दुकानदार विपिन जायसवाल निवासी ककरही बाजार थाना कैंट ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि महोबरा चौराहे पर उनका सरोज मार्बोनाइट के नाम से एक प्रतिष्ठान है। 19 जनवरी की रात करीब 8:30 बजे वह रोज की तरह दुकान बंद कर घर चले गए थे। 20 जनवरी की सुबह जब दुकान खोली तो देखा शोरुम का व मेरे निजी केबिन का कैश काउंटर टूटा हुआ था तथा उसमें रखे करीब 2.50 लाख रुपये गायब थे। मौके पर एक बीड़ी व रैपर, माचिस की जली तीली व कई जली हुई बीडियां पड़ी थी। कोतवाल पंकज सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर विवेचना की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।

कार्यक्रम में मौजूद विशिष्टजन। ● अमृत विचार

स्थापना दिवस पर भंडारा आयोजित

लखनऊ, अमृत विचार : वसंत पंचमी पर सत्येंद्र तिवारी द्वारा संचालित नंदिनी गोशाला में 15वां स्थापना दिवस एवं भंडारे का आयोजन किया गया। यह कार्य गत 15 वर्षों से संचालित किया जा रहा है। नंदिनी गोशाला की विशेषता यह है कि यहां उन गायों का पालन-पोषण किया जाता है जो बीमार, शारीरिक रूप से कमजोर, अपंग होती हैं। इस अवसर पर गोशाला के संचालक सत्येंद्र तिवारी एवं उनकी धर्मपत्नी अंशु तिवारी, जावेंद्र तिवारी, अरविंद तिवारी, राकेश तिवारी प्रधान जी सुरेंद्र दीक्षित, आशीष त्रिपाठी, अभय दीक्षित, मनीष मिश्रा, शिवम् अवस्थी एवम एडवोकेट विवेक शुक्ला व अनेक प्रशासनिक अधिकारी, डॉक्टर, जनप्रतिनिधि एवं समाज के प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

बच्चों द्वारा बनायी गयीं कलाकृतियां। ● अमृत विचार

पेपर क्राफ्ट वर्ल्ड में बच्चों ने दिखायी प्रतिभा

लखनऊ, अमृत विचार : सेंट फ्रांसिस कॉलेज, हजरतगंज की कक्षा एक सी एवं एक डी के छात्रों ने पेपर क्राफ्ट वर्ल्ड थीम पर आधारित हस्तशिल्प प्रदर्शनी में प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में पांच वर्ग शामिल थे— बीन क्राफ्ट, लीफ क्राफ्ट, न्यूज़पेपर क्राफ्ट, गणतंत्र दिवस पर आधारित क्राफ्ट तथा पेपर रोल क्राफ्ट। प्रदर्शनी में बच्चों ने सरल, पर्यावरण–अनुकूल एवं पुन: उपयोग योग्य सामग्रियों का प्रयोग करते हुए रंग-बिरंगे बीन एनिमल्स, प्राकृतिक पत्तियों से बनी कलाकृतियाँ, समाचार पत्रों से निर्मित कल्पनाशील मॉडल, देशभक्ति से प्रेरित तिरंगे पर आधारित शिल्प और पेपर रोल से उपयोगी वस्तुएँ तैयार कीं। मार्गदर्शन अनिशा वर्मा एवं मोनिका थॉमस ने किया।

भाजपाइयों ने मनाया आयुष मंत्री का जन्मदिन

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु के जन्मदिन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें केक काटकर शुभकामनाएं दी। यह कार्यक्रम प्रदेश स्थापना दिवस समारोह के समापन के बाद बलिया से लखनऊ जाते समय पूर्वांचल एक्सप्रेसवे 161 पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद अंबेडकर नगर के भाजपा जिलाध्यक्ष और अयोध्या के जिला प्रभारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा के जिलामंत्री विनय पांडे, डॉ. अमित त्रिपाठी, डॉ. संतोष सिंह, नन्द तिवारी राना, रमाशंकर उपाध्याय सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। डा. दयालु ने कहा कि कार्यकर्ताओं का स्नेह उन्हें नई ऊर्जा के साथ जनता की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

राम कथा संग्रहालय में स्थापित होगी रामायण की 233 वर्ष पुरानी पांडुलिपि

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : सरयू तट स्थित अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय में 233 साल पुरानी बाल्मीकि रामायण की दुर्लभ संस्कृति पांडुलिपि को भी रखा जाएगा। जिसे आने वाले श्रद्धालु भी देख सकेंगे। जिसे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति श्रीनिवास वरखेड़ी ने दिल्ली में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सदस्य व निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र से मुलाकात कर सौंपा है। जल्द ही यह पांडुलिपि अयोध्या पहुंच जाएगी। राम जन्मभूमि भव्य मंदिर निर्माण के बाद दुनिया भर के भाषाओं में लिखे रामायण को संग्रहित करने की तैयारी कर रहा है। जिसको लेकर देश के विभिन्न हिस्सों और अलग-अलग देशों में रहने वाले लोगों से संपर्क किया जा रहा है। इसी के तहत सबसे प्राचीन रामायण को राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा संचालित अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय को सौंपा गया है। मिली जानकारी के मुताबिक सन 1849 में देवनागरी लिपि में इस रामायण के पांच कांड शामिल है। इसमें बालकांड, अरण्यकांड, किष्किंधा कांड, सुंदरकांड और युद्ध कांड है। यह पांडुलिपि इसके पहले राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली को सौंपी गई थी। अब इसे स्थाई रूप से अयोध्या में संरक्षित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय को समर्पित किया गया है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी अमावां, रायबरेली।

पत्रांक–296 /आंकिक / निविदा–आमावां / 2025–26 दिनांक– 24/01/26

अल्पकालीन निविदा–आमंत्रण

विकास खण्ड अमावां रायबरेली में क्षेत्र पंचायत अमावां में निम्नलिखित निर्माण कार्य को कराये जाने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02.02.2026 से दिनांक 09.02.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से कैशियर पटल से नगद क्रय किये जा सकते है। पूर्ण रूप से भरी निविदायें दिनांक 09.02.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक विकास खण्ड कार्यालय में निविदा पेटी में डाले जा सकते है। प्राप्त निविदायें दिनांक 09.02.2026 को अपरान्ह 03: 00 बजे निविदा कमेटी के समक्ष खोली जायेगी।
निर्धारित समय के पश्चात कोई निविदा स्वीकार नही की जायेगी तथा बिना कारण बताये किसी निविदा या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी अमावां का होगा। निविदा खोलने के पश्चात इस कार्यालय के आदेश संख्या–244/ दिनांक–20.01.2026 के अनुसार अर्ह ठेकेदारों / फर्मों में से एल–1 फर्म/ठेकेदार का पंजीकरण क्षेत्र पंचायत कार्यालय में कराया जाना अनिवार्य होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	योजना का नाम	कार्य की मात्रा	कार्य की प्राक्कलित लागत	धरोहर की धनराशि		निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	ग्राम पंचायत रसेहता में पत्थरकटन के पुरवा तक इण्टरलाकिंग निर्माण (पंचम पासी के दरवाजे से रूस्तम खों के पुरवा तक	राज्य वित्त	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
2	जतुआ टिकरवल में पक्की सड़क से नागेन्द्र सिंह के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	राज्य वित्त	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
3	ग्राम पंचायत मंचितपुर पूरे पासिन में बब्बू पासी के टियूबवेल से मंगली पासी के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	राज्य वित्त	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
4	ग्राम पंचायत रसेहता में अर्जुन सिंह के दरवाजे से होम्योपैथिक अस्पताल तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	राज्य वित्त	200 मी0	700000.00	14000	56000	1500	3 माह
5	ग्राम पंचायत सिधौना में शिवा के पुरवा में पक्की रोड़ से रामकिशुन पासी के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य।	केन्द्रीय वित्त (अनटाइड)	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
6	बावन बुजुर्ग बल्ला में मैन रोड़ से कमला देवी ट्रस्ट तक इण्टरलाकिंग कार्य।	राज्य वित्त	100 मी0	400000.00	8000	32000	1000	3 माह
7	हरदासपुर में मेन रोड़ से संजय अग्रवाल के पालेसर तक इण्टरलाकिंग कार्य	राज्य वित्त	175 मी0	900000.00	19980	79920	1500	3 माह
8	अमावां में झारखण्डेश्वर मंदिर से रवि श्रीवास्तव के दरवाजे तक इण्टरलाकिंग कार्य	केन्द्रीय वित्त (अनटाइड)	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
9	मुजफ्फरपुर में मथुरा के घर से गंगा मास्टर के दरवाजे तक इण्टरलाकिंग कार्य	राज्य वित्त	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
10	ग्राम पंचायत मैनूपुर के गेरखुआ में रामदास के दरवाजे से शंकर मौर्या के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	केन्द्रीय वित्त (अनटाइड)	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
11	हैबतमऊ में मेन रोड़ से रायबरेली इण्टरनेशनल स्कूल तक इण्टरलाकिंग कार्य।	राज्य वित्त	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
12	दाउदनगर में पचवर में डागर रोड़ से राजनरायण मौर्या के घर तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	राज्य वित्त	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
13	समरहदा पूरे नक्की में पक्की सड़क से छोटेलाल नाई के दरवाजे तक इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	केन्द्रीय वित्त (अनटा इड)	200 मी0	999000.00	19980	79920	1500	3 माह
14	विकास खण्ड मुख्यालय पर मल्टी यूनिट शौचालय का निर्माण कार्य	केन्द्रीय वित्त (टाइड)	1 नग	500000.00	10000	40000	1000	3 माह
15	जतुआ टप्पे विझवन में गौ आश्रय स्थल में पानी की चरही का निर्माण	केन्द्रीय वित्त (टाइड)	1 नग	200000.00	4000	16000	1000	3 माह
16	ब्लाक परिसर में मरम्मत का कार्य	राज्य वित्त	50 मी0	300000	6000	24000	1000	3 माह

नियम एवं शर्तें–
1. पूर्ण रूप से भरे निविदा प्रपत्र के साथ कार्य लागत की 02 प्रतिशत की धनराशि (कालम 05 में अंकित) का एफ0डी0 जो खण्ड विकास अधिकारी अमावां के नाम बंधक हो, को सील्ड लिफाफे में जमा किया जाना है। लिफाफे पर कार्य का नाम व फर्म का नाम स्पष्ट रूप से अंकित किया जाना होगा।
2. निविदा के साथ जिलाधिकारी द्वारा जारी किया गया हैसियत प्रमाण–पत्र, अनुभव प्रमाण–पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, जी0एस0टी0 पंजीकरण तथा आधार कार्ड, पैनकार्ड भी संलग्न करना होगा।
3. किसी फर्म की हैसियत से अधिक मूल्य की निविदायें स्वीकृत होने पर हैसियत के बराबर मूल्य का ही कार्यादेश जारी किया जायेगा। अन्य निविदाओं को निरस्त माना जायेगा।
4. निविदा स्वीकृत होने पर कार्य लागत का 08 प्रतिशत (कालम 06 में अंकित) की धनराशि का एफ0डी0 जो खण्ड विकास अधिकारी अमावां के नाम बन्धक हो, को जमा करना होगा तथा रू0 100.00 के स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रारूप में अनुबन्ध पत्र बनाकर जमा करना होगा।
5. कार्यादेश जारी होने की तिथि से निर्धारित समय सीमा में ही कार्य पूर्ण करना होगा अन्यथा प्रति माह 02 प्रतिशत की विलम्ब पेनाल्टी की कटौती भुगतान से की जायेगी।
6. नियमानुसार अन्य कटौती जैसे जी0एस0टी0, आयकर, लेबर सेस व खनन रायल्टी इत्यादि की कटौती भुगतान से की जायेगी।

खण्ड विकास अधिकारी
अमावां, रायबरेली।

बरिस्ता कॉफी 900 करेगी स्टोरों की संख्या

नई दिल्ली/पटना। भारत की सबसे बड़ी घरेलू कॉफी शृंखला बरिस्ता कॉफी की योजना 2030 तक अपने नेटवर्क को 800-900 स्टोर तक बढ़ाने की है। कंपनी के सीईओ रजत अग्रवाल ने कहा कि कंपनी का मुख्य ध्यान अब टियर-2 और टियर-3 शहरों पर रहेगा। कंपनी ने हाल में पटना में अपना 500वां कैफे खोला है। भारत के युवाओं, विशेषकर छोटे शहरों के युवाओं में बढ़ती कॉफी संस्कृति और उनकी बढ़ती आय व आकांक्षाओं को देखते हुए कंपनी काफी उत्साहित है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 25 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

टाटा प्रोजेक्ट्स को मिला 840 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी एलान समूह ने गुरुग्राम में आवासीय परियोजना के निर्माण के लिए टाटा प्रोजेक्ट्स को 840 करोड़ का ठेका दिया है। एलान समूह ने बताया कि टाटा प्रोजेक्ट्स गुरुग्राम के सेक्टर 49 में उसकी नई आवासीय परियोजना एलान द स्टेटमेंट के निर्माण का कार्य करेगी। एलान समूह इस छह एकड़ की लक्जरी आवासीय परियोजना को विकसित करने के लिए 1,600 करोड़ का निवेश करेगा, जिसमें कुल 230 अपार्टमेंट होंगे। एलान समूह के चेयरमैन राकेश कपूर ने कहा कि इस स्तर की परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञता और इंजीनियरिंग की गहराई की आवश्यकता होती है। टाटा प्रोजेक्ट्स के पास सटीकता, विश्वसनीयता और तकनीकी विशेषज्ञता की विरासत है, जो समय की कसौटी पर खरे उतरने वाले आवास बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। ।

अल्ट्राटेक सीमेंट का मुनाफा 27% बढ़ा

मुंबई। आदित्य बिरला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट का समेकित शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 26.84% बढ़कर 1,729.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने शनिवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी। तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन राजस्व 21,829.68 करोड़ रहा जो सालाना आधार पर 22.78% है। कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध बिक्री 21,506 रुपये की रही जो सालाना 23% है। इस अवधि में स्थापित क्षमता की तुलना में उसका उत्पादन 77% रहा। एक साल पहले यह आंकड़ा 72% था।

कोटक महिंद्रा को 4,924 करोड़ का मुनाफा

हैदराबाद। कोटक महिंद्रा बैंक को तीसरी तिमाही में समेकित आधार पर 4,924 करोड़ का लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर 5% से अधिक है। बैंक के निदेशक मंडल की शनिवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गई। तिमाही के दौरान ब्याज से प्राप्त आय 17,507 करोड़ पहुंच गया जो सालाना आधार पर 5.25% की वृद्धि है। वहीं, बैंक ने ग्राहकों को 7,384 करोड़ का ब्याज दिया। गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के मामले में बैंक का प्रदर्शन बेहतर है। उसका सकल एनपीए घटकर 1.30% पर आ गया।

इंडिगो ने हवाई अड्डों पर 717 स्लॉट किए खाली

विमानन मंत्रालय ने अन्य एयरलाइनों से मांगे आवेदन

मुंबई, एजेंसी

- डीजीसीए ने सर्दियों की उड़ानों में 10% की कटौती करने के बाद कंपनी ने उठाया कदम

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों पर 700 से अधिक स्लॉट खाली कर दिए हैं। दिसंबर की शुरुआत में परिचालन में भारी व्यवधान को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरलाइन की सर्दियों की उड़ानों में 10% की कटौती कर दी थी, जिसके बाद कंपनी ने यह कदम उठाया। हवाई अड्डे पर किसी विमान के उड़ान भरने और उतरने के लिए दिए निश्चित समय को स्लॉट कहते है।

सूत्रों ने बताया कि खाली किए गए कुल 717 स्लॉट में से 364 दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे छह प्रमुख मेट्रो हवाई अड्डों के हैं। इनमें सबसे अधिक स्लॉट हैदराबाद और बेंगलुरु के हैं। ये स्लॉट जनवरी से मार्च की अवधि के लिए खाली किए गए हैं। इस घटनाक्रम के बीच, नागर विमानन मंत्रालय ने गुरुवार को अन्य एयरलाइनों से इंडिगो द्वारा खाली किए इन स्लॉट पर घरेलू उड़ानें संचालित करने को आवेदन मांगे हैं। सूत्र ने कहा कि इंडिगो ने मंत्रालय को 717 स्लॉट की सूची सौंपी है। पिछले साल दिसंबर में शीतकालीन उड़ानों के समय में 10% की कटौती के बाद इन्हें खाली किया गया है। डीजीसीए ने यह निर्देश अंतिम समय में उड़ानों के रद्द होने को रोकने और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिया था। इंडिगो को 2025-26 के शीतकालीन कार्यक्रम के तहत प्रतिदिन 2,144 उड़ानों के संचालन की अनुमति थी, जो 10 प्रतिशत की कटौती के बाद घटकर 1,930 रह गई है। पिछले साल 3 से 5 दिसंबर के बीच इंडिगो ने 2,507 उड़ानें रद्द की थीं और 1,852 उड़ानें देरी से चली थीं, जिससे देश भर में तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए थे। परिचालन में भारी व्यवधान को देखते हुए डीजीसीए ने इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी, जिसका सीधा अर्थ है कि एयरलाइन ने विभिन्न स्लॉट में अपनी सेवाओं का संचालन बंद कर दिया है। एयरलाइन उद्योग जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि अन्य एयरलाइनें इन स्लॉट को लेने में अधिक रुचि नहीं दिखा सकती हैं क्योंकि इतने कम समय में नेटवर्क की योजना बनाना और नए मार्गों पर उड़ानें शुरू करना संभव नहीं है।

किसी नए रूट को शुरू कर केवल एक महीने बाद बंद करना व्यावहारिक नहीं

विशेषज्ञों के अनुसार, किसी नए रूट को शुरू कर केवल एक महीने बाद उसे बंद करना व्यावहारिक नहीं है। इनमें से अधिकतर रेड-आई उड़ानें (देर रात या तड़के संचालित होने वाली उड़ानें) हैं, जिसके कारण एयरलाइनें इन्हें लेकर उत्साहित नहीं हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एयरलाइनों को भेजे गए संदेश में स्पष्ट किया है कि इच्छुक एयरलाइनों को खाली स्लॉट का उपयोग करने के लिए अपने मौजूदा मार्गों को बंद नहीं करना चाहिए। इससे पहले 17 जनवरी को डीजीसीए ने परिचालन में खामियों के लिए इंडिगो पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एलबर्स को चेतावनी भी दी थी। नियामक ने एयरलाइन को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने का भी निर्देश दिया है।

एयर इंडिया कुछ सीमाओं के साथ संचालित करेगी नया ड्रीमलाइनर, एफएए की मंजूरियों का इंतजार

नई दिल्ली। एयर इंडिया अपने नए बोइंग 787-9 विमान को कुछ सीमाओं के साथ संचालित करेगी। सूत्रों के अनुसार टाटा समूह के स्वामित्व वाली यह एयरलाइन विमान के बिजनेस क्लास सुइट्स में निजता के लिए खिसकने वाले दरवाजे और इकोनॉमी क्लास की 18 सीटों के लिए अमेरिकी नियामक एफएए (एफएए) की मंजूरी का इंतजार कर रही है। टाटा समूह के जनवरी 2022 में एयर इंडिया का स्वामित्व लेने के बाद इसके बेड़े में शामिल होने वाला यह पहला विशेष जरूरतों के हिसाब से बना ड्रीमलाइनर है। यह विमान एक फरवरी से मुंबई-फ्रैंकफर्ट मार्ग पर व्यावसायिक परिचालन शुरू करेगा। इस विमान में 296 सीटें हैं, जिनमें 30 बिजनेस क्लास, 28 प्रीमियम इकोनॉमी और 238 इकोनॉमी की सीटें हैं।

एमएसएमई के लिए ज्यादा ऋण, जीएसटी छूट की सीमा बढ़ाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- छूट की सीमा 40 लाख रुपये सालाना से बढ़ाकर 1.5 करोड़ करने की मांग की

भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट ने लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ज्यादा ऋण देने और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत छूट की सीमा 40 लाख रुपये सालाना से बढ़ाकर 1.5 करोड़ रुपये करने की मांग की है।

ट्रस्ट के संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी लक्ष्मी वेंकटरमन वेंकटेशन ने बजट से अपेक्षाओं पर कहा कि 10-11 साल में काफी प्रगति हुई है। इसके बावजूद, 30 लाख करोड़ रुपये के ऋण की कमी है। वर्तमान समय में केवल 16-19 प्रतिशत एमएसएमई तक ही औपचारिक ऋण की पहुंच है, जिसे 2028 तक कम से कम 25 प्रतिशत तक बढ़ाना आवश्यक है ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार किया जा सके। उन्होंने मुद्रा योजना के अंतर्गत विशेषकर शिशु श्रेणी में औसत ऋण 37,000 रुपये से बढ़ाने, चार प्रतिशत तक ब्याज सब्सिडी तथा शून्य या न्यूनतम प्रसंस्करण शुल्क लगाने की मांग की। उन्होंने 15 दिन के भीतर जीएसटी रिफंड चक्र लागू करने और विलंबित भुगतान पर 12 प्रतिशत वैधानिक ब्याज सुनिश्चित करने की भी मांग की है, विशेषकर हस्तशिल्प, खुदरा और सेवा क्षेत्र के सूक्ष्म उद्यमियों के लिए।

वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बरकरार : पेट्रोलियम मंत्री पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- गोवा में होने वाले भारत ऊर्जा सप्ताह के बारे में दी जानकारी

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल जारी रहने के बावजूद वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर हैं और मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है। गोवा में 27 जनवरी से शुरू होने वाले भारत ऊर्जा सप्ताह के संबंध में पुरी ने बताया कि ऊर्जा उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों को एक लचीला, टिकाऊ और भरोसेमंद बाजार सुनिश्चित करने में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

पुरी ने कहा कि एक साल में दुनिया अधिक रोमांचक और कुछ मायनों में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। वैश्विक स्तर पर तेल की कोई किल्लत नही है, लेकिन कुछ अन्य कारक बने हुए हैं। भारत अब 27 देशों से बढ़कर 41 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है। उन्होंने कहा कि गुयाना, सूरीनाम और ब्राजील जैसे देशों से ऊर्जा आपूर्ति बढ़ रही है। पुरी ने बताया कि मुझे नहीं पता कि वेनेजुएला या ईरान से अधिक आपूर्ति आएगी या नहीं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वेनेजुएला या ईरान की घटनाओं से आपूर्ति में कोई कमी आने वाली है। भारत में ऊर्जा उपलब्धता के प्रति आश्वस्ति जताते हुए कहा कि वह आने वाले समय में किसी भी कमी की उम्मीद नहीं करते हैं।

विझिंजम बंदरगाह के दूसरे चरण में 16,000 करोड़ का निवेश करेगी अडाणी पोर्ट्स

तिरुवनंतपुरम। अडाणी पोर्ट्स विझिंजम समुद्री बंदरगाह के दूसरे चरण का विकास लगभग 16,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से करेगी। सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में आधिकारिक घोषणा शनिवार को होने वाले उद्घाटन समारोह के दौरान हो सकती है।

- बंदरगाह की मौजूदा क्षमता में 41 लाख टीईयू का होगा इजाफा

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन विकास के दूसरे चरण का उद्घाटन शनिवार शाम करेंगे। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) को उम्मीद है कि दूसरे चरण का विकास विझिंजम को भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा पारेषण केंद्र बना देगा। इससे बंदरगाह की मौजूदा क्षमता में 41 लाख टीईयू (20 फुट के बराबर की इकाई) का इजाफा होगा। विझिंजम वर्तमान में भारत का सबसे उन्नत और पूरी तरह से स्वचालित पारेषण केंद्र है, लेकिन इसके दूसरे चरण का विकास अत्याधुनिक तकनीकों और उपकरणों के साथ किया जाएगा।

राष्ट्रीय किराया आवास मिशन शुरू करे सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- रियल एस्टेट कंपनियों के शीर्ष निकाय क्रेडाई ने बजट से पहले दिया सुझाव

देश में रियल एस्टेट कंपनियों के शीर्ष निकाय क्रेडाई ने सरकार से आगामी आम बजट में राष्ट्रीय किराया आवास मिशन शुरू करने की मांग की है। निकाय ने सुझाव दिया है कि इस मिशन के तहत डेवलपर्स और किरायेदारों, दोनों को कर प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। क्रेडाई ने अपने बजट पूर्व सुझावों में किफायती आवास की परिभाषा में बदलाव करने और 45 लाख रुपये की मूल्य सीमा को संशोधित करने की मांग भी दोहराई।

इसके अलावा, एसोसिएशन ने आवास ऋण के ब्याज पर मिलने वाली कर कटौती की सीमा को वर्तमान दो लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने का आग्रह किया है। क्रेडाई ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण प्रवासी लोगों की संख्या बढ़ रही है, लेकिन संगठित किराया आवास क्षेत्र अब भी अविकसित है। एसोसिएशन ने सिफारिश की कि टियर-1 और टियर-2 शहरों में बड़े पैमाने पर किफायती किराये के मकान विकसित करने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन बनाया जाए। इससे किराया बाजार औपचारिक बनेगा और अनधिकृत बस्तियों के प्रसार पर रोक लगेगी।

क्रेडाई के अध्यक्ष शेखर पटेल ने कहा कि आर्थिक वृद्धि, रोजगार और शहरी बदलाव के लिए आवास क्षेत्र एक महत्वपूर्ण इंजन है। भारत के तेजी से होते शहरीकरण के साथ तालमेल बिठाने के लिए एक मजबूत किराया आवास पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना बेहद आवश्यक है। निकाय ने इस बात पर जोर दिया कि किफायती आवास के मानक 2017 से नहीं बदले गए हैं। वर्तमान में मेट्रो शहरों में 60 वर्ग मीटर और अन्य शहरों में 90 वर्ग मीटर के साथ 45 लाख रुपये की सीमा तय है, जो बढ़ती जमीन और निर्माण लागत से अब व्यावहारिक नहीं रह गई है।

राष्ट्रीय

आंकड़ों में विसंगतियों वाले मतदाताओं की सूची जारी करने पर अनिश्चितता

बीएलओ को समय पर आवश्यक सॉफ्टवेयर प्राप्त नहीं होने से निर्वाचन आयोग को परेशानी

कोलकाता, एजेंसी

- अधिकारी बोले- सॉफ्टवेयर आखिरी समय में मिला तो डाउनलोड करना प्रिंट और प्रदर्शित करना मुश्किल

निर्वाचन आयोग को शनिवार तक आंकड़ों में विसंगतियों वाले मतदाताओं की सूची प्रकाशित करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पालन करने में अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को समय पर आवश्यक सॉफ्टवेयर प्राप्त नहीं हुआ है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सुप्रीम कोर्ट ने 19 जनवरी को निर्वाचन आयोग को तार्किक विसंगतियों की सूची में शामिल लोगों और अनमैप्ड मतदाताओं के नाम पंचायत और ब्लॉक कार्यालयों में प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमें शुक्रवार रात तक सॉफ्टवेयर नहीं मिला। अगर सॉफ्टवेयर आखिरी समय में भी हमारे पास पहुंचता है, तो भी कुछ ही घंटों में इतनी बड़ी मात्रा में आंकड़ों को डाउनलोड करना, प्रिंट करना और प्रदर्शित करना मुश्किल होगा। बीएलओ पहले से ही सुनवाई प्रक्रिया में लगे हैं। व्यवस्था के लिहाज से यह बड़ी चुनौती है। प्रकाशित होने वाली सूची में उन लोगों के नाम भी शामिल होंगे, जिनके आंकड़ों में विसंगतियां हैं। साथ ही उन मतदाताओं के नाम भी होंगे जिनके डेटा का 2002 की मतदाता सूची रिकॉर्ड से मिलान नहीं हुआ है यानी अनमैप्ड मतदाता, जिनकी कुल संख्या 1.26 करोड़ है।

जल्दबाजी में किया गया एसआईआर, लोकतांत्रिक भागीदारी को हो सकता है खतरा : अमर्त्य सेन

कोलकाता। नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने पश्चिम बंगाल में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर गहरी चिंता जताते हुए चेतावनी दी कि यह कवायद अनावश्यक जल्दबाजी में की जा रही है और कुछ ही महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह लोकतांत्रिक भागीदारी को खतरे में डाल सकती है। सेन (92) ने बोस्टन से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लोकतांत्रिक महत्व पर कहा कि यह प्रक्रिया तभी मताधिकारों को मजबूत कर सकती है, जब इसे सावधानी के साथ और पर्याप्त समय लेकर अंजाम दिया जाए। बंगाल के मामले में ये दोनों शर्तें नदारद हैं। मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण अगर सावधानी से और पर्याप्त समय लेकर किया जाए तो यह अच्छी लोकतांत्रिक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन इस समय पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं हो रहा है।

निर्वाचन आयोग वोट चोरी की साजिश का सहभागी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को गुजरात में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत मुख्य विपक्षी दल समर्थक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जाने का दावा किया और आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग अब लोकतंत्र का रक्षक नहीं, इस वोट चोरी की साज़िश का मुख्य सहभागी है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि एसआईआर को एक व्यक्ति, एक वोट के संवैधानिक अधिकार को ख़त्म करने के हथियार में बदल दिया गया है, ताकि भाजपा तय करे कि सत्ता में कौन रहेगा। राहुल गांधी ने एक्स पर गुजरात कांग्रेस कमेटी के एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दावा किया कि गुजरात में एसआईआर के नाम पर सुनियोजित, संगठित और रणनीतिक वोट चोरी की जा रही है। राहुल गांधी ने कहा, जहां-जहां एसआईआर, वहां-वहां वोट चोरी। गुजरात में एसआईआर के नाम पर जो कुछ किया जा रहा है, वह कोई प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है।

शिक्षक पद संबंधी आदेश पर राज्य सरकार से जवाब मांगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने मानदंडों में संशोधन की महाराष्ट्र सरकार के आदेश के विरुद्ध याचिका पर की सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने नामांकित छात्रों की संख्या के आधार पर शिक्षक पद स्वीकृत करने के मानदंडों में संशोधन करने संबंधी मार्च 2024 के सरकारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र सरकार को जवाब के लिए नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आलोक आराधे की पीठ ने सिंधुदुर्ग जिला शिक्षण संस्था चालक मंडल की याचिका पर राज्य सरकार, शिक्षा आयुक्त और अन्य को नोटिस जारी किए। याचिका में दावा किया गया कि सरकारी आदेश (जीआर) विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात के संबंध में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की नीति और योजना के विपरीत है। राज्य सरकार द्वारा 15 मार्च, 2024 को जारी सरकारी आदेश (जीआर) के जरिये प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की संख्या के आधार पर शिक्षकों के पदों को स्वीकृत करने के मानदंडों को संशोधित किया गया। अधिवक्ता अजित प्रवीण वाघ के जरिये याचिका में कहा गया कि उक्त सरकारी आदेश का परिणाम यह है कि जिन विद्यालयों में छात्रों की संख्या एक निश्चित संख्या से अधिक नहीं है, वहां कई कक्षाओं के लिए केवल एक शिक्षक होंगे। याचिका में दावा किया गया है, आरटीई अधिनियम, 2009 के विपरीत, दिनांक 15.03.2024 के इस सरकारी आदेश में विद्यार्थी-शिक्षक अनुपात आंकने के लिए कक्षा को इकाई के रूप में नहीं माना गया है, बल्कि एक अनुभाग यानी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक को इकाई के रूप में माना गया है। याचिका में कहा गया है कि इसके परिणामस्वरूप, कम छात्रों वाले कई स्कूल/पड़ोस के स्कूल बंद हो जाएंगे, जिससे आरटीई अधिनियम 2009 का उद्देश्य विफल हो जाएगा।

उच्च न्यायालय प्राथमिक प्रहरी उन्हें अधिक सक्रिय होना चाहिए

मुंबई, एजेंसी

- सीजेआई बोले-न्याय में देरी न्याय से इनकार के साथ न्याय का विनाश

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि उच्च न्यायालयों को कानून के शासन में व्यवस्थागत विफलताओं को लेकर अधिक सतर्क और सक्रिय रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, न्याय में देरी न केवल न्याय से इनकार है, बल्कि न्याय का विनाश है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मध्यस्थता और सुलह के तंत्र को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया।

प्रधान न्यायाधीश ने यहां दो कार्यक्रमों में अपने विचार रखे। उन्होंने फली नरीमन स्मृति व्याख्यान में बोलने के बाद बंबई उच्च न्यायालय की ओर से आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित किया। फली नरीमन स्मृति व्याख्यान में अपने संबोधन में सीजेआई ने उच्च न्यायालयों से कानून के शासन में व्यवस्थागत विफलताओं को लेकर अधिक सतर्क और सक्रिय रहने का आग्रह किया। कहा कि उच्च न्यायालय ऐसे मामलों में अपने दरवाजे पर दस्तक दिए जाने का इंतजार न करें।

मध्यस्थता परिपक्व न्याय के साधन

सीजेआई ने कहा, न्याय का भविष्य न केवल विवादों के कुशल निपटारे पर, बल्कि उन्हें बुद्धिमत्तापूर्वक सुलझाने पर भी निर्भर करता है। मध्यस्थता और सुलह केवल सुविधा के विकल्प नहीं हैं, बल्कि परिपक्व न्याय के साधन हैं। प्रधान न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया कि उच्च न्यायालय केवल शीर्ष अदालत तक पहुंचने का माध्यम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय आम नागरिक की दहलीज की रक्षा करने वाले प्राथमिक प्रहरी हैं, जो तय करते हैं कि कानून का शासन दूर की अवधारणा नहीं।

जनजातीय संवाद

संघ प्रमुख बोले, हिंदू शब्द बाद में आया लेकिन इसका सार जल, जंगल और खेती में निहित

विशेष पूजा पद्धति नहीं एक साथ रहने का तरीका है हिंदू धर्म : भागवत

रांची, एजेंसी

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मोहन भागवत।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को यहां आदिवासी समूहों के साथ बंद कमरे में हुई बातचीत के दौरान विविधता में एकता के महत्व पर जोर दिया। उनसे बातचीत करते हुए भागवत ने कहा कि हिंदू धर्म किसी विशेष पूजा पद्धति का नाम नहीं, बल्कि एक साथ रहने का एक तरीका है।

आरएसएस के एक बयान में भागवत के हवाले से कहा गया है कि भारत की पहचान विविधता में एकता पर आधारित है। पूजा पद्धति के तरीके भले ही भिन्न हों, लेकिन सभ्यता के मूल मूल्य एक समान रहते हैं। दशकों के अनुभव और चिंतन के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि समाज को सामूहिक रूप से काम करना चाहिए, क्योंकि तमाम विविधताओं के बावजूद हम मूलतः एक हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू शब्द बाद में सामने आया, लेकिन इसका सार जल, जंगल और खेती में निहित है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वेद और उपनिषद दर्शन की उत्पत्ति प्रकृति के साथ इसी संबंध से हुई है, और अथर्ववेद विविधता के प्रति सम्मान के विचारों को प्रतिबिंबित करता है, जहां धरती माता सभी चीजों का पोषण करती है और सभी भाषाओं का सम्मान किया जाता है।

आदिवासियों की समस्याओं का किया जाएगा समाधान

भागवत ने जनजातीय संवाद कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समूहों के प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों को सुना, जिनमें धर्मांतरण, पेसा नियमों में कथित खामियां और सूची से नाम हटाना शामिल थे। आदिवासी मुद्दों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की समस्याएं पूरे देश की समस्याएं हैं। भागवत ने आश्वासन दिया कि आदिवासी समुदाय की चिंताओं को प्रधानमंत्री तक पहुंचाया जाएगा और उनके समाधान खोजने के प्रयास किए जाएंगे।

झारखंड में लागू किए गए पेसा नियमों में कथित खामियों के खिलाफ मुखर रहने वाली कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव की बेटी निशा उरांव ने कहा कि उन्होंने भागवत के साथ बातचीत के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें बताया कि नियमों में प्रथागत कानूनों, सामाजिक और धार्मिक रीति-रिवाजों का कोई उल्लेख नहीं है, जो इस अधिनियम का मूल आधार हैं। इस खामी से आदिवासियों को भारी नुकसान होगा। यह आदिवासी लोगों के हित में नहीं है। आदिवासी समुदायों के अधिकारों को मान्यता देने वाला पेसा अधिनियम 1996 में बना था।

भारतीय मूल के व्यक्ति ने पत्नी, तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर की हत्या

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● अमेरिका के जॉर्जिया में घटना के बाद हमलावर गिरफ्तार

अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में पारिवारिक विवाद के कारण भारतीय मूल के 51 वर्षीय व्यक्ति को पत्नी और तीन रिश्तेदारों की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ग्विनेट काउंटी पुलिस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि आरोपी विजय कुमार को लॉरेंसविले शहर में उस आवास से थोड़ी ही दूरी पर हिरासत में लिया गया जहां शुक्रवार को गोलीबारी की घटना हुई थी।

ग्विनेट काउंटी पुलिस ने मरने वालों की पहचान कुमार की पत्नी मीमू डोगरा (43) जो भारतीय नागरिक है और रिश्तेदारों गौरव

कुमार (33), निधि चंदर (37) और हरीश चंदर (38) के रूप में की है। अटलांटा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कहा कि पारिवारिक विवाद से जुड़ी गोलीबारी की घटना से हम बेहद दुखी हैं। घटना में मारे गए लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल है। कथित हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है और पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि अटलांटा स्थित अपने घर में कुमार और डोगरा के बीच कहासुनी शुरू हो गई और वे अपने 12 वर्षीय बच्चे के साथ ब्रुक आइवी कोर्ट स्थित अपने रिश्तेदारों के घर चले गए। पुलिस ने बताया कि गौरव कुमार, निधि चंदर और हरीश चंदर सात और दस साल के दो बच्चों के साथ ब्रुक आइवी कोर्ट स्थित घर में रहते थे। पुलिस ने बताया कि कुमार के बच्चे ने ही 911 पर कॉल किया था। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि विवाद किस बात पर हुआ। वे यहां इस आवास पर क्यों आए या घटना किस वजह से हुई।

किल स्विच ने मुहैया कराया

डिजिटल क्रांति ने भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया है, इसके साथ ही साइबर अपराधियों का जाल भी गहरा हुआ है। वर्ष 2026 तक आते-आते डिजिटल अरेस्ट और यूपीआई फ्रॉड जैसे शब्द आम हो गए हैं, जहां अपराधी मनोवैज्ञानिक दबाव और तकनीक का दुरुपयोग कर मासूम लोगों की गाढ़ी कमाई लूट रहे हैं। इस संकट से निपटने के लिए बैंकिंग प्रणाली और भारतीय रिजर्व बैंक ने किल स्विच जैसी सुविधा पेश की है। यह केवल एक तकनीकी फीचर नहीं है, बल्कि आपातकालीन सुरक्षा वाल्व है। जिस तरह घरों में शॉर्ट-सर्किट होने पर मेन स्विच बंद कर दिया जाता है, उसी तरह किल स्विच ग्राहक को यह शक्ति देता है कि वह संदिग्ध गतिविधि महसूस होते ही एक क्लिक में अपनी सभी डिजिटल बैंकिंग सेवाओं को फ्रीज कर सकें।

डिजिटल सुरक्षा चक्र

धोखाधड़ी से बचने के उपाय

- मजबूत पासवर्ड और पिन : अपने खातों के लिए अद्वितीय और मजबूत पासवर्ड और पिन का उपयोग करें और उन्हें कभी भी साझा न करें।
- जागरूकता : अज्ञात कॉल, संदेशों या ईमेल से सतर्क रहें जो संवेदनशील जानकारी मांगते हैं या तत्काल कार्रवाई का दबाव बनाते हैं।
- आधिकारिक स्रोत : आधिकारिक बैंकिंग ऐप्स और वेबसाइटों का उपयोग करें और सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क पर वित्तीय लेनदेन करने से बचें।
- नियमित निगरानी : बैंक खातों और लेनदेन की नियमित रूप से निगरानी करें ताकि किसी भी अनधिकृत गतिविधि का तुरंत पता लगाया जा सके।

किल स्विच कैसे करता है काम

- तत्काल कार्रवाई : किल स्विच को सक्रिय करने से सभी आउटगोइंग डिजिटल लेनदेन (यूपीआई, नेट बैंकिंग, कार्ड) तुरंत रुक जाते हैं।
- व्यापक सुरक्षा : यह सुविधा विभिन्न डिजिटल बैंकिंग चैनलों पर लागू होती है, जिससे एक समग्र सुरक्षा परत मिलती है।
- डिजिटल सुरक्षा में भूमिका : संदिग्ध परिस्थितियों में, जैसे कि जब किसी व्यक्ति पर धोखाधड़ी के माध्यम से वित्तीय लेनदेन करने का दबाव डाला जा रहा हो, किल स्विच का उपयोग वित्तीय नुकसान को रोकने में मदद कर सकता है।
- पुन : सक्रियण प्रक्रिया : सुरक्षा कारणों से, किल स्विच द्वारा फ्रीज की गई सेवाओं को आमतौर पर बैंक की भौतिक शाखा में जाकर या एक सुरक्षित सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से ही पुन : सक्रिय किया जा सकता है।

यहां पर मिलेगी सुविधा

- मोबाइल बैंकिंग एप्लीकेशन : बैंक के आधिकारिक ऐप के होमपेज पर किल स्विच का बटन होता है। ऐप लॉगिन कर सुरक्षा टैब में जाएं, फ्रीज ऑल सर्विस पर क्लिक कर दें।
- इंटरनेट बैंकिंग : बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के सिक्योरिटी विकल्प में जाकर डिजिटल सेवा रोक सकते हैं।
- बैंक की वेबसाइट : बैंक वेबसाइट के लैंडिंग पेज पर किल स्विच का लिंक रहता है। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से सेवाओं को फ्रीज कर सकते हैं। एसएमएस और कॉल सुविधा भी है।

वैश्विक परिदृश्य

- कई देश डिजिटल धोखाधड़ी से निपटने और ऑनलाइन लेनदेन की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विभिन्न उपायों को लागू कर रहे हैं। इनमें बेहतर प्रमाणीकरण प्रक्रिया, धोखाधड़ी का पता लगाने वाले उन्नत सिस्टम व जागरूकता अभियान शामिल हो सकते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

दक्षिण कोलंबिया में धमाके से 7 की मौत

बोगोटा। कोलंबिया के दक्षिणी नारिनो प्रांत के टुमाको के एक ग्रामीण इलाके में विस्फोट होने से सात लोग मारे गये जबकि आठ से ज्यादा घायल हो गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट गुरुवार देर रात लोरेंटे जिले के एक गांव में हुआ, जो टुमाको से लगभग 25 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। नारिनो के गवर्नर लुइस अल्फोंसो एस्कोबार ने कहा कि विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह घटना सशस्त्र संघर्ष से संबंधित नहीं थी। विस्फोट संभवत : एक घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से हुआ था।

एआई कैरेक्टर तक किशारों की पहुंच रोकी

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने कहा है कि वह किशोरों के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) कैरेक्टर तक पहुंच को अस्थायी रूप से रोक रही है। कंपनी ने शुक्रवार को एक ब्लॉग पोस्ट में इसकी जानकारी दी। इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप की मालिकाना हक वाली कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने बताया कि आने वाले कुछ हफ्तों में किशोरों को एआई कैरेक्टर तक पहुंच नहीं दी जाएगी और यह रोक तब तक लागू रहेगी, जब तक नया संस्करण तैयार नहीं हो जाता।

सिंगापुर के एयर बेस में बम की धमकी मिली

सिंगापुर। सिंगापुर के पाया लेबर एयर बेस में बम की धमकी मिली जिसे जांच के बाद फर्जी पाया गया। रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर एयर फोर्स को देश के सबसे बड़े एयर बेस में बम विस्फोट किए जाने की एक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए शुक्रवार को धमकी दी गई। उन्होंने बताया कि धमकी मिलने के बाद एहतियातन कदम उठाए गए और एयर बेस में गहनता से जांच की गई लेकिन वहां कोई बम नहीं मिला।

जावा द्वीप : भूस्खलन से आठ लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शनिवार की तड़के मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 82 अन्य लापता हो गये। बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश में जुटे है। लगातार कई दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण पश्चिम जावा प्रांत के वेस्ट बांडुंग जिले के पासिर लांगू गांव में नदियां उफान पर हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि मलबे और कीचड़ में दबे होने की आशंका में 82 ग्रामीणों की तलाश के लिए बचाव दल अभियान चला रहे हैं, जबकि 24 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे।

किसी भी हमले को पूरी तरह से युद्ध मानेंगे, सख्ती से देंगे जवाब

अमेरिकी जहाजों के अपनी ओर बढ़ने को लेकर ईरान ने दी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने कहा है कि वह अपनी जमीन पर किसी भी हमले को पूरी तरह से एक युद्ध मानेगा और यथासंभव सख्ती से जवाब देगा। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर यह बात कही है। उन्होंने यहां कहा कि हम इस बार किसी भी हमले को हमारे खिलाफ पूरी तरह से युद्ध मानेंगे, चाहे वह सीमित, असीमित, सर्जिकल, काइनेटिक या कुछ और हो। हम जितना संभव हो उतनी सख्ती से इसका जवाब देंगे।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि बड़ी संख्या में अमेरिकी सैन्य जहाज ऐतिहात के तौर पर ईरान की ओर बढ़ रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान अपने मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों को विकसित करना जारी रखने की कोशिश करता है तो वह ईरान पर हमलों का समर्थन करेंगे। उन्होंने हालिया विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी ईरान को एक 'शक्तिशाली

ईरान ने की यूरोपीय संसद के प्रस्ताव की निंदा

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय ने हालिया अशांति के दौरान मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर ईरानी शासन की आलोचना करने वाले यूरोपीय संसद के प्रस्ताव की कड़ी निंदा करते हुए उसे हस्तक्षेपकारी और गैर-जिम्मेदार करार दिया। यूरोपीय संसद ने गुरुवार को ईरानी जनता के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त करते हुए ईरान सरकार पर मानवाधिकार उल्लंघनों का आरोप लगाया था और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर को आतंकवादी संगठन घोषित किए जाने का आह्वान किया था। ईरान की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह प्रस्ताव झूठे और गलत दावों पर आधारित है और इसमें नैतिक आधार का अभाव है। बयान में यूरोपीय संघ द्वारा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के समर्थन, अमेरिकी प्रतिबंधों के पालन और इज़राइल के साथ सैन्य कार्रवाइयों में मिलीभगत का हवाला दिया गया।

ट्रिगर पर रखी है ईरान की उंगली

दुबई। ईरान में हाल ही में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों को कुचलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ईरानी सशस्त्र बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड के कमांडर ने शनिवार को कहा कि देश पहले से कहीं अधिक तैयार है, उसकी उंगली ट्रिगर पर रखी हुई है। यह चेतावनी अमेरिकी युद्धपोतों के मध्य पूर्व की ओर बढ़ने के बीच आई। कमांडर जनरल मोहम्मद पाकपुर ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दी कि वे किसी भी प्रकार की गलतफहमी न पालें। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाइर्स और ईरान, कमांडर-इन-चीफ के आदेशों और निर्देशों को पूरा करने के लिए पहले से कहीं अधिक तैयार हैं, उनकी उंगलियां ट्रिगर पर हैं। प्रदर्शनों पर हुई हिंसक कार्रवाई के बाद ईरान और अमेरिका के बीच तनाव है।

हमले' की धमकी दी थी। उन्होंने ईरान में विरोध प्रदर्शनों के बीच यह भी कहा कि उनका मानना है कि इस्लामिक गणराज्य को नए नेतृत्व की जरूरत है। ट्रंप ने कहा है कि ईरान पर कड़ी नज़र रखी जा रही है और एक विशाल बेड़ा खाड़ी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, मैंने कहा, अगर आप (प्रदर्शनकारियों को) फांसी देते हैं, तो आप पर पहले से कहीं ज़्यादा ज़ोरदार हमला होगा। इसके आगे ईरान परमाणु ठिकानों पर किए गए हमारे हमले मामूली नज़र आयेंगे। हमारा एक विशाल बेड़ा उस दिशा में जा रहा है। शायद हमें इसके इस्तेमाल की जरूरत न पड़े, लेकिन हम देखेंगे।

संभावित यूनेस्को सूची में भारत के तीन बौद्ध स्थल

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने राज्य के तीन प्रमुख बौद्ध स्थलों- रत्नागिरि, ललितगिरि और उदयगिरि को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता देने पर विचार करने के लिए भारत की संभावित सूची में शामिल किए जाने के यूनेस्को के कदम का शनिवार को स्वागत किया। ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने कहा कि तीनों बौद्ध स्थलों ने प्राचीन ज्ञान से लेकर वैश्विक मान्यता तक का सफर तय किया है। परिदा राज्य के पर्यटन विभाग की प्रभारी मंत्री भी हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, रत्नागिरि, उदयगिरि और ललितगिरि को यूनेस्को की संभावित सूची में शामिल किया गया है। परिदा ने कहा कि यूनेस्को की संभावित सूची में राज्य के तीन बौद्ध स्थलों को जगह दिया जाना विरासत, संरक्षण और सतत पर्यटन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यूनेस्को ने ओडिशा के तीन रत्नों- रत्नागिरि, ललितागिरि और उदयगिरि, को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता देने के लिए भारत की संभावित सूची में शामिल किया है। यह हमारे राज्य, संस्कृति और विरासत के लिए गर्व की बात है।

शांति वार्ता के बीच यूक्रेन पर रूसी हमले

कीव, एजेंसी

● हमले में एक व्यक्ति की गई जान और 31 अन्य नागरिक घायल

यूक्रेन में चार साल से जारी युद्ध को खत्म करने के उद्देश्य से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में यूक्रेन, रूस और अमेरिका के वार्ताकारों के बीच शनिवार को दूसरे दिन की वार्ता से पहले रूस ने शुक्रवार रात कीव पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए, जिनमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 31 अन्य घायल हो गए।

कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको के मुताबिक, यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के ड्रोन हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। वहीं, खारकीव के क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने शनिवार को बताया कि यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर रूस के ड्रोन हमलों में 27 लोग घायल हो गए। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब शनिवार को यूएई में संबंधित देशों के वार्ताकारों के बीच दूसरे दिन की वार्ता होने की संभावना थी।

यह वार्ता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के अधिकारियों की दोनों देशों के साथ हुई पहली ज्ञात बैठक है, जो वाशिंगटन की ओर से यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध

यूक्रेन ही नहीं वार्ता पर भी साधा निशाना

यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने इस हमले को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने एक्स पर लिखा, पुतिन ने धूर्तापूर्वक यूक्रेन पर एक क्रूर और व्यापक मिसाइल हमले का आदेश दिया, उनके मिसाइलों ने न केवल हमारे लोगों बल्कि वार्ता को भी निशाना बनाया।

को समाप्त करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये वार्ताएं संवाद को बढ़ावा देने और संकट का राजनीतिक समाधान खोजने से जुड़ी कोशिशों का हिस्सा हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने पहले दिन की वार्ता को सार्थक बताया।

अफगानिस्तान में हिमपात के कारण 61 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में हाल में भारी हिमपात और बारिश के कारण 61 लोगों की मौत हो गई जबकि 110 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शनिवार को यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक बुधवार और गुरुवार को हिमपात और मूसलाधार बारिश से 458 घरों को पूर्ण या आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। ये आंकड़े शुरुआती हैं और कई क्षेत्रों में जान-माल के नुकसान का अब भी आंकलन किया जा रहा है जिससे इन आंकड़ों में बदलाव अभी संभव है। उल्लेखनीय है कि बीते तीन दिनों में अफगानिस्तान के कई क्षेत्रों में ठंडे तापमान और भारी हिमपात के कारण राजमार्ग और सड़कें बंद हो गई हैं। इसमें काबुल और कई प्रांतों को जोड़ने वाली सड़कें भी हैं।

डोनाल्ड ट्रंप बोले-चीन कनाडा को खा जाएगा

वॉशिंगटन, एजेंसी

● ग्रीनलैंड पर अमेरिकी प्रस्ताव ठुकराने की आलोचना की

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर गोल्डन डोम बनाने का प्रस्ताव ठुकराने के लिए कनाडा की आलोचना करते हुए कहा है कि चीन उनके देश को खा सकता है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा किए गए एक पोस्ट में कहा, कनाडा ग्रीनलैंड पर गोल्डन डोम बनाने का विरोध कर रहा है, हालांकि यह कनाडा की रक्षा करेगा। इसके बजाय, उन्होंने चीन के साथ व्यापार करने का फैसला किया है जो उन्हें पहले ही साल में खा जाएगा।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में अपने भाषण में कहा था कि नियम-आधारित व्यवस्था लुप्त होती जा रही है। उन्होंने यहां चीन के साथ सात अरब डॉलर के एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें चीन की इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर टैरिफ हटाना भी शामिल था। ट्रंप ने दावोस में कहा था, कनाडा अमेरिका की वजह से ज़िंदा है। यह याद रखना, मार्क, अगली बार जब तुम बयान दो। यह भी कहा था कि कनाडा को अमेरिका से बहुत सारी मुफ्त चीज़ें मिलती हैं। उन्हें अमेरिकी सुरक्षा के लिए शुक्रगुजार होना चाहिए।

मणिपुर : बड़े पैमाने पर हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद करते हुए एक सक्रिय उग्रवादी कैडर को गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को इंफाल पूर्व जिले के सागोलमांग थाना क्षेत्र के अंतर्गत चानुंग पहाड़ी श्रृंखला की तलहटी से हथियारों और उपकरणों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया। सुरक्षा बलों ने सैकड़ों एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती को भी नष्ट किया है। तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र से गिरफ्तार उग्रवादी के पास से 9 एमएम पिस्टल, दो मैगजीन, 30 जिंदा गोलियां, एक एम्युनिशन पाउच, सिम कार्ड सहित मोबाइल फोन, एक कलाई घड़ी और टॉर्च बरामद की गई। अलग कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने 15 एकड़ में अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया।

अब अपनी सुरक्षा का जिम्मा खुद संभालेंगे अमेरिका के सहयोगी

वाशिंगटन, एजेंसी

● ट्रंप प्रशासन की नई रक्षा रणनीति में बदलीं प्राथमिकताएं

अमेरिका के रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने शुक्रवार देर रात प्राथमिकताओं में बदलाव को दर्शाने वाली नई राष्ट्रीय रक्षा रणनीति जारी की, जिसमें अमेरिका के सहयोगी देशों को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद संभालने को कहा गया। इस प्रकार का 34 पन्नों का दस्तावेज 2022 के बाद पहली बार जारी किया गया है।

दस्तावेज में यूरोप से लेकर एशिया तक के साझेदार देशों की आलोचना की गई है कि वे अपनी रक्षा के लिए पूर्व अमेरिकी सरकारों पर निर्भर रहे। अब रूस से लेकर उत्तर कोरिया तक के खतरों से निपटने का ज्यादा बोझ सहयोगी देशों को उठाना होगा। रक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रीनलैंड और पनामा नहर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक अमेरिकी सैन्य और व्यावसायिक पहुंच के लिए विश्वसनीय विकल्प देने की बात कही गई है। कहा गया कि चीन पर प्रभुत्व जमाना या उसे अपमानित करना नहीं है, बल्कि उसे अमेरिका और उसके सहयोगियों पर हावी होने से रोकना है। इसमें ताइवान का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है, जबकि 2022 की रणनीति में ताइवान की आत्मरक्षा के समर्थन की बात कही गई थी। यूरोप के बारे में कहा गया है कि रूस नाटो के पूर्वी सदस्यों के लिए खतरा बना रहेगा।

आव्रजन प्रवर्तन के खिलाफ प्रदर्शन

मिनियापोलिस। अमेरिका में मिनेसोटा राज्य के सबसे बड़े हवाई अड्डे पर शुक्रवार को आव्रजन प्रवर्तन के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लगभग 100 पादरियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस बीच कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों लोग मिनियापोलिस उपनगर में ट्रंप प्रशासन की सख्त आव्रजन कार्रवाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन राज्य भर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़ी हुई आव्रजन कार्रवाई के विरोध में जारी आंदोलन का हिस्सा हैं। श्रमिक संघों, प्रगतिशील संगठनों और धर्मगुरुओं ने मिनेसोटा के लोगों से काम, स्कूल और दुकानों पर भी नहीं जाने की अपील की है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 जनवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 23 .10 तक तत्पश्चात अष्टमी।

आज का पंचांग

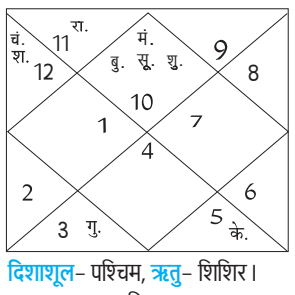

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 13 .35 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष
आज कार्यक्षेत्र में आपका दिन बहुत अच्छा रहेगा। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी का विचार बनाएंगे। दृढ़ निश्चय के दम पर आप कोई बड़ा काम कर सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

वृष
आज बेवजह के मुद्दों पर आप घिर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। फाइनेंस से जुड़े कार्यों में देरी हो सकती है। लोन संबंधित मामले उलझने की आशंका है। कब्ज के रोगियों को परेशानी होगी।

मिथुन
आज आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कारोबार में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा। आप परिजनों के साथ बेहतरीन समय बिताएंगे। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण पाने में सफल रहेंगे। दांपत्य जीवन बेहद सुखद रहेगा।

कर्क
आज अति उत्साह के कारण आपके काम बिगड़ने की आशंका है। पुराने रोग दोबारा उभर सकते हैं। शाम के समय आप दिखावे में धन खर्च करेंगे। विदेशी स्रोतों से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। समस्याओं को लेकर आप लापरवाह हो सकते हैं।

सिंह
आज प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। पैतृक कारोबार में आपको बड़ा लाभ मिल सकता है। आपके द्वारा बनाई हुई योजना सफल होगी। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बेहतरीन अवसर प्राप्त होने की संभावना है।

कन्या
आज जीवनसाथी के प्रति आपके मन में सम्मान भाव बढ़ेगा। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए कार्य की योजना बनाने के लिए दिन शुभ है। कानूनी पचड़ों से मुक्ति मिल सकती है। व्यापार में पार्टनरशिप करने के मौके मिलेंगे।

तुला
आज आपकी सेहत अच्छी बनी रहेगी। पिता के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। दांपत्य जीवन का असंतोष भी आप संवाद के बल पर दूर कर सकते हैं। नई तकनीक के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। आप दूसरों की मदद करने के कारण लोकप्रिय रहेंगे।

वृश्चिक
आज नए प्रेम संबंधों को लेकर सावधान रहें। पाचन शक्ति कमजोर होने के कारण दस्त और उल्टी जैसी समस्या हो सकती है। दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। घर और कार्यक्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की कमी के कारण आप क्रोधित हो सकते हैं।

धनु
आज आपको एक बड़ा पद सौंपा जा सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ सूचना मिल सकती है। नव विवाहित जोड़े परिवार आगे बढ़ाने की फैमिली प्लानिंग करने का विचार बना सकते हैं। जॉब व व्यवसाय में अपने लक्ष्यों को समय से पूर्व ही निपटा लेंगे।

मकर
आज आपके मस्तिष्क में कुछ बेहतरीन रचनात्मक आइडियाज आएंगे। इसका प्रयोग आप नए स्टार्टअप के लिए भी कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को सहकर्मियों के व्यवहार से परेशानी होगी। अपने लक्ष्य के प्रति आप एकाग्र रहेंगे। व्यापार में अचानक धन लाभ हो सकता है।

कुंभ
आज का पूरा दिन आत्मविश्वास से भरपूर रहेगा। विवादित मामलों पर समझौता हो सकता है। मीडिया और राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। लोगों के बीच आप लोकप्रिय रहेंगे। प्रेमी जोड़े विवाह के लिए परिजनों को मनाने में सफल रहेंगे।

मीन
आज अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। घर के बुजुर्ग आपसे प्रसन्न रहेंगे। ऑफिस में काम अधिक न होने के बाद भी आपको ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। पुरानी उलझनों को लेकर आप थोड़े परेशान रहेंगे। गले में इंफेक्शन की समस्या हो सकती है।

सुडोकू-42

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7	8	4		3
		6	3		2			
8			6		1	9		
				5			9	
		4				7		
	2			3				
		7	4		9			6
					3	5		
6		3	8	1			7	

सुडोकू - 41 का हल

8	6	7	3	2	5	4	1	9
1	5	9	4	7	8	2	6	3
3	2	4	9	1	6	8	7	5
2	4	8	5	3	7	1	9	6
9	3	1	6	8	4	7	5	2
6	7	5	1	9	2	3	8	4
4	9	2	7	6	1	5	3	8
5	1	6	8	4	3	9	2	7
7	8	3	2	5	9	6	4	1

सूर्यकुमार यादव ने दिखा दिया कि वह टी20 में नंबर एक बल्लेबाज क्यों है। मैंने उसके साथ बल्लेबाजी का पूरा आनंद लिया। उसे इस तरह से बल्लेबाजी करते हुए देखना बहुत अच्छा लगा। मुझे लगता है कि उसकी बल्लेबाजी बहुत दमदार है।
–शिवम दुबे

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 25 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सोशल मीडिया से दूरी बनाने का मिला लाभ : सूर्यकुमार

रायपुर। भारतीय टी20 टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी के साथ पिछले साल टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बल्ले से बेहद खराब प्रदर्शन करने वाले सूर्यकुमार यादव ने कहा कि मैदान पर समय बिताने और सोशल मीडिया से दूर रहने से उन्हें अपनी लय वापस पाने में मदद मिली। सूर्यकुमार ने 2025 में 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सिर्फ 218 रन बनाये थे। टी20 विश्व कप को लेकर उनकी फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती दो मैच में हालांकि ये चिंताएं काफी हद तक दूर हो गईं। उन्होंने पहले मैच में संभलकर 22 गेंदों में 32 रन बनाए और दूसरे मैच में 37 गेंदों में 82 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली।

धोनी ने किया अभ्यास अटकलें शुरू

रांची। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने यहां अभ्यास शुरू कर दिया है जिससे उनकी आईपीएल 2026 की तैयारियों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ ने सोशल मीडिया पर एक छोटा वीडियो साझा किया जिसमें धोनी को नेट सत्र के लिए पैड पहनते हुए देखा जा सकता है। इस पोस्ट के साथ शीर्षक में लिखा गया, देखो कौन वापस आया है।

भारत की निगाह टी-20 शृंखला जीतने पर

ईशान किशन ने बढ़ाया संजू सैमसन पर दबाव, तीसरा मुकाबला आज शाम सात बजे से

गुवाहाटी, एजेंसी

पहले दोनों मैच आसानी से जीतने के बाद भारत रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके पांच मैच की शृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगा, जिसमें संजू सैमसन के प्रदर्शन पर सभी की निगाह टिकी रहेंगी क्योंकि ईशान किशन ने पिछले मैच में शानदार वापसी करके उन पर दबाव बढ़ा दिया है। किशन की शानदार पारी से इस बात पर बहस फिर से शुरू हो जाएगी कि अभिषेक शर्मा का पसंदीदा सलामी जोड़ीदार कौन होना चाहिए, क्योंकि सैमसन अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के लिए जूझ रहे हैं।

टी20 विश्व कप के शुरू होने में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ बाकी बचे तीन मैच खेलने हैं। ऐसे में भारत की टीम संयोजन काफी हद तक तय लग रहा है। भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। किशन की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है।

गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया। लेकिन अपने पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी करने पर केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। ऐसे में यह शृंखला उनके लिए निर्णायक साबित हो सकती है। तेज गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई है। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला के दौरान वह तेज गेंदबाजों के हाथों पांच बार सस्ते में आउट हो गए। इसमें जोफ्रा आर्चर के हाथों लगातार तीन बार आउट होना भी शामिल है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैच में वह केवल 10 और छह रन ही बना सके और उन्हें क्रमशः काइल जैमीसन और मैट हेनरी ने आउट किया। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज डब्ल्यूवी रमन ने रायपुर में आउट होने के बाद सोशल मीडिया पर इसका सटीक वर्णन किया।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।

ईशान किशन।

बीसीबी को पांच लाख डॉलर की भागीदारी फीस का होगा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप से बाहर होने से बीसीबी पर वित्तीय रूप से भी बुरी तरह पड़ेगा। बोर्ड को 500,000 अमेरिकी डॉलर की भागीदारी फीस का नुकसान होगा जो हर देश को मिलती है। लेकिन इससे भी बड़ा संभावित नुकसान आईसीसी के वार्षिक राजस्व का होगा।

बीसीबी को सालाना आईसीसी से राजस्व के हिस्से के रूप में 330 करोड़ बांग्लादेशी टका (लगभग 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मिलते हैं जो उसके वार्षिक बजट का लगभग 60 प्रतिशत है। इसके अलावा टूर्नामेंट नहीं खेलने के कारण प्रायोजक राशि का नुकसान होगा। बीसीबी के पास एकमात्र कानूनी विकल्प स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट में जाने का है लेकिन टूर्नामेंट फिर भी जारी रहेगा।

स्कॉटलैंड की चमकी किस्मत : स्कॉटलैंड वह अगली उच्चतम रैंक वाली टी20 अंतर्राष्ट्रीय टीम है जो मूल रूप से टी20 विश्व कप की योग्यता से चूक गई थी। वर्तमान में उनकी रैंकिंग 14वीं है जो वास्तव में प्रतियोगी टीमों जैसे नामीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, अमेरिका, कनाडा, ओमान और इटली से आगे है। इसके अनुसार स्कॉटलैंड को बांग्लादेश की जगह ग्रुप सी में शामिल किया गया है, जहां वे इंग्लैंड, इटली, नेपाल और वेस्ट इंडीज के साथ खेलेंगे। आईसीसी ने प्रतिभागी सदस्य देशों को भी बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटाए जाने की सूचना दे दी है।

अंडर-19 विश्व कप

विकेट लेने के बाद जश्न मनाते अम्बरीष। एजेंसी

न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने लगाई जीत की हैट्रिक

बुलावायो, एजेंसी

- **डीएलएस पद्धति से 141 गेंद शेष रहते 7 विकेट से मिली विजय**

अम्बरीष (चार विकेट) और हेलिन पटेल (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी और कप्तान आयुष म्हात्रे (53) के शानदार अर्धशतक के दम पर भारतीय टीम ने शनिवार को अंडर-19 विश्वकप के वर्षा प्रभावित 24वें मुकाबले में न्यूजीलैंड को डीएलएस पद्धति के तहत 141 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हरा दिया।

वर्षा के कारण 37 ओवर के कर दिए गए मैच में भारत ने न्यूज़ीलैंड की टीम को 36.2 ओवर में 135 के स्कोर समेट दिया। भारत को 130 रन का संशोधित लक्ष्य मिला जो उसने 13.3 ओवर में तीन विकेट पर 130 रन बनाकर हासिल कर लिया और जीत की हैट्रिक पूरी की। म्हात्रे ने 27 गेंदों पर 53 रन की आतिशी पारी में दो चौके और छह छक्के मारे। वैभव सूर्यवंशी ने 23 गेंदों पर 40 रन में दो चौके और तीन छक्के लगाए। विहान मल्होत्रा ने नाबाद 17 और वेदांत त्रिवेदी ने नाबाद 13 रन बनाये।

आज यहां भारतीय अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 22 रन के स्कोर पर अपने पांच विकेट गंवा दिये। ह्यूगो बोग (चार), टॉम जोन्स (दो), आर्यन मान (पांच), मार्को विलियम एल्पे (एक), स्नेहिथ रेड्डी 10 रन बनाकर आउट हुए।

झारखंड के सामने पस्त हुआ यूपी पारी से हार की दहलीज पर

रणजी ट्रॉफी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट राउंड में पहुंचने की उत्तर प्रदेश की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में झारखंड के खिलाफ खेले जा रहे अहम मुकाबले में मेजबान टीम पूरी तरह बैकफुट पर नजर आई। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक यूपी की टीम पारी से हार के बेहद करीब पहुंच गई है, जबकि झारखंड को जीत के लिए सिर्फ तीन विकेट की दरकार है।

झारखंड के गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के सामने उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज पूरी तरह बेबस दिखे। विशाल स्कोर का दबाव और तकनीकी कमजोरियां दोनों पारियों में साफ झलकीं।

निराशाजनक प्रदर्शन, चौथे दिन पारी से हार का खतरा

उत्तर प्रदेश के लिए यह मुकाबला जीतना बेहद जरूरी था, क्योंकि सिर्फ सीधी जीत ही उसे नॉकआउट का टिकट दिला सकती थी। लेकिन बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों ही विभागों में टीम औसत से भी नीचे रही। इकाना स्टेडियम की पिच पर जहां झारखंड के बल्लेबाजों ने जमकर रन बरसाए, वहीं यूपी के बल्लेबाज क्रीज पर टिकने के लिए संघर्ष करते नजर आए। अब चौथे दिन उत्तर प्रदेश पर पारी से हार का खतरा साफ मंडरा रहा है, जिससे इस सत्र में उसका रणजी सफर यहीं थम सकता है।

यूपी के बल्लेबाज को आउट करने के बाद खुशी मनाते झारखंड के खिलाड़ी। अमृत विचार

पहली पारी में ताश के पत्तों की तरह ढहा यूपी

झारखंड की ओर से बनाए गए 561 रनों के विशाल स्कोर के जवाब में उत्तर प्रदेश की पहली पारी महज 176 रनों पर सिमट गई। तीसरे दिन यूपी ने 32 रन पर तीन विकेट से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन विकेट गिरने का सिलसिला थमा नहीं। अभिषेक गोस्वामी ने एक छोर संभालते हुए 163 गेंदों पर 85 रन (13 चौके, एक छक्का) की जुझारू पारी जरूर खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला। झारखंड की ओर से शुभम कुमार सिंह ने चार और जतिन कुमार पांडेय ने तीन विकेट लेकर यूपी की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

फॉलोऑन के बाद भी नहीं संभली स्थिति

385 रनों की विशाल बढ़त के बाद झारखंड ने उत्तर प्रदेश को फॉलोऑन दिया। उम्मीद थी कि दूसरी पारी में यूपी के बल्लेबाज बेहतर प्रदर्शन करेंगे, लेकिन हालात और खराब हो गए। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज महज नौ रन के कुल स्कोर पर पवेलियन लौट गए। कप्तान आर्यन जुयाल ने 24 रन बनाकर कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन उनके आउट होते ही विकेटों का पतन शुरू हो गया। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक उत्तर प्रदेश ने दूसरी पारी में 69 रन पर सात विकेट गंवा दिए हैं। टीम अब भी झारखंड से 316 रन पीछे है और उसके पास केवल तीन विकेट शेष हैं। झारखंड की ओर से जतिन पांडेय, साहिल राज और सौरभ शेखर ने दो-दो विकेट चटकाकर जीत लगभग तय कर दी है।

आरसीबी की राधा यादव का विकेट लेने का जश्न मनातीं दिल्ली कैपिटल्स की चिनेल हेनरी। एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स 7 विकेट से जीती, आरसीबी की पहली हार

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने अनुशासित गेंदबाजी के बाद लौरा वोलवार्ट 42 रन की नाबाद पारी से शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग मैच में तालिका में शीर्ष पर चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 26 गेंद रहते सात विकेट से हराकर अपनी तीसरी जीत दर्ज की।

आरसीबी को टूर्नामेंट में पहली हार का मुंह देखना पड़ा जिसके छह मैच में पांच जीत से 10 अंक हैं। इस हार के बावजूद वह शीर्ष पर कायम हैं। दिल्ली कैपिटल्स छह मैच में तीसरी जीत से छह अंक से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजों ने आरसीबी को 20 ओवर में महज 109 रन पर समेट दिया। आरसीबी की केवल तीन खिलाड़ी ही दोहरे अंक के स्कोर तक पहुंच सकी जिसमें कप्तान स्मृति मंधाना 38 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए नंदिनी शर्मा ने तीन विकेट जबकि मरिजान काप, चिनेल हेनरी और मीनू मणि ने दो दो विकेट झटके। श्री चरणी ने एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य बड़ा नहीं था और दिल्ली कैपिटल्स ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 111 रन बनाकर इसे हासिल कर लिया।

शानदार बोटिक वान डे जैंडस्चुल्प को सीधे सेटों में हराया, ऑस्ट्रेलियाई ओपन में फेडरर की बराबरी

जोकोविच ने गैंडस्लैम में दर्ज की 400वीं जीत

मेलबर्न, एजेंसी

दिग्गज नोवाक जोकोविच ने टेनिस जगत नया इतिहास बनाने का सिलसिला जारी रखते हुए शनिवार को यहां ग्रैंड स्लैम में 400वीं जीत और ऑस्ट्रेलियन ओपन में 102वीं जीत दर्ज की। चौबीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर के मैच में बोटिक वान डे जैंडस्चुल्प को 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर ग्रैंड स्लैम एकल मुकाबलों में 400 जीत दर्ज करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनका जीत-हार रिकॉर्ड 102-10 हो गया, जो इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक मैच जीत के मामले में रोजर फेडरर के करियर रिकॉर्ड की बराबरी है।

जोकोविच अब तक ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब 10 बार जीत चुके हैं, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक है। 38 वर्षीय जोकोविच इस बार अपने करियर का 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ ऑस्ट्रेलिया में खेल रहे हैं। वह अगर ऐसा करने में सफल रहे तो सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। जैंडस्चुल्प के खिलाफ मुकाबले में जोकोविच शुरू से ही पूरी तरह नियंत्रण में नजर आए। तीसरे सेट में कुछ क्षणों को छोड़कर उन्हें कोई खास परेशानी नहीं हुई। तीसरे गेम में वह फिसलकर कोर्ट पर गिर पड़े और बाद में 12वें गेम में उन्हें दो सेट प्वाइंट का सामना करना पड़ा। तीसरे गेम के बाद चेंजओवर के दौरान उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया, जहां फिजियो ने उनके दाएं पैर के अगले हिस्से पर टेप लगाया।

10 बार जीत चुके हैं ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक है

यह टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत रही है। पिछले साल मैंने एक सबक सीखा। कुछ ग्रैंड स्लैम में मैं बहुत जल्दी उत्साहित हो गया था और चार में से तीन में चोटिल हो गया।
–नोवाक जोकोविच

भारतीय भांबरी तीसरे दौर में, बालाजी बाहर

मेलबर्न। भारत के युकी भांबरी ने पुरुष युगल के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक अन्य भारतीय खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी दूसरे दौर से बाहर हो गए। भांबरी और उनके स्वीडिश साथी आंद्रे गोरानसन की 10वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने दूसरे दौर के मुकाबले में सैंटियागो गोंजालेज और डेविड पेल की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 4-6, 7-6(5), 6-3 से हराया। यह मैच टूर्नामेंट की अत्यधिक गर्मी से जुड़ी नीति के कारण एक बार बीच में रोकना पड़ा था। यह मैच कुल मिलाकर दो घंटे और छह मिनट तक चला। इसे उस समय स्थगित कर दिया गया था जब भांबरी और गोरानसन 4-6, 2-2 से पीछे चल रहे थे।

जेसिका पेगुला।

सिनर, कीज और पेगुला चौथे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया।

शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा। उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिर्री को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरेट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया।

इस बीच महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज़ ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरेट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया। अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी और अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराया।